ARISE WITH VIRTUES

BHAVDIYA

अभ्युदय

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स

BHAVDIYA GROUP OF INSTITUTIONS

(ISO 9001:2008 Certified Institution)

वर्ष : 13 अंक : 06 सत्र : 2023-24

प्रबन्ध एवं प्रशासनिक मण्डल

एम. एल. वर्मा
प्रबन्ध निदेशक
प्रतिष्ठित व्यवसायी

इं. पी. एन. वर्मा
अध्यक्ष
पूर्व मण्डल अभियन्ता
दूर संचार विभाग

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
शिक्षासेवी

केन्द्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय कम्प्यूटर लैब

अभ्युदय

अंक : 6 | वर्ष : 13 | सत्र : 2023–2024

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक : डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव
सम्पादक : श्री अवनीश शुक्ल
विशिष्ट सम्पादक : डॉ. संजय कुशवाहा (निदेशक–फार्मेसी)
डॉ. शिशिर पाण्डेय (निदेशक–मैनेजमेण्ट)
श्रीमती ज्योति वर्मा (समन्वयक, नर्सिंग विभाग)
श्री विनोद वर्मा (विभागाध्यक्ष–कृषि विभाग)

छात्र/छात्रा सम्पादक

शिक्षक प्रशिक्षण : 1. रितु सिंह–डी.एल.एड्. द्वितीय वर्ष, 2. अंचल विश्वकर्मा डी.एल.एड्. प्रथम वर्ष, 3. आकाश यादव डी.एल.एड्. प्रथम वर्ष, 4. सकीना फारूकी बी.एड्. प्रथम वर्ष,
कृषि संकाय : 1. आलोक वर्मा बी–एस.सी. कृषि द्वितीय सेमेस्टर, 2. सलोनी निषाद, बी–एस.सी. कृषि प्रथम सेमेस्टर, 3. काव्या पटेल बी–एस.सी. कृषि प्रथम सेमेस्टर, 4. आकाँक्षा सिंह, बी–एस.सी. कृषि प्रथम सेमेस्टर,
मैनेजमेन्ट संकाय : 1. सिद्धार्थ पाण्डेय बी–कॉम, चतुर्थ सेमेस्टर, 2. निवेदिता सिंह, एम.बी.ए. पंचम सेमेस्टर
नर्सिंग संकाय : 1. ट्विंकल सिंह बी–एस.सी. नर्सिंग IInd वर्ष, 2. मनतसा बानों बी–एस.सी. नर्सिंग IInd वर्ष
फार्मेसी संकाय : 1. तुसार मिश्र बी–फार्म चतुर्थ वर्ष, 2. अंशिका पटेल बी–फार्म तृतीय वर्ष, 3. इरम फातिमा डी–फार्म द्वितीय वर्ष, 4. मो0 आयान डी–फार्म प्रथम वर्ष

Scan QR code connect to Facebook Page

ARISE WITH VIRTUES
BHAVDIYA

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल–अयोध्या
www.bgi.ac.in
+91 70816 80000, +91 78002 66000

अभ्युदय : 2023-24

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सीवार-सोहावल

संस्थान-गीत

जहाँ पर जगता है आलोक, जहाँ मिटता अँधियारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥

अवध का दिव्य क्षेत्र सीवार–सोहावल–ग्रामांचल अभिराम,
जहाँ के उत्तर पथ के छोर बहे सरयू–धारा अविराम,
हरित वन–उपवन–निर्मल नीर अलौकिक कूल–किनारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥1॥

यशस्वी 'वर्मा मिश्रीलाल' बने संस्थापक अथक उदार,
पिताश्री 'हेमराज' का स्नेह, 'रमाऊ देवी' माँ का प्यार,
उसी से निर्मित यह संस्थान नित्य नूतन उजियारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 2॥

जहाँ संचालित हैं सब भाँति नयी शिक्षा के विविध प्रकल्प,
चिकित्सा–शिक्षण–कम्प्यूटर–प्रबन्ध के बने श्रेय–संकल्प,
लोक ने देकर शुभ सहयोग हमारा लक्ष्य सँवारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 3॥

प्रगति का अमर साधना–धाम चेतना का पावन उल्लास,
युवा पीढ़ी का जो दिन–रात बढ़ाये मंगलमय विश्वास,
'हमारा हाथ–आपका साथ' बना चिर–चिन्तन न्यारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 4॥

[इस संस्थान–गीत की रचना इन्स्टीट्यूट के प्रबन्ध–तंत्र के सचिव डॉ. अवधेशकुमार वर्मा तथा संस्थान के चेयरमैन इं. पी. एन. वर्मा की प्रेरणा से कवि डॉ. जनार्दन उपाध्याय, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, साकेत महाविद्यालय, अयोध्या के द्वारा महाशिवरात्रि 07 मार्च, 2016 ई. को की गयी।]

G20 भारत 2023 INDIA
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226 027

12 मार्च, 2024

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, अयोध्या द्वारा 07 अप्रैल, 2024 को अपने वार्षिक सारस्वत समारोह के अवसर पर वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन किया जा रहा है।

आशा है कि प्रकाश्य पत्रिका में ऐसी ज्ञानवर्धक एवं रोचक सामग्री का समावेश होगा, जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी एवं प्रेरक होगा।

पत्रिका 'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

अभ्युदय : 2023-24

संदेश

आशीष पटेल
मंत्री
प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले
उत्तर प्रदेश

अ.शा.प.सं./मेमो/वीआईपी/मं.प्रा.शि.उ.मा./24
विधान भवन, मुख्य भवन, कक्ष सं. 86, 87
दूरभाष : कार्यालय : 0522-2238124
आवास : 0522-2235211
आवास : 1-ए, माल एवेन्यू, लखनऊ

दिनांक 14.03.2024

शुभकामना

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार सोहावल, अयोध्या द्वारा वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन एवं वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन दिनाँक 07 अप्रैल, 2024 को किया जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स की पत्रिका में अर्जित उपलब्धियों के साथ ज्ञानवर्धक पाठ्यसामग्री का संकलन होगा, जो छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी एवं रोजगारपरक सिद्ध होगी। मेरी विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि शिक्षा क्षेत्र में ऐसी प्रतिष्ठा अर्जित करें, जो दूसरों के लिए अनुकरणीय हो।

मैं वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' के सफलतापूर्वक प्रकाशन की शुभकामनाओं के साथ संस्था परिवार एवं समस्त छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(आशीष पटेल)

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

संदेश

लल्लू सिंह
सांसद (लोक सभा)
फैजाबाद (उ0प्र0)

सत्यमेव जयते

23, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली - 110001
फोन : 011-23782845

128-क, चुंगी सहादतगंज, अयोध्या (उत्तर प्रदेश)
फैक्स : 05278-220486, मो. : 09415905607
ईमेल : lallu.singh@sansad.nic.in

सदस्य :

- स्थायी समिति-पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस
- सलाहकार समिति-पशु पालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन

दिनांक 02.03.2024

शुभकामना

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन एवं संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन दिनांक 07 अप्रैल 2024, दिन-रविवार को किया जा रहा है। उक्त पत्रिका से समाज में नया आयाम स्थापित होगा।

अतः मैं पत्रिका 'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(लल्लू सिंह)

डा. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

अभ्युदय : 2023-24

संदेश

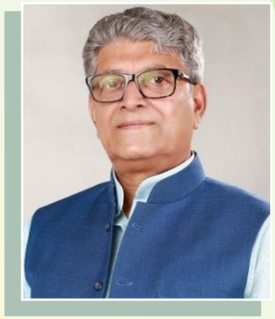

वेद प्रकाश गुप्ता
विधायक
अयोध्या विधान सभा
सदस्य-स्थानीय निकाय कमेटी

सदस्य, विधान सभा
उत्तर प्रदेश

सी-802, मंत्री आवास, बहुखण्डी भवन,
डालीबाग, लखनऊ-
ख-7, No.-161353

दिनांक : 13.03.2024

अत्यंत हर्ष का विषय है कि जनपद के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में ज्ञान और कर्म की अजस्र परम्परा के संवहन हेतु स्थापित भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, सीवार सोहावल (राष्ट्रीय राजमार्ग 27 निकट लोहिया पुल) जनपद-अयोध्या में विगत वर्षों की भाँति वर्तमान शैक्षिणक सत्र 2023-24 में भी वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन एवं संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन 07 अप्रैल 2024, दिन-रविवार को सुनिश्चित हुआ है।

मैं इसके लिए ढेर सारी शुभकामनायें देता हूँ।

(वेद प्रकाश गुप्ता)

डा. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

कैम्प कार्यालय – 9/3/201, जनाना अस्पताल रोड, रिकाबगंज, अयोध्या
मो.–8887151075, 9415048050

G20 भारत 2023 INDIA
आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

रामचन्द्र यादव
विधायक, (भाजपा)
271-रूदौली-अयोध्या

बी.जी.-3, राज्य सम्पत्ति
कालोनी, लखनऊ
ख-7 No. 031913
मो.-8765954970

शुभकामना

मुझे यह जानकर अत्यधिक हर्ष हो रहा है कि आपकी संस्था द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में वार्षिक समारोह 'सारस्वत' का आयोजन एवं संस्था की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन हो रहा है।

आपकी संस्था 'भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स सीवार सोहावल' देश के भावी कर्णधारों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एवं शिक्षा के प्रसार के माध्यम से राष्ट्र के उत्थानात्मक सृजन में आपकी संस्था अग्रणी भूमिका में निरन्तर अग्रसर है।

मुझे आशा ही नहीं विश्वास है कि 'सारस्वत' समारोह के आयोजन से छात्रों में नैतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक मूल्यों का विकास होगा तथा संस्था की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' के सम्पूर्ण विवेचनीय तथ्यों एवं विभिन्न प्रकार के सकारात्मक ऊर्जा से ओत-प्रोत लेखों/कविताओं आदि के लिए मैं संस्था के सभी लेखकों/रचनाकारों एवं संस्था के सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा की प्रशंसा करता हूँ और इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए अनंत हार्दिक शुभकामनाए देता हूँ।

(रामचन्द्र यादव)

अभ्युदय : 2023-24

संदेश

डॉ. अमित सिंह चौहान
(एम.बी.बी.एस.)
विधायक
बीकापुर विधानसभा
अयोध्या

204, टाइप-5, विधायक आवास,
दारूलशफा-लखनऊ
निवास-ग्राम व पोस्ट-महोली, जनपद-अयोध्या
ई-मेल : amit5589singh@gmail.com
क-6 No. 632139
मो.नं.-9838519794, 9415048315

दिनांक : 18.03.2024

यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स सीवार सोहावल, अयोध्या द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का षष्ठ अंक प्रकाशित होने जा रहा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में सम्मिलित नवीन सूचनायें एवं निर्देशात्मक लेख छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास, उन्नयन एवं प्रेरणा प्रदान करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

'अभ्युदय' पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिये शुभकामनायें एवं सम्पादक मण्डल व विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई।

(डॉ. अमित सिंह चौहान)

डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

संदेश

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या-224001 (उ. प्र.) भारत
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY AYODHYA-224 001 (U.P.) INDIA

Email : vc@rmlau.ac.in
vcrmlau2015@gmail.com
Website : www.rmlau.ac.in

प्रो. प्रतिभा गोयल
कुलपति
Prof. Pratibha Goyal
Vice&Chancellor

दिनांक : 12.03.2024

शुभकामना

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सीवार सोहावल, अयोध्या अपनी वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' प्रकाशित करने जा रहा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में सम्मिलित नवीन सूचनायें, विचार एवं निर्देशात्मक लेख छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास, उन्नयन एवं उन्हें प्रेरणा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन के लिये शुभकामनाएँ एवं सम्पादक मंडल को मेरी हार्दिक बधाई।

(प्रो. प्रतिभा गोयल)

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

अभ्युदय : 2023-24

संदेश

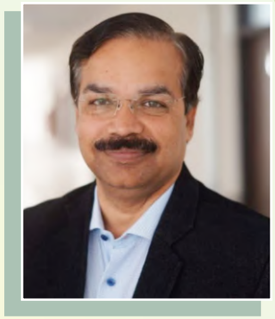

प्रो. जय प्रकाश पाण्डेय
कुलपति
Prof. Jai Prakash Pandey
Vice Chancellor

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
Dr. A.P.J. ABDUL KALAM TECHNICAL UNIVERSITY, Uttar Pradesh, Lucknow

दिनांक : 07 मार्च, 2024

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हुआ है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, अयोध्या के शैक्षणिक सत्र 2023-24 का वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन एवं संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन दिनांक 07 अप्रैल 2024 को किया जा रहा है। इस प्रकार के प्रकाशनों में विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है। तकनीकी क्षेत्र के छात्रों में रचनात्मक क्रियाकलापों एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में वार्षिक पत्रिका के प्रकाशित होने पर सभी छात्र गौरवान्वित होंगे।

आपकी यह पत्रिका ज्ञानवर्धक तथा दिशानिर्देशिका के रूप में सफलता प्राप्त करे। आप सभी को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामना।

(प्रो. जय प्रकाश पाण्डेय)
कुलपति

Sector-11, Jankipuram Extension Yojna, Lucknow-226 031 (U.P.) INDIA, Website : www.aktu.ac.in
☎ Office : +91 522 2772194 Fax : +91 522 2772189 E-mail : vc@aktu.ac.in, vinay@vpathak.in

संदेश

अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, उ.प्र., लखनऊ
Atal Bihari Vajpayee Medical University, U.P., Lucknow

डॉ. संजीव मिश्रा
कुलपति
Dr. Sanjeev Misra
M.S. MCh, FRCS (Eng.), FRCS (Glasgow),
FICS, FACS (USA), FAMS, FNASc, DSc (h.c)
Vice Chancellor

पत्रांक : 752

दिनांक 18.03.2024

शुभकामना

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सीवार सोहावल, जनपद अयोध्या द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन किया जा रहा है तथा उक्त अवसर पर 'अभ्युदय' नामक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में संकाय सदस्यों के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को भी अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर प्राप्त होगा तथा प्रकाशित होने वाली स्मारिका से चिकित्सा क्षेत्र की प्रगति एवं आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के सम्बन्ध में छात्र-छात्राओं के साथ-साथ जनमानस को भी जानकारी प्राप्त होगी।

मैं संस्थान द्वारा आयोजित वार्षिक सारस्वत समारोह एवं उक्त अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका 'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन पर संस्थान के समस्त गणमान्य सदस्यों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करता हूँ।

(डॉ. संजीव मिश्रा)

डा. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

अभ्युदय : 2023-24

संदेश

अजीत कुमार मिश्र
सचिव

अ.श. पत्रांक-सचिव कैम्प 30065/03/2024
प्राविधिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश
लखनऊ, दिनांक-15/03/2024

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि संस्था 'भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स' द्वारा संस्था की वार्षिक गतिविधियाँ, छात्र/छात्राओं की प्रगति एवं सामयिक विषयों पर परिचर्चा के संबंध में वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन करने जा रही हैं।

आशा है कि इसमें संस्था के संक्षिप्त इतिहास एवं उपलब्धियों का समावेश होने के साथ-साथ छात्र-छात्राओं के तकनीकी एवं साहित्यिक अभिज्ञान/अभिरूचि एवं प्रतिभा की अभिव्यक्ति का अवसर एवं तकनीकी क्षेत्र से संबंधित छात्र-छात्राओं के ज्ञानार्जन हेतु समुचित सामग्री प्रकाशित होगी।

मैं संस्था की वार्षिक पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

भवनिष्ठ,

(अजीत कुमार मिश्र)

डा. अवधेश कुमार वर्मा,
सचिव,
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

संदेश

मिश्रीलाल वर्मा
मुख्य प्रबन्ध निदेशक

मंगल-कामना

हेमकुञ्ज, 11/24/1-ए,
शृंगारहाट, अयोध्या-224123
दिनांक : 30.02.2024

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स

सीवार-सोहावल, अयोध्या

मेरे लिए अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि भवदीय ग्रुप की वार्षिक पत्रिका "अभ्युदय" का अंक 06 सत्र 2023-24 प्रकाशित हो रही है। समग्र सम्भावनाओं से समन्वित छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों, कर्मचारियों के भाव एवं विचारों का प्रतिबिम्ब स्वरूप संस्थान की वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन के लिए मैं अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करता हूँ और सम्पादक तथा सम्पादक मण्डल को हार्दिक बधाई देते हुए आभार प्रकट करता हूँ।

किसी भी संस्थान की वार्षिक पत्रिका उस संस्थान का दर्पण होती है उसमें संस्थान की सांस्कृतिक, शैक्षणिक, खेल-कूद एवं अनेक रचनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक अभिरूचि का पता चलता है। पत्रिका इस बात का प्रमाण है कि शिक्षार्थियों के समुचित, सकारात्मक, सर्वांगीण एवं सृजनात्मक विकास हेतु संस्थान प्रतिबद्ध है।

अभ्युदय : 2023-24

माता-पिता, परिजनों, गुरूजनों एवं सुहृज्जनों के आशीर्वाद, प्रोत्साहन एवं सहकार से विद्यार्थी जीवन से ही मेरे मन में शिक्षा-संस्कृति, मानवीय-मूल्यों एवं विद्योन्नयन के प्रति समर्पण-भावना का उन्मेष हो गया था। विज्ञान-वर्ग में स्नातक-स्तर तक की शिक्षा ग्रहण कर लेने के उपरान्त आगे की विद्यालयीय-शिक्षा में अग्रसर हाने की अनुकूलता न देखकर मैं शिक्षा-विद्या के प्रसार-प्रकाश के व्यवसाय में प्रवृत्त हो गयां और वही सत्संकल्प आगे चलकर 'भवदीय ग्रुप' के रूप में मूर्तिमान हुआ, जिसके विभिन्न पाठ्यक्रम डॉ0 रा.म.लो. अवध विश्वविद्यालय और डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय से अनुमोदित है और आज हजारों छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस कार्य में शिक्षा-क्षेत्र के गुरूजनों, अभिभावकों एवं विशेषतः विद्यार्थियों का हार्दिक सहयोग और सद्भाव अपेक्षा से कहीं अधिक मात्रा में प्राप्त हुआ।

शिक्षा विकास की जननी है। विश्व में जो राष्ट्र जितना शिक्षित है, वह उतना ही विकसित है। भारत की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। वस्तुतः गाँवों का विकास ही भारत का विकास है। दूर-दराज गाँवों में बसने वाले किसान, मजदूर की सन्तानों तक शिक्षा की रोशनी पहुँचाने का जो सपना कभी युग प्रवर्त्तक महात्मा गाँधी जी ने देखा था, उसी सपने को साकार करने की पवित्र संकल्पना के साथ स्थापित हमारा संस्थान शहर के कोलाहल एवं चहल-पहल से बहुत दूर शान्त, सुरम्य,नीरव ग्रामीण अंचल को विगत वर्षों से उच्च शिक्षा के प्रकाश से आलोकित एवं उसकी सुगन्ध से सुरभित कर रहा है। गाँव के बेटे-बेटियाँ, जिनकी पहुँच शहर के महाविद्यालयों तक नहीं है, वे आज व्यावसायिक क्षेत्र में विभिन्न कोर्सों की गुणवत्तायुक्त एवं मूल्यपरक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

आज-दिन संस्थान का सुनाम अवध विश्वद्यिालय-परिक्षेत्र में अग्रणी विद्यापीठ के रूप में मुख्यतः हो रहा है। प्रबुद्ध, सम्भ्रान्त एवं शिक्षा के प्रति जागरूक विविध-वर्गीय नागरिकगण संस्थान के प्रति प्रोत्साहनपूर्ण आत्मीय सद्भाव रखते हैं। प्रबन्धन-संचालन-प्रशासन-शिक्षण-प्रशिक्षण से जुड़े समस्त महानुभाव पूर्ण तत्परता से संस्थान को अग्रसर बनाने में दत्तचित्त हैं। हमें हार्दिक प्रसन्नता है कि संस्थान में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राएं विनीत, अनुशासित एवं विद्यानुराग से आपूरित हैं।

हमारी मंगल कामना है कि संस्थान में शिक्षण-प्रशिक्षण-रत विद्यार्थी आगे चलकर अपने जीवन में सफलकाम बनें। अध्यापक-गण से हमारी हार्दिक अपेक्षा है कि इसी प्रकार पूरे मनोयोग से विद्यादान में निरत रहें। 'विद्यादान महादानम्!' साथ ही, अनुरोध है कि विद्या-विभूषित आदरणीय गुरूजन, विविध क्षेत्रों में अग्रणी सुधी-समाजसेवी महानुभाव एवं समस्त आत्मीय अभिभावक-वृन्द इसी प्रकार संस्थान को अपना सद्भाव एवं सहयोग प्रदान करते रहें, जिससे संस्थान और अधिक प्रवर्धमान हो सके और हम आपकी और अधिक शुभ सारस्वत सेवा करने में सफल-समर्थ सिद्ध हों। सर्वे भवतु मंगलम्।

(मिश्रीलाल वर्मा)

संदेश

चेयरमैन की कलम से...........

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स द्वारा प्रकाशित पत्रिका "अभ्युदय" 2023-24 अंक 6 के प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पत्रिका अपनों के आत्मावलोकन के लिए एक दर्पण है तथा वाह्य पाठकों के लिए यह 'भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स' के गतिविधियों, उत्कृष्ट शिक्षा संसाधनों, भिज्ञ एवं कुशल संकाय सदस्यों, होनहार छात्र-छात्राओं एवं अग्रगामी योजनाओं की संक्षिप्त विवरणिका है। हमारा मुख्य लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण नैतिक मूल्यों युक्त विश्व-स्तरीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए समग्र वैयक्तिक विकास का है।

हम अपने इस लक्ष्य को कहाँ तक प्राप्त करने में सफल रहे हैं? इस "अभ्युदय" के माध्यम से देख सकते हैं। इसे अग्रेतर प्राप्त करने के लिए हमारे पास अनुभवी, दृढ़ इच्छाशक्ति वाला संकल्पित कर्मठ प्रबन्धतंत्र है जिसके उदार कर्त्तव्यनिष्ठ मुख्य प्रबन्ध निदेशक मा. मिश्रीलाल वर्मा जी हैं तथा सुधी अनुभवी संकाय सदस्य, सुसज्जित प्रयोगशालाएं, शिक्षण संसाधन, रमणीय वातावरण एवं कर्मठ-अनुशासित विद्यार्थी हैं।

हमारे ग्रुप के विभिन्न संस्थानों की स्थापना ग्रामीण अंचल में हुई है, जो विशेषकर ग्रामीण परिवेश के छात्र-छात्राओं के लिए बहुत ही अनुकूल है। यहाँ पर उच्च स्तर की सभी सुविधाएं जो पठन-पाठन एवं समग्र वैयक्तिक विकास के लिए आवश्यक हैं, उपलब्ध हैं। हमारी संस्थाएँ नवीन चेतनाओं की प्रयोगशाला हैं, जिसमें विकास की सहज प्रक्रिया अनवरत चलती रहती है। यह परिवेश ही आदर्श, उत्कृष्ट, कर्मठ, मेधावी एवं प्रेरक मानव बनाता है। फलतः हमारी संस्थाओं के सुसंस्कृत छात्र एवं शिक्षक जहाँ भी जाते हैं अपनी कृतित्व एवं व्यक्तित्व की ऐसी अमिट छाप छोड़ते हैं कि वे स्वयं उनके उत्प्रेरक बन जाते हैं। अनेक क्षेत्रों में गये हमारे पूर्व छात्र-छात्राएँ इसके सफल उदाहरण हैं, जो हमारे शिक्षण एवं प्रशिक्षण का उज्ज्वलतम पक्ष भी है। मैं इस ग्रुप के सभी संस्थाओं के प्राचार्यों, अध्यापकों, अधिकारियों, एवं सहकर्मियों की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ जो संस्थानों के उत्कृष्ट विकास के लिए सकारात्मक सोच, ईमानदारी, कड़ी मेहनत, समर्पण, अनुशासन, दृढ़ संकल्प, दूरदृष्टि तथा धनात्मक ऊर्जा के साथ अनवरत कार्यशील रहते हैं।

सम्पादक मण्डल के सदस्यों, संस्थान के समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को शुभकामना सद्भावना सहित!

(इं. पी. एन. वर्मा)
चेयरमैन–भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

अभ्युदय : 2023-24

संदेश

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव/प्रबन्धक

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल-अयोध्या

तकनीकि को उच्च शिक्षा में अध्ययन और अध्यापन में शामिल कर अधिक प्रभावी बनाने का युग है जिससे छात्रों को नवीन उद्देश्यों की प्राप्ति सरलता से सम्भव हो सके। छात्र-छात्राओं के स्कूली शिक्षा से उच्चतर शिक्षा में पदार्पण न केवल उनके विचार, व्यवहार एवं भाषा शैली में प्रखरता लाता है अपितु विवेक और नैतिक मूल्यों को परिपक्व बनाता है जिससे विश्लेषण और चिन्तन के नये द्वार खुलते हैं।

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स आज शिक्षा के क्षेत्र में नूतन आयाम स्थापित कर रहा है। यहाँ पर संचालित स्नातक एवं परास्नातक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों एम.बी.ए, बी.बी.ए, बी.सी.ए, डी-फार्मा, बी-फार्मा, एम.फार्मा, डीएलएड्, बीएड् बी-एस.सी.(कृषि), बी-एस.सी.(गृहविज्ञान), बी.एस.सी, बी.लिब, बी.कॉम, बी.पी.ई.एस, एम.एस. सी(कृषि), एम.कॉम, एम.लिब, एम.एस.डब्ल्यू, जी.एन.एम. एव बी-एस.सी. नर्सिंग में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को एक नये मुकाम पर पहुँचाने का प्रयास किया है। साथ ही नूतन विकास की कड़ी में आगामी सत्र में I.T.P. (इन्टीग्रेटेड टीचर एजूकेशन प्रोग्राम), एल.एल.बी. तथा ए.एन.एम. पाठ्यक्रमों का संचालन संस्थान द्वारा प्रस्तावित है, जिसे मूर्त रूप प्रदान किया जा रहा है।

हमारा संस्थान स्थापना काल से ही विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ मूल्यों को जोड़कर विवेक जागृत करने का पक्षधर रहा है। छात्रों को संस्थान के प्राध्यापक बन्धु शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तिगत रूप से समर्थ एवं कौशलयुक्त नागरिक बनाने हेतु सदैव अग्रसर रहते हैं। संस्थान के कैम्पस को ग्रीन-क्लीन कैम्पस के साथ ही मानसिक, भौतिक समृद्धि के साथ आध्यात्मिक तथा नैसर्गिक वातावरण का निर्माण कराना हमारा ध्येय रहा है। मैं संस्था में प्रवेशित तथा नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास की अपेक्षा करता हूँ।

मैं भवदीय परिवार के समस्त शिक्षकों, सदस्यों, इष्ट मित्रों तथा शुभेच्छु को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूँ जिनके भरपूर सहयोग से यह कार्य सम्भव हो रहा है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में 'भवदीय ग्रुप' प्रदेश ही नहीं वरन् देश के उच्चतर शैक्षणिक संस्थाओं में अपनी भूमिका अदा करेगा।

प्रशंसनीय तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ........

(डॉ. अवधेश कुमार वर्मा)
सचिव/प्रबन्धक

सम्पादकीय.....

प्राचार्य की कलम से....

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स परिवार की वार्षिक पत्रिका "अभ्युदय" का छठाँ अंक आप सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं सुधी पाठकों के सम्मुख नव सृजनात्मकता एवं नवीन परिदृश्य को उकेरती रचनाधर्मिता के साथ प्रस्तुत है। महाविद्यालय पत्रिका संस्थान की प्रगतिशीलता, विभिन्न पाठ्यसहगामी क्रियाकलापों एवं शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति का दस्तावेज होती है। ज्ञान के अन्वेषण एवं प्रसार, उसका तात्विक विवेचन एवं सामाजिक सरोकारों की अन्तः क्रियाओं के एक वैकल्पिक लेकिन महत्वपूर्ण अनौपचारिक माध्यम के रूप में संस्थान की पत्रिका का स्थान होता है। इस तरह "अभ्युदय" पत्रिका महाविद्यालय गतिविधियों का विवरण ही नहीं अपितु संस्थान की वैचारिक अभिव्यक्ति कर प्रवहमान भाव है जो पत्रिका के माध्यम से अपने पथ पर अग्रसर है।

अतीत की घटनाओं का प्रभाव वर्तमान एवं भविष्य की जरुरतों में निश्चित रूप से परिवर्तन लाता है। परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। यह इतनी तीव्र गति के साथ परिवर्तित होता है कि हमें कुछ पता ही नहीं चल पाता कि यह रूप कैसे आ गया। कोविड-19 वैश्विक महामारी के असर से शिक्षा तंत्र भी अछूता नहीं रहा । वास्तविक कक्षा-शिक्षण का स्थान आभाषी शिक्षण ने ले लिया, परिणामस्वरूप शिक्षा द्वारा बालक के व्यक्तित्व के समग्र विकास की अवधारणा कमजोर पड़ गयी। दो-तीन वर्षों के पश्चात् शिक्षण-व्यवस्था पटरी पर तो आयी परन्तु कक्षा-शिक्षण के प्रति विद्यार्थियों के रुझान में कमी का भाव चिन्ता का विषय है। ऐसा इसलिए क्योंकि शिक्षण-संस्थाओं का वातावरण, कक्षानुशासन एवं छात्र-शिक्षक अन्तःक्रिया तथा शिक्षक-व्यवहार अनुकरण का अभाव छात्रों के सर्वांगीण विकास को पूर्णता प्रदान करने में अक्षम सिद्ध हो रहे हैं। विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिये संस्थाओं एवं शिक्षकों को संयुक्त रूप से दायित्व निर्वहन का भगीरथ प्रयास करना होगा।

संस्थान का भौतिक स्वरूप प्रबन्ध समिति के कुशल प्रबन्धन तथा शैक्षिक स्वरूप, अनुभवी प्राध्यापकों एवं कुशल कर्मचारियों के अथक प्रयासों से निर्मित होता है। संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व अनुशासन के कड़े मानदण्डों से प्रदेश के अग्रणी शिक्षण-संस्थानों में शुमार होने में सफलता प्राप्त की है, जिसका पूरा श्रेय प्रबन्ध-समिति एवं कुशल प्राध्यापकों को है। संस्थान में परम्परागत पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कृषि-विज्ञान संकाय में परास्नातक पाठ्यक्रम (M.Sc. Ag.), पुस्तकालय विज्ञान में परास्नातक (M.Lib.), समाज कार्य में परास्नातक (M.S.W.) तथा वाणिज्य संकाय में परास्नातक (M.Com.) व फार्मेसी (M.Pharma), संचालित होने लगे हैं। साथ ही संस्थान को राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र की मान्यता प्राप्त हो चुकी है, जिसके तहत राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम भी संचालित हो रहें हैं। संस्थान के पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में जी.एन.एम. तथा बी.एस.सी. नर्सिंग की शुरूआत भी गत वर्ष से हो चुकी है।

संस्थान के प्रबन्ध निदेशक, शिक्षा सेवी एवं उदारमना संस्थापक सम्माननीय श्री मिश्रीलाल वर्मा जी, चेयरमैन इं0 पी. एन.वर्मा जी तथा कर्मठ एवं ऊर्जावान सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा जी के प्रति मैं अपना हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ जिनका पूर्ण सहयोग-सानिध्य व कुशल निर्देशन समय-समय पर हमें मिलता रहता है जिनके अथक प्रयास व सकारात्मक सृजनशीलता से संस्थान उत्तरोतर पथ पर प्रगतिशील है। पत्रिका के इस अंक में पूर्ववर्ती अंकों में दृश्यवान न्यून त्रुटियों को यथा सम्भव दूर करने का प्रयास किया गया है, जिस हेतु संस्थान के प्रशासनिक सहयोगी बन्धुओं, कुशल संचालन में प्राध्यापकों/प्राध्यापिकाओं, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं प्रत्यक्ष/परोक्ष रूप से सहयोगी स्वजनों को धन्यवाद प्रेषित करता हूँ।

सम्पादक मण्डल के सदस्यों तथा संपादक अवनीश शुक्ल व आई.टी. सेल प्रभारी कृष्णा दूबे एवं विशाल विश्वकर्मा को बारम्बार बधाई एवं साधुवाद, जिनके कठिन परिश्रम से पत्रिका का यह अंक नव कलेवर के साथ आप सभी के कर-कमलों में पहुँच रहा है। पुनः इस सारस्वत साधना में सहयोगी सभी महानुभावों के प्रति सहृदय कोटिशः आभार.....

(डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव)

(प्रारम्भ से आज तक)

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स : स्थापना एवं विकास

- डॉ. अवधेश कुमार वर्मा

आदरणीय महानुभाव!

शिक्षा हम सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है, शिक्षा व्यक्ति की अन्तर्निहित शक्तियों को उजागर करती है उसे मानवीय मूल्यों की अनुभूति का अवसर प्रदान करती है तथा स्वानुभूति का मार्ग प्रशस्त करती है। शिक्षा हमारी सामाजिक, पारिवारिक एवं आर्थिक स्तरों को ऊपर उठाने एवं एक अलग पहचान बनाने में मदद करती है। शिक्षा के द्वारा ही हम जीवन के कठिन समय में चुनौतियों से सामना करने में सहायता प्राप्त होती है।

शिक्षा के इसी महत्व को दृष्टिगत रखते हुए 05 जुलाई 2010 को इस भूखण्ड (जिसका क्षेत्रफल लगभग 8 एकड़ का है) की रजिस्ट्री कराई गई। इसके पश्चात् 21 अगस्त 2010 को हर्षोल्लास के साथ भूमि पूजन का कार्य सम्पन्न करके शैक्षणिक भवन निर्माण एवं विभिन्न कोर्सों की मान्यता के लिए फाइलिंग का भी कार्य समानान्तर डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में क्रमशः बी.बी.ए., बी.सी.ए. तथा एम.बी.ए. पाठ्यक्रम हेतु A.I.C.T.E नई दिल्ली में आवेदन किया गया जिसकी सम्बद्धता डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ से प्राप्त है। आदरणीय चेयरमैन इं0 पी.एन.वर्मा के कुशल निर्देशन एवं अथक प्रयास के परिणाम स्वरूप एक ही वर्ष के अन्दर मंगलवार, 16 अगस्त, 2011 को संस्थान के प्रथम शैक्षिक सत्र का उद्घाटन परमादरणीय डॉ0 रामशंकर त्रिपाठी, अयोध्या की अध्यक्षता में, प्रोफेसर अवध राम, पूर्व कुलपति महात्मागाँधी काशीविद्यापीठ वाराणसी द्वारा डॉ.रामअँजोर सिंह, पूर्व प्राचार्य रामनगर पी.जी. कॉलेज बाराबंकी तथा श्रीमती डॉ.राधारानी सिंह, बाराबंकी व अयोध्या-फैजाबाद के विशिष्ट जन एवं विद्वानों की उपस्थिति के साथ स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग व सम्मानित जनता की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ था। आप सभी के सहयोग के फलस्वरूप शिक्षण कार्य सफलतापूर्वक प्रारम्भ है और संस्थान के बी.सी.ए. सत्र 2014-15 की छात्रा ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर संस्थान को गौरव का अनुभव कराया इसी क्रम में बी.बी.ए. पाठ्यक्रम की छात्रा फातिमा जेहरा वसीम ने सत्र 2018-19 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सत्र 2021-22 में एम.बी.ए. की छात्रा प्रज्ञा तिवारी ने समूचे विश्वविद्यालय की योग्यता सूची में प्रदेश स्तर पर आठवाँ स्थान प्राप्त कर संस्थान को गौरवान्वित किया। हमारे संस्थान से एम.बी.ए. पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सैकड़ों छात्र प्रतिष्ठित कम्पनियों में नौकरी प्राप्त कर स्वयं तथा संस्थान का नाम ऊँचा कर रहे हैं।

तदोपरान्त शिक्षक प्रशिक्षण अनुभाग में डीएलएड् (पूर्व प्रचलित नाम बी.टी.सी.) एवं फार्मेसी अनुभाग में डी-फार्मा पाठ्यक्रम के संचालन हेतु प्रयास किया गया। फलस्वरूप अगस्त 2013 में डीएलएड् (पूर्व प्रचलित नाम बी. टी.सी.) पाठ्यक्रम हेतु भवदीय हेमराज वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट की स्थापना हुई जिसके अन्तर्गत डीएलएड् की कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ हुआ। इसी कड़ी में दिनाँक 24.08.2013 को डी-फार्मा की मान्यता प्राप्त होना संस्थान के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि साबित हुई, जिसकी कक्षाएँ सितम्बर 2013 से प्रारम्भ हुई।

जनता एवं विद्यार्थियों की मांग तथा प्रबन्धतन्त्र के दृढ़ निश्चय के फलस्वरूप सत्र 2014-15 में बीएड् पाठ्यक्रम की सम्बद्धता NCTE द्वारा भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट को प्राप्त होने के उपरान्त कक्षाएँ संचालित की गयी तथा डीएलएड् (पूर्व प्रचलित नाम बी.टी.सी.) पाठ्यक्रम के संचालन हेतु संस्थान की नयी शाखा ग्राम बरई कला जो कि भवदीय कैम्पस से मात्र 300 मीटर की दूरी पर है, श्री साईंराम इन्स्टीट्यूट के नाम से स्थापित हुई जिसमें शैक्षणिक सत्र 2015-16 से NCTE द्वारा डीएलएड् पाठ्यक्रम की मान्यता प्राप्त है और प्रशिक्षण कार्य सफलतापूर्वक चल रहा है। इसके अलावा आदरणीय प्रबन्ध निदेशक, चेयरमैन जी के निर्देशन में डीएलएड् के प्रत्येक संस्थान में अतिरिक्त यूनिट के लिए NCTE में आवेदन किया गया जो कि आपके कुशल निर्देशन में 3 मार्च 2016 को पूर्ण हो गया है। अब संस्थान में डीएलएड् पाठ्यक्रम की प्रवेश क्षमता इस ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षित माँग के अनुरूप हो चुकी है। यह आपके कुशल निर्देशन एवं प्रयास तथा टीम वर्क का प्रतिफल है। अभी हाल ही में बिहार राज्य में प्राथमिक एवं उच्च कक्षाओं हेतु शिक्षकों की नियुक्ति हुई है जिसमें हमारे शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान के लगभग 20 प्रशिक्षु चयनित होकर वहाँ कार्यरत हुएं

हैं मैं सभी सफल प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

उत्तरोत्तर विकास के क्रम में सत्र 2017-18 से बी.फार्मा की मान्यता PCI/AICTE द्वारा प्राप्त होने के उपरान्त कक्षाएँ संचालित हुईं। सत्र 2020-21 से एम.फार्मा की कक्षाएं फार्मास्यूटिकल्स एवं फार्मास्यूटिकल क्वालिटी एश्योरेन्स पाठ्यक्रमों को संचालित करने की अनुमति प्राप्त हुई। भवदीय इन्स्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइन्सेज एण्ड रिसर्च संस्थान में डी.फार्मा, बी.फार्मा एवं एम.फार्मा पाठ्यक्रमों की कक्षाएं सफलतापूर्वक संचालित हो रहीं है और वर्तमान शैक्षणिक सत्र में सभी पाठ्यक्रमों की सीटों पर शत प्रतिशत प्रवेश हुआ है। डी-फार्मा सत्र 2016-18 की फिरदौश शेख ने डिप्लोमा परीक्षा में प्रदेश स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर हम सभी को गौरवान्वित किया है। संस्थान के सौम्या द्विवेदी, विवेक तिवारी, सरल बच्चुका एवं तशनीम सुमैय्या ने वर्ष 2022 एवं 2023 में GPAT परीक्षा उत्तीर्ण कर संस्थान का नाम रोशन किया है। सफलता की इसी कड़ी में बी-फार्मा के सरल बच्चुका एवं तशनीम सुमैय्या ने वर्ष 2022 में NIPER की परीक्षा में सफलता प्राप्त किया है। दिनाँक 1 फरवरी 2020 को राष्ट्रीय स्तर का Novel Drug Delivery System Of Phytochemical Formulations In Life Style Disorders विषय पर सेमीनार आयोजित किया गया जिसकी वित्तीय सहायता डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ से प्राप्त हुई।

उच्चतर शिक्षा के नूतन विकास की कड़ी में भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट में बी-एस.सी.,बी.कॉम, बी-एस.सी. (कृषि), बी-एस.सी.(गृहविज्ञान), बी.लिब, बी.पी.ई.एस की कक्षाओं के संचालन की अनुमति डॉ0 रा.म.लो. अवध वि. वि. द्वारा प्राप्त हुई। संस्थान परिसर में नियमित रूप से कक्षाओं का संचालन हो रहा है। इसी क्रम में सत्र 2021-22 से एम-एस.सी.(कृषि) में हार्टिकल्चर एण्ड एग्रीकल्चर बॉटनी, एग्रोनॉमी, जेनेटिक प्लॉन्ट ब्रीडिंग इन्टेमोलॉजी और एग्रीकल्चर केमेस्ट्री तथा एम.लिब, एम.कॉम, एम.एस.डब्लू जैसे लोकप्रिय पाठ्यक्रमों में सम्बद्धता डॉ0 रा.म.लो. अवध वि.वि. से प्राप्त हुई और नियमित कक्षाएं संचालित हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की प्रथम इकाई संचालित है शीघ्र ही एक और इकाई बढ़ने वाली है। कृषि संकाय के छात्रों द्वारा प्रतिवर्ष पूर्व प्रधानमन्त्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन किसान दिवस के अवसर पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया जाता है एवं आस-पास के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते हुए उनके सृजनात्मकता से कृषि संकाय के छात्र-छात्राएं रूबरू होतें हैं। इस अवसर पर छात्रों द्वारा कृषि प्रदर्शनी भी आयोजित की जाती है।

स्कूली शिक्षा के महत्व को देखते हुए प्रबन्धतन्त्र ने वर्ष 2018-19 में बालक एवं बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु अयोध्या धाम में भवदीय पब्लिक स्कूल महोबरा बाजार निकट रानोपाली की स्थापना की गई जिसे CBSE द्वारा कक्षा 1 से 12 तक की कक्षाओं की पढ़ाई की अनुमति प्राप्त है वर्तमान में विभिन्न श्रेणियों में लगभग 1500 से अधिक बच्चे गुणवत्तापरक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। परीक्षा वर्ष 2022-23 में कक्षा 10 के छात्र भाष्कर मिश्र ने 97.80% अंक प्राप्त कर जनपद में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी क्रम में 12वीं की छात्रा वंशिका कुलश्रेष्ठ ने 97.60% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। भवदीय पब्लिक स्कूल की स्थापना के साथ ही निर्णय लिया गया था कि वह जनपद का एक उत्कृष्ट श्रेणी का विद्यालय हो, इस दिशा में हम सदैव तत्पर हैं। विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के बौद्धिक, शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यसहगामी क्रियाओं पर विषेश ध्यान दिया जाता है जिसका परिणाम भी अनुकूल आ रहा है। विद्यालय की 12वीं की छात्रा वंशिका चौधरी का चयन नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी नई दिल्ली में शूटिंग के लिए होना हम सभी को प्रफुल्लित करने वाला है। हाल ही में 12वीं की छात्रा अनुष्का जया एवं निम्मी राय ने NSSC में क्वांलिफाई किया है। फरवरी 2024 में जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में 10वीं के जय उपाध्याय एवं अनादि शुक्ल ने प्रथम स्थान एवं अभीष्ट शुक्ल और श्रेयांश मिश्र ने चतुर्थ स्थान प्राप्त कर स्कूल का मान बढ़ाया है। कक्षा 3 के शाश्वत राजपूत और 5वीं के आराध्या वर्मा ने UCMAS राज्य स्तरीय ABACUS प्रतियोगिता में क्रमशः दूसरा एवं तीसरा स्थान प्राप्त किया है। जिले के महाराजा इण्टर कॉलेज द्वारा आयोजित अर्न्तमण्डलीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में गरिमा मिश्रा ने प्रतिभाग कर तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। हमारे विद्यालय के बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर के रंगोत्सव महोत्सव में 36 गोल्ड मेडल और 12 कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है। सभी 48 विद्यार्थियों ने 2024 में होने वाले अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के लिए क्वालीफाई किया है। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकॉदमी पुरस्कारों में बाँसुरी वादन प्रतियोगिता में सम्पूर्ण मुखर्जी एवं थुंगरी में अर्तेया अवी ने क्रमशः प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त करके हमें गौरान्वित किया है। नोएडा में आयोजित राज्य स्तरीय स्केटिंग चैम्पियनशिप में अवी पटेल को टॉपटेन रैंकिग में चुना गया है। कराटे चैम्पियनशिप में अंशुमान वर्मा ने

अभ्युदय : 2023-24

दूसरा स्थान प्राप्त किया, ताइकांडो चैम्पियनशिप में कक्षा 4 की पलक ने द्वितीय स्थान हासिल कर समूचे विद्यालय को हर्षित किया है।

वर्तमान समय में शिक्षा के अतिरिक्त स्वास्थ्य भी जनमानस के लिए बहुत जरूरी विषय हो गया है, बढ़ती स्वास्थ्य सम्बन्धी चुनौतियों के दृष्टिगत शहर से दूर ग्रामीण परिक्षेत्र में 5 सितम्बर 2020 को आधुनिक सुविधाओं से युक्त 120 शैय्या का सुपर स्पेशलिटी भवदीय आयुष हॉस्पिटल का लोकार्पण हुआ जिसमें हड्डी रोग, नेत्र रोग, दन्त रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग सहित अन्य बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सफलतापूर्वक ईलाज किया जा रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं में योगदान के लिए सत्र 2022-23 में भवदीय मेडिकल कॉलेज एण्ड इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग की स्थापना की गई और वर्तमान शैक्षणिक सत्र में जी.एन.एम एव ंबी-एस.सी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में छात्र-छात्राएं पैरामेडिकल की शिक्षा ग्रहण कर रहें हैं। शीघ्र ही ए.एन.एम. पाठ्यक्रम की कक्षाएं प्रारम्भ हो जाएगीं।

छात्र-छात्राओं के लिए कम्प्यूटर शिक्षा वर्तमान समय में बहुत प्रासंगिक है इसको दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2020 में NILET से "O level" तथा CCC पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण देने का अनुमोदन प्राप्त हुआ। प्रबन्धतन्त्र द्वारा संस्थान के किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु उक्त पाठ्यक्रमों में न्यूनतम शुल्क पर प्रवेश दिया जाता है जिससे वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ ऐसे कम अवधि वाले रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में दक्षता प्राप्त कर अपने भविष्य को संवार सके। साथ ही संस्थान से दूरस्थ शिक्षा/पत्राचार पाठ्यक्रम में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का अध्ययन केन्द्र है यहाँ से विभिन्न विषयों में प्रवेश लेकर शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं इसके लिए भी संस्थान सुविधा प्रदान कर रहा है।

प्रबन्धतन्त्र के आदरणीय मुख्य प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा एवं चेयरमैन इं0 पी.एन. वर्मा तथा प्रबन्ध समिति के अन्य सदस्यों के सहयोग से भवदीय ग्रुप निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। संस्थान द्वारा अपने स्थापना काल से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का जो संकल्प लिया गया था उस पर अग्रसर हैं और इसी कड़ी में संस्थान को नैक ग्रेड से आच्छादित कराने का निर्णय लिया गया है इस हेतु संस्थान में IQAC का गठन कर लिया है। संस्थान से उत्तीर्ण हो चुके छात्र-छात्राओं से मिलने-जुलने के क्रम में समय-समय पर पुरातन छात्र समागम (Alumuni meet) कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाता है।

शिक्षा के साथ खेलों के महत्व पर ध्यान देते हुए वर्ष 2023 से भवदीय प्रीमियर लीग (अन्तरविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता) का शुभारम्भ किया गया जिसमें रूदौली, सोहावल सहित आस-पास के लगभग 100 इण्टरमीडियट स्कूलों की टीमें प्रतिभाग करती हैं। प्रबन्धतन्त्र द्वारा बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु विजेता एवं उपविजेता टीमों को मेडल, ट्रॉफी के साथ-साथ नगद धनराशि प्रदान की जाती है। प्रबन्धतन्त्र का मानना है कि पढ़ाई के साथ-साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का आयोजन छात्र-छात्राओं के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए बहुत आवश्यक है।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में दूर-दराज क्षेत्रों से प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को रहने एवं खाने हेतु आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं सावित्रीबाई फूले महिला छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है जिसमें रहकर छात्र सुगमतापूर्वक प्राकृतिक वातावरण में शिक्षा ग्रहण कर रहें हैं।

संस्थान के सभी संकाय सदस्यों व छात्रों के प्रयास से भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स ने शिक्षा के अलावा अन्य सामाजिक जिम्मेदारियों का भी भली-भाँति निर्वहन किया है, क्योंकि समग्र क्षेत्र में कल्याणकारी कार्य करने से ही समाज का विकास हो सकता है, ऐसा मेरा मानना है। संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष इस ग्रामीण क्षेत्र के असहाय ग्रामीणों में कम्बल-वितरण, निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर दवा-वितरण एवं प्राकृतिक आपदा से पीड़ित व्यक्ति को आर्थिक राहत प्रदान करना आदि कार्य भी समय-समय पर किया जा रहा है।

प्रबन्धतन्त्र द्वारा स्टूडेन्ट वेलफेयर अकॉउण्ट की व्यवस्था की गई है जिसके माध्यम से जरूनतमन्द छात्र एवं छात्रओं को विभिन्न मदों जैसे- शिक्षण अथवा परीक्षा शुल्क के रूप में सहयोग किया जाता है। इस मद द्वारा अब तक विभिन्न कक्षाओं के जरूरतमन्द छात्रों की मदद् संस्थान द्वारा की गयी है।

इसी के साथ आपके सहयोग एवं आशीर्वाद की कामना करते हुए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद!

(डॉ. अवधेश कुमार वर्मा)

भवदीय परिवार

मुख्य प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा, अध्यक्ष इं0 पी.एन. वर्मा, सचिव डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा के साथ भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के समस्त स्टॉफ

प्रबन्धतन्त्र के साथ भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स में संचालित संस्थानों के प्राचार्य/निदेशक/ विभागाध्यक्ष एवं आई.टी.सेल तथा परिसर प्रभारी

अभ्युदय : 2023-24

श्री अवनीश शुक्ल
(विभागाध्यक्ष)
के साथ शिक्षण-
प्रशिक्षण संकाय
के प्राध्यापक एवं
कर्मचारीगण

डॉ0 संजय कुशवाहा
(निदेशक)
फार्मेसी संकाय के साथ
प्राध्यापकगण एवं स्टॉफ

डॉ0 शिशिर पाण्डेय
(निदेशक)
प्रबन्धन संकाय के साथ
प्राध्यापकगण एवं अन्य

डॉ0 रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य) के साथ विभिन्न विभाग के प्राध्यापकगण एवं कर्मचारी

श्रीमती ज्योति वर्मा (समन्वयक) नर्सिंग संकाय के साथ प्राध्यापकगण

श्री मजहर अब्बास (वित्त अधिकारी भवदीय ग्रुप), श्री कृपाशंकर (कार्यालय अधीक्षक बी.जी.आई.) के साथ केन्द्रीय कार्यालय के सदस्यगण

अभ्युदय : 2023-24

श्री रमापति वर्मा (कैन्टीन संचालक) के साथ कैन्टीन के स्टॉफ

गार्डरूम में उपस्थित सुरक्षाकर्मी

परिसर की हरियाली को बढ़ावा देने वाले माली बन्धु

परिसर की स्वच्छता हेतु नियुक्त सफाई कर्मचारी

विगत वर्षों में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों की सूची

2022-23 (MBA)
PRAGYA TIWARI
(80.10%)

2022-23 (MBA)
ARSIYA SULTAN
(77%)

2022-23 (BBA)
SAJJAD KHAN
(71.62%)

2022-23 (BBA)
RAHUL KUMAR
(71.37%)

2022-23 (BCA)
PRASHANT SRIVASTAVA
(76.10%)

2022-23 (BCA)
VIJAY LAXMI
(76%)

2022-23 (B.com)
MANU GUPTA
(62.22%)

2022-23 (B.com)
AADARSH PRATAP SINGH
(60.77%)

2022-23 (M.Com)
MOHD MULTAMIS
(57.81%)

2022-23 (D.Pharm)
NILESH MISHRA
(79.48%)

2022-23 (D.Pharm)
AMAN KR. DUBEY
(76.17%)

2022-23 (B.Pharm)
TUSHAR GUPTA
(87.20%)

2022-23 (B.Pharm)
DEEPA YADAV
(86%)

2021-23 (B.Ed.)
SHRAVAN KR. PANDEY
(85.33%)

2021-23 (B.Ed.)
KM KAJAL JAISWAL
(85.16%)

2019-21 (BTC)BHVTTI
KM.PRIYANKA GUPTA
(92.50%)

2019-21 (BTC)BHVTTI
RUCHI KAUSHAL
(92.21%)

2019-21 (BTC) SSRI
ASHU SHRAMA
(94.68%)

2019-21 (BTC) SSRI
KM.ANEETA KUMARI VERMA
(93.68%)

2019-21 (BTC)BEI
KM.AKANKSHA CHAUDHARY
(93.62%)

अभ्युदय : 2023-24

विगत वर्षों में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों की सूची

2019-21 (BTC)BEI
KM.SMRITI PANDEY
(93.28%)

2022-23 (B.Sc.)Ag
UPASANA
(80.42%)

2022-23 (B.Sc.)Ag
MOHD.SHOEB
(79.62%)

2022-23 (B.Sc.)H.Sc.
KAMLESH KUMARI
(73.66%)

2022-23 (B.Sc.)H.Sc.
REKHA KUMARI
(72.88%)

2022-23 (B.Lib.)
AFREEN BANO
(77.20%)

2022-23 (B.Lib.)
SONI SINGH
(75.60%)

2022-23 (B.Sc.) ZBC
DEEKSHA GOSWAMI
(65.44%)

2022-23 (B.Sc.) ZBC
SUBODH MISHRA
(63.11%)

2022-23 (BPES)
SHANI SINGH
(84.93%)

2022-23 (BPES)
DEVENDRA KR. VERMA
(84.55%)

2022-23 (MSW)
PRITHVI RAJ
(65.31%)

2022-23 (M.Lib.)
PUSHPA RAJ
(74.90%)

2022-23 (M.Lib.)
ANJALI MISHRA
(74.30%)

2022-23 (MSc Ag) Agro.
MAHEEP KUMAR
(79.59%)

2022-23 (MSc Ag) Agro.
RAJNEESH SINGH PATEL
(77.64%)

2022-23 (MSc Ag) Hort.
NEHA GOSWAMI
(73.88%)

2022-23 (MSc Ag) Hort.
RIKNOO DEVI
(72.85%)

2022-23 (MSc Ag) Soil Sc.
DEEPAK KUMAR
(75.76%)

विगत वर्षों में संस्थान से चयनित छात्र–छात्राएँ

आकाँक्षा सिंह सहायक अध्यापक
राजकीय मध्य विद्यालय टोला अररिया बिहार

हिमांशु शर्मा सहायक अध्यापक
केन्द्रीय विद्यालय कराईकुदी चेन्नई

मधु सिंह सहायक अध्यापक
राजकीय मध्य विद्यालय कसूरी समस्तीपुर बिहार

मुकेश शर्मा सहायक अध्यापक
राजकीय मध्य विद्यालय नीरपुर बिहार

प्रदीप कुमार वर्मा सहायक अध्यापक
विश्वकर्मा पी.एस. गाँधी ग्राम नैकिन सीधी मध्य प्रदेश

रचना सिंह सहायक अध्यापक
राज.मध्य विद्यालय गोपालगंज बिहार

रंजना सिंह सहायक अध्यापक
राज.मध्य वि. हरीशंकरपुर समस्तीपुर बिहार

दिशू कुमार
सीनियर एग्रीकल्चर एडवाइजर एग्रोस्टार

सचिन यादव
सीनियर एग्रीकल्चर एडवाइजर एग्रोस्टार

Abhay Pandey B. Pharm (2022-23)
Production Officer
Scott Edil Advance Research Laborator

Prem Sagar D. Pharm (2022-23)
Pharmacist
Life Medical Centre Parshurampur

Prem Verma B.Pharm (2022-23)
Quality Control Officer
Intas Pharmaceuticals Limited Delhi

Nilesh Mishra D.Pharm (2022-23)
Pharmacist
Samudayik swasthya Kendra Mu

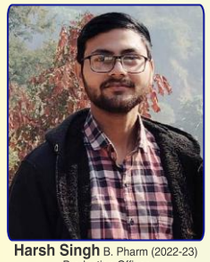

Harsh Singh B. Pharm (2022-23)
Production Officer
Wings biotech baddi Himachal Pradesh

Suyash Srivastava
MBA, KPMG, Noida

Sumit Kumar MBA, Branch Manager
Chaitanya India Fin Credit Pvt. Ltd.

Somnath Gupta MBA, Sales Officer,
IDFC First Bank Ayodhya

Rohit Kumar MBA, Branch Manager
Gonda, Chaitanya India Fin Credit Pvt Ltd

Ramesh Kumar Gupta MBA,
Full Stack developer, Azentio, New Delhi

Aditya Singh BCA, Affiliate Delivery
Executive, Ehypr Solution LLP, Gurugram

Avanish Tripathi MBA, Sales Associate
Akabrpur Ayodhya, Orient Electric Ltd

Disha Sharma MBA, Payroll Operation
Analyst, Accenture, Pune Maharashtra

Alam Nashra MBA, Sr. Executive
HR Talent Acquisition, StepBeyd, Bangalore

Rahul Mishra MBA, US IT
Recruiter, Ehub Global Inc., Noida

राष्ट्रीय पर्वों पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

मुख्य प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा के
साथ संकाय सदस्यगण

ध्वाजारोहण करते हुए मुख्य प्रबन्ध निदेशक
श्री मिश्रीलाल वर्मा

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए
नर्सिंग संकाय की छात्राएं

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए छात्र-छात्राएं

संस्थान की विविध झलकियाँ

किसान दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि पद्मश्री राम सरण वर्मा के साथ प्रबन्धतंत्र

किसान दिवस के अवसर पर छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुति

किसान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान एवं पद्मश्री श्री रामसरन वर्मा के साथ कृषि संकाय के प्राध्यापक

प्रो0 रविशंकर सिंह (पूर्व कुलपति-अवध वि.वि. अयोध्या) को स्मृति चिन्ह देते हुए मुख्य प्रबन्ध निदेशक, चेयरमैन जी तथा सचिव डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा

हर घर तिरंगा रैली निकालते हुए भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट के छात्र-छात्राएं

रक्तदान करते हुए जिला चिकित्सालय अयोध्या में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक

अभ्युदय : 2023-24

संस्थान की झलकियाँ

प्रयोगात्मक कार्य करते हुए कृषि संकाय के छात्र-छात्राएं

प्रयोगात्मक कार्य करते हुए कृषि संकाय के छात्र-छात्राएं

अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस में संस्थान में आयोजित कार्यक्रम के दृश्य

अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस में संस्थान में आयोजित कार्यक्रम के दृश्य

शैक्षणिक भ्रमण के तहत मनकापुर गोण्डा में कृषि संकाय के छात्र-छात्राएं

स्वच्छता अभियान के अर्न्तगत श्रमदान करते संस्थान के प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं

स्वच्छता अभियान के अर्न्तगत श्रमदान करते संस्थान के प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं

स्वच्छता अभियान के अर्न्तगत श्रमदान करते संस्थान के प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं

संस्थान की झलकियाँ

BIBM में आयोजित सत्र 2022-23 के छात्र-छात्राओं का स्वागत समारोह

भवदीय प्रीमियर लीग के समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री लल्लू सिंह सांसद अयोध्या

चैतन्य फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड द्वारा कैम्पस इन्टरव्यू के दृश्य

यश पेपर लिमिटेड अयोध्या में औद्योगिक भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राएं

BIBM में आयोजित सत्र 2021-23 के छात्रों के विदाई समारोह में उपस्थित प्रबन्धतन्त्र

संस्थान में आयोजित मॉक इन्टरव्यू के दौरान एम0बी0ए0 की छात्रा

फार्मेसी संकाय के छात्रों को सम्बोधित करते सुश्री श्रुति गुप्ता सी.ओ. सदर एवं श्री एस.एल. नासा

डिजिटल मार्केटिंग और न्यू स्टार्ट विषय व्याख्यान देते हुए डॉ0 अंशुमान पाठक

अभ्युदय : 2023-24

संस्थान की झलकियाँ

बीफार्म सत्र् 2017-21 के विदाई समारोह में उपस्थित प्रबन्धतन्त्र

फार्मेसी के छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए CDRI लखनऊ के वैज्ञानिक

डीफार्म के छात्र-छात्राओं को टैबलेट प्रदान करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ0 संजय कुशवाहा एवं अन्य

छात्र-छात्राओं को टैबलेट प्रदान करते हुए मुख्य अतिथि श्री वेद प्रकाश गुप्त (विधायक अयोध्या)

बीएड् प्रायोगिक परीक्षा में परीक्षकों के साथ प्रशिक्षु

मेरा माटी मेरा देश अभियान के तहत अपने गाँव की मिट्टी के साथ डीएलएड् प्रशिक्षुगण

हर घर तिरंगा अभियान के तहत श्री सांई राम इंस्टीट्यूट के प्रशिक्षुगण

बीएड् के प्रशिक्षुओं को स्मार्टफोन प्रदान करते हुए संस्थान के प्राचार्य डॉ0 रजनीश कुमार श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष अवनीश शुक्ल

संस्थान में उपलब्ध सुविधायें

Registration Number : RMEE2115179

भवदीय आयुष हॉस्पिटल

—— सेवा परमो धर्मः ——

120 शैयायुक्त मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. हरिओम श्रीवास्तव

fun'kd] Hkonh; vk;"k gkfLiVy

ofj"B lt u@io e[; fpfdRlkf/kdkjh&v ;k/;k

रमाऊ देवी हेमराज वर्मा चैरिटेबुल ट्रस्ट अयोध्या एवं भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित

समस्त रोगों का इलाज, ऑपरेशन एवं भर्ती करने की सुविधा

एन.एच.-28, अयोध्या -लखनऊ हाईवे, बरईकलाँ, सीबार, सोहावल, अयोध्या

24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा

miyC/k lfo/kk,

कैम्प में रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें-
8081213309, 9369867887

सर्जरी विभाग
- हार्निया व हाइड्रोशील का ऑपरेशन
- गुर्दे व पित्त की पथरी का ऑपरेशन
- अपेन्डिक्स, बवासीर, भगन्दर इत्यादि के ऑपरेशन
- अन्य सभी प्रकार की आकस्मिक सेवा

नेत्र विभाग
- मोतियाबिन्द व नाखूना का ऑपरेशन
- काला पानी की जाँच व ऑपरेशन
- पुतली की जाँच
- आँखों के नम्बर की जाँच

मेडिसिन विभाग
- जनरल ओ.पी.डी., ब्लड प्रेशर, थायराइड, डायबिटीज, लीवर एवं पेट सम्बन्धी समस्त रोगों का इलाज
- समस्त गंभीर बीमारियों का इलाज
- आपातकालीन सेवायें

दन्त विभाग
- दाँतों की नसों का इलाज
- दाँत निकालना व दाँत पर कैप लगाना
- फिक्स दाँत लगाना व दाँतो की सफाई
- टेढ़े-मेढ़े दाँतो का इलाज

स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
- नार्मल व सिजेरियन डिलेवरी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- समस्त महिलाओं से सम्बन्धित रोगों का इलाज

पैथॉलोजी विभाग
- खून, मल-मूत्र व अन्य जाँचें

बाल रोग विभाग
- बच्चों से सम्बन्धित समस्त रोगों का उपचार
- बच्चों का टीकाकरण इत्यादि

मानसिक विभाग
- सिरदर्द, मिर्गी का दौरा, उदासी, नींद न आना, थकान व सुस्ती, भूख न लगना
- दिमागी झटके, याद्दाश्त कमजोर पड़ना
- मंदबुद्धि व हिस्टेरिया
- शराब व अन्य नशीले पदार्थों की लत।

हड्डी रोग विभाग
- कमर, गर्दन व जोड़ों के दर्द का इलाज
- हड्डी से सम्बन्धित समस्त रोगों एवं फ्रैक्चर का उपचार

आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू., जनरल ओ.पी.डी., जनरल एवं प्राइवेट वार्ड

for enquiry go on website
Website : bhavdiyaschool.ac.in
E-mail: bps@bhavdiya.com

Call us 6390250000
6390260000

ARISE WITH VIRTUES
BHAVDIYA

(A UNIT OF BHAVDIYA GROUP OF INSTITUTIONS)

BHAVDIYA PUBLIC SCHOOL

Affiliated to C.B.S.E. New Delhi (Playgroup to Class XII)

Individual focus.Infinite potential

MAHOBARA BAZAR, RANOPALI-AYODHYA (U.P.)

Bhavdiya Smart Campus

- Transport facility with GPS & CCTV surveillance Device
- Indoor & Outdoor Games for all age group
- Globally sourced students-friendly furniture
- Spacious, Digital & AC Classrooms
- Science, Maths, Computer & English Language Laboratories
- Music, Dance & Fine Art Studies
- Competent and Qualified Staff
- Modern Infrastructure with CCTV Camera
- Lift service for all floor
- Activity based learning
- Co-Curricular activities
- Hygenic Atmosphere
- Wi-Fi Campus
- Swimming Pool

MISSION :
Strive relentlessly and vigorously-to realize the vision-by making the best use of quality infrastructure, resources and commited faculty.

Security
The latest technology have been used in the premises to look after the security of the students such as-

I. Biomatrix devices
II. Fire proof and alarm system
III. CCTV cameras
IV. RFID (Radio Frequency Identification) Card for Student

DNAs

Designing New Approach Of Smile
Our motto is to make every child safe & secure in the premises. A teacher only emerges when the child is ready to learn. Here at Bhavdiya, each child feels special & celebrated with a smiling face.

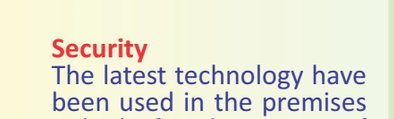

समाचार-पत्रों में भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स

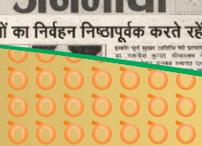

संस्थान की झलकियाँ

नर्सिंग संकाय के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं हेतु फ्रेशर पार्टी में उपस्थित प्राध्यापकगण

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर ग्रामीणों को जागरूक करते जी.एन.एम की छात्र-छात्राएं

विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर स्वादिष्ट व्यजंनों का स्टॉल लगाये हुए नर्सिंग की छात्र-छात्राएं

नर्सिंग संकाय द्वारा आयोजित लैम्प लाइटिंग एवं ओथ सेरेमनी कार्यक्रम में उपस्थित प्रबन्धतन्त्र एवं छात्र-छात्राएं

जिला चिकित्सालय अयोध्या में प्रशिक्षण प्राप्त करते नर्सिंग की छात्र-छात्राएं

अयोध्या मैराथन में प्रतिभागी नर्सिंग के छात्र-छात्राओं के साथ डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा उपाध्यक्ष क्रीड़ा भारती अवध प्रान्त उ0प्र0

अभ्युदय : 2023-24

अयोध्या भव्य दीपोत्सव 2023-24

सप्तम् वार्षिक समारोह पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

सप्तम् वार्षिक समारोह पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

अभ्युदय : 2023-24

सप्तम् वार्षिक समारोह पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

विविध झलकियाँ

श्री केशव प्रसाद मौर्य माननीय उपमुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन को स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत करते भवदीय पब्लिक स्कूल की निदेशक डॉ0 रेनू वर्मा एवं भाजपा कार्यसमिति सदस्य डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा

श्री लल्लू सिंह माननीय सांसद अयोध्या का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए भवदीय ग्रुप के सचिव डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा

प्रसिद्ध पीठ हनुमान गढ़ी के महन्त श्री राजूदास के साथ भवदीय ग्रुप के सचिव डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा

श्री रामचन्द्र यादव विधायक रूदौली का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए भवदीय ग्रुप के चेयरमैन इं0 पी.एन.वर्मा एवं सचिव डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा

प्रसिद्ध क्रिकेटर कपिल देव से भेंट करते भवदीय ग्रुप के सचिव डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा

भवदीय पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में श्री लाल सिंह आर्य, अध्यक्ष, राष्ट्रीय भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, माननीय सांसद लल्लू सिंह, महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र, एवं अन्य के साथ भवदीय ग्रुप के सचिव डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा

अभ्युदय : 2023-24

विविध झलकियाँ

श्री संजय गंगवार, मा. मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिल, उ0प्र0 शासन का अंगवस्त्र देकर स्वागत करते भवदीय ग्रुप के सचिव, डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा

श्री सूर्य प्रताप शाही, माननीय कृषि मंत्री, उ0प्र0 शासन का अंगवस्त्र देकर स्वागत करते भवदीय ग्रुप के सचिव, डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा

श्री केशव प्रसाद मौर्य माननीय उपमुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन को स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत करते हुए भवदीय ग्रुप के मुख्य प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा, चेयरमैन इं0 पी.एन. वर्मा एवं सचिव डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा

भवदीय परिवार में पधारे श्री लाल सिंह आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, श्री असीम अरूण माननीय समाज कल्याण मंत्री उ0प्र0 शासन, श्री दिनेश खटिक माननीय राज्य मंत्री उ0प्र0 शासन एवं अन्य भाजपा पदाधिकारी

विभिन्न संकायों में
प्रायोगिक कार्य करते हुए छात्र-छात्राएँ

विभिन्न संकायों में
प्रायोगिक कार्य करते हुए छात्र-छात्राएँ

अनुक्रम

1.	**Bhavdiya Institute of Business Management Annual Progress Report 2022-23**	– *Dr. Shishir Pandey*	5
2.	**Annual Report 2022-23 : Bhavdiya Institute of Pharmaceutical Sciences and Research**	– *Dr. Sanjay Kumar Kushwaha*	11
3.	वार्षिक रिपोर्ट : शिक्षक–शिक्षा संकाय	– *अवनीश शुक्ल*	13
4.	वार्षिक व्याख्या : कृषि संकाय	– *विनोद कुमार वर्मा*	15
5.	**Annual Report (2022-23) : Department of Home Science (BEI)**	– ***Dr. Sneh Lata Singh***	17
6.	**Department of Science**	– ***Mr. Anshu Gupta***	19
7.	**Annual Report (2022-23) : Department of Library Science & Social Work**	– ***Jyoti Rani***	20
8.	**Progress Report : Bhavdiya Medical College and Institute of Nursing**	– ***Jyoti Verma***	21
9.	खेल–कूद (बी.जी.आई.) : प्रगति आख्या	– *शैलेष मिश्र*	22
10.	वार्षिक आख्या : राष्ट्रीय सेवा योजना	– *डॉ. सुजीत कुमार यादव*	23
11.	**B.E.I. Event Report 2022-2023**	– ***Dr. Rajneesh Kumar Srivastava***	25

प्रबन्धन–अनुभाग

1.	**How Open Source Is Shaping The.....**	– ***Er. Sumit Kumar Srivastava***	28
2.	**How to Save Time and Scale Your .....**	– ***Shivendra Pratap Singh***	30
3.	**Applications Of Integration ... Real Life**	– ***Dhananjay Singh***	32
4.	**Taxation of Cryptocurrency Transactions : legal Framework in India**	– ***Kaushlendra Mishra***	34
5.	**The Evolution of Education Embracing...**	– ***Akanksha Mishra***	35
6.	**The Evolution of Internet and Digital...**	– ***Amit Tripathi***	35
7.	**Cell Phone : The Necessary Evil**	– ***Somil Kasaudhan***	36
8.	**Motivational Speech (Never Give Up)**	– ***Avanish Upadhyay***	36
9.	**Sweet Nature**	– ***Uday Pathak***	37
10.	**How can you overcome fear**	– ***Mohammad Fahed***	37
11.	धृतराष्ट्र के गल्तियों से दुर्योधन मारा गया	– *रवीन्द्र कुमार प्रजापति*	38
12.	**5G Technology**	– ***Bibi Aayesha***	38
13.	**Artificial Intelligence**	– ***Princi Srivastava***	39
14.	**Thinking and Learning are two side of ....**	– ***Nainshi Pandey***	39
15.	**Computer**	– ***Anjali Sharma***	39
16.	**Why did English Become Important**	– ***Kahkasha Bano***	40
17.	**Women empowerment**	– ***Sadhna Maurya***	40
18.	**Students to Work Hard**	– ***Tripti Singh***	40
19.	**How to Start a Business**	– ***Shweta Tiwari***	41

20.	**What is the Importance of Technology**	– *Shalini*	41
21.	मित्रता	— *जया तिवारी*	42
22.	**Teacher's and Parents Role in Student Life**	— *Aman Kanaujiya*	42
23.	**Youth Day Swami Vivekananda**	— *Kamini Mishra*	43
24.	**Indian Culture**	— *Apurva Singh*	44
25.	**Qualities of a Good Student**	— *Muskan Yadav*	44
26.	**Does Money Makes Many Things?**	— *Ananya Srivastava*	45
27.	**The Importance of Computers in the .....**	— *Ram ji*	46
28.	वीर	— *Himresh Singh*	47
29.	**Motivation Thought**	— *Shavez Hasan Rizvi*	47

फार्मेसी– अनुभाग

1.	आज की दुनिया में मानवमूल्य शिक्षा का महत्त्व	— *रणविजय सिंह*	48
2.	भारत में स्कूली शिक्षा की वर्तमान स्थिति का ...	— *राकेश पांडे*	49
3.	**Role Of Microbiologist**	— *Mr. Jagdeesh Prasad*	50
4.	**Pharmacist in Health Care System**	— *Ms. Jyoti Vaish*	51
5.	फार्मासिस्ट	— *रजत यादव*	52
6.	मोटिवेशन	— *शिवम यादव*	53
7.	भारत माता की जय	— *विपिन यादव*	53
8.	लोग.....	— *इरम फातिमा*	53
9.	Pharmacist	— *Mohd. Ayaz*	54
10.	**QUOTES**	— *Vikas Chaurasiya*	54
11.	कविता	— *संदीप यादव*	54
12.	भारत होगा विश्व विजेता	— *तुषार मिश्रा*	55
13.	मन का भ्रम	— *वर्षा वर्मा*	55
14.	कालेज का दिन	— *रजनीश वर्मा*	56
15.	सरस्वती की वन्दना	— *सुरेन्द्र कुमार वर्मा*	56
16.	**Why I Want to Become a Pharmacist**	— *Rajkumar*	57
17.	**A Poem A Day Studying Pharmacy**	— *Mukesh Kumar*	57
18.	**Inhance will power and Focus on your....**	— *Prakriti Vaishy*	57
19.	हमारी अयोध्या	— *रानू गुप्ता*	58
20.	यारी	— *प्रियांशु गुप्ता*	58
21.	प्रेरणादायक मोटिवेशन	— *सलोनी शर्मा*	59
22.	संघर्ष ही जीवन है	— *अभिषेक यादव*	59
23.	कुछ शब्द पिता के लिए	— *कौशिकी शर्मा*	59
24.	बचपन	— *अंकित मौर्या*	60
25.	**How to Get the Result You Want**	— *Abhishek Pandey*	60
26.	अनमोल विचार	— *शशिकान्त यादव*	61
27.	**Our Bhavdiya College full of fun and Knowledge**	— *Amit Kumar Verma*	61
28.	जीवन एक संघर्ष है	— *आदर्श वर्मा*	62

शिक्षक- प्रशिक्षण अनुभाग

1.	संवरना चाहिए अध्यापक शिक्षा का स्वरूप	— *अवनीश शुक्ल*	63
2.	भारतीय शिक्षा दर्शन में मोक्ष की अवधारणा	— *आँचल विश्वकर्मा*	64
3.	प्रकृति एक खुली किताब	— *शिवप्रसाद वर्मा*	65
4.	गणित का महत्त्व	— *राजू वर्मा*	66
5.	जीवन की पाठशाला में अनुभव	— *ममता सिंह*	67
6.	**English And You**	— ***Surya Nath Singh***	67
7.	अहं ब्रह्मास्मि से होते हैं आध्यात्मिक विकास	— *अरुण कुमार मौर्य*	68
8.	कम्प्यूटर मानव जीवन का अभिन्न अंग	— *विशाल विश्वकर्मा*	69
9.	शिक्षा का महत्त्व	— *सुनीता वर्मा*	71
10.	नेतृत्व	— *अनूप कुमार सिंह*	72
11.	वसुन्धरा	— *सौम्या सिंह*	73
12.	नवीन भारत	— *हर्षिता सिंह*	74
13.	कविता	— *सरिता वर्मा*	74
14.	पुस्तक के अनोखे रंग	— *रूबी यादव*	74
15.	जिन्दगी एक गणित की पुस्तक की तरह है	— *कीर्ति सिंह*	75
16.	इंसान	— *सीतम वर्मा*	75
17.	महिला सशक्तिकरण	— *पूनम वर्मा*	76
18.	**Stopping by Woods on a Snowy Evening**	— ***Sabreen Bano***	77
19.	**Motive for Education**	— ***Shaba Naaz***	77
20.	**YOU CAN**	– ***Amina Siddique***	

कृषि- अनुभाग

1.	**Ranikhet Desease**	— ***Dr. Sujeet Kumar Yadav***	78
2-	**Nutritional Value and Health Benefits -----**	— ***Dr. Vinod Kumar Verma***	79
3.	योग एक समग्र स्वास्थ्य	— ***Shailesh Mishra***	81
4.	**A Review on the Performance of the Phase Change Material on the Solar .....**	— ***Jyoti Rani***	82
5.	बेटियों को अभिशाप समझने वालों के लिए आईना	— ***Pati Ram***	83
6.	किताबें	— *निधि सिंह*	83
7.	पुस्तकालय स्वचालन	— *सोनी सिंह*	84
8.	बंधन से उड़ जाना होगा	— *साक्षी कुमारी पाल*	85
9.	महिला शिक्षा	— *महिमा चौधरी*	85
10.	जैविक खेती	— *प्रज्वल सिंह*	86
11.	मजदूरों की व्यथा	— *साक्षी कुमारी पाल*	86
12.	भारत की शान किसान	— *मुकेश कुशवाहा*	87
13.	किसान	— *दिव्यांशी गुप्ता*	87
14.	कविता	— *सिम्पल यादव*	87
15.	किसान	— *काव्या पटेल*	88
16.	**Be Positive**	— **Zainab Fatima**	88
17.	मजबूर किसान	— *कार्तिकेय कसौधन*	89

18.	किसान	— *दीपांशी वर्मा*	89
19.	माँ	— *युवराज यादव*	89
20.	वक्त	— *विजय निषाद*	90
21.	मंजिल	— *अंशिका पाण्डेय*	90
22.	किसान	— *सौरभ वर्मा*	90
23.	किसानों का परिश्रम	— *प्रत्यूष पाण्डेय*	91
24.	धरती का भगवान्	— *सत्यम सिंह*	91
25.	लक्ष्य	— *आलोक कुमार वर्मा*	91
26.	मुख्य विचार	— *यश पाण्डेय*	92
27.	कविता	— *वीरेन्द्र कुमार वर्मा*	92
28.	कविता	— *शालवी वर्मा*	93
29.	अशिक्षा	— *बृजेश कुमार वर्मा*	93
30.	**Never Give Up**	— ***Jyoti***	93
31.	परिवार का मुखिया	— *दुर्गेश तिवारी*	94
32.	खेलों में महिलाओं को सशक्त बनाना : भारत के खेल परिदृश्य पर एक नज़र	— *जान्हवी सिंह*	95
33.	कविता	— ***Manshi Yadav***	96
34.	किसानों की पहचान	— *अभिषेक कुशवाहा*	96
35.	**Good Students**	— ***Uma***	96
36.	**Strong Woman**	— ***Ritu Singh***	97
37.	**Faith in Love**	— ***Charul Chauhan***	97
38.	कोशिश कर	— ***Palak Yadav***	97

नर्सिंग- अनुभाग

1.	नर्सिंग का सफर	— ***Madhu Gaur***	98
2.	**Hostel Life**	— ***Shivani***	98
3.	प्रेरणा	— ***Antima Gaud***	98
4.	जिससे कभी मिले न हो	— ***Pooja Yadav***	99
5.	नर्स का कर्त्तव्य	— ***Babita Yadav***	99
6.	मेरे पापा	— ***Kanchan Verma***	100
7.	कलयुग की नारी पीड़ा	— *स्वीटी वर्मा*	101
8.	सेना को समर्पित	— *श्वेता*	101
9.	लक्ष्य	— *दीप्ती वर्मा*	102
10.	बचपन की सुनहरी यादें	— *सौम्या वर्मा*	102
11.	अपनी बातें	— *ज्योति मौर्या*	102
12.	रोजगार की चाहत	— *सोनम विश्वकर्मा*	103
13.	माँ पर कविता	— *रूपम यादव*	103
14.	कालेज का वो पहला दिन	— *कविता यादव*	103
15.	पापा और अधूरी यादें	— *नेहा*	104

❖❖❖

Bhavdiya Institute of Business Management

Annual Progress Report 2022-23

—Dr. Shishir Pandey

"In the past the man has been first, in the future the system must be first"

By F.W. Taylor

With the starting of new session, being asDirector of BIBM I have a goal to shape the excellence of students.To accomplish the responsibility of achieving the goal many extra-curricular activities have been organised, which help in complete growth of students. I take a pleasure to present the annual report of session 2022-23. This session marked with many events and success stories. This academic session was so energetic for the growthand development of the students.

Bhavdiya Group of Institutions is located at Sewar, Sohawal, Faizabad, was established in 2010 and first session started in 2011-12 with the following courses M.B.A., BBA and BCA. In the continuation of enlighten academic service B.Com and M. Com have been started later on, with the vision of providing professional education in rural area of Ayodhya District and link the people belongs to each part of the society to this institution by providing education..

Master of Business Administration (MBA) is running under **Bhavdiya Institute of Business Management (BIBM)** affiliated to **A.P.J. Abdul Kalam Technical University, Lucknow (AKTU) CODE: 743** and providing all Specialization offered by the university i.e. Finance, Marketing, Human Resources, Information Technology and International Business. The course is approved by **All India Council of Technical Education (AICTE)**. The institute is having the Intake of 60 seats. Bhavdiya Institute of Business Management is one of the leading institutes of Faizabad and nearby Districts. Any graduate, with 50% marks (for SC/ST 45%) can get admission in MBA. We provide free education to SC/ST students. Institute has Teaching and Non-teaching staff as per norms and having a well-equipped computer lab and Library with sufficient number of books and journals.

Training and Placement:A separate Training and Placement cell is being managed under supervision of **Dr.ShishirPandey (Director BIBM).**

The placement cell ofBhavdiya group of institution is committed to the goal of facilitating and helping thousands of learners of whatever course they may be. The placement cell is responsible for the entire placement activities i.e. mock interviews, presentations, personality development and spoken English classes in the institution. The office liaises with various industrial establishment and corporate houses etc. which conduct distinguish guest lectures, industrial visits, internship, campus drives and select students from all disciplines.

- Students who are placed in different companies :

S.No	Name	Class	Company's	Designation
1.	Somnath Gupta	MBA	Mahindra & Mahindra	Sales Advisor
2.	Shivani Rastogi	MBA	Cars24 Pvt. Ltd	Retail Associate
3.	Riya Srivastava	MBA	HDFC Life	SDM Corporate
4.	**Gayatri Gupta**	MBA	3i Consulting	IT Consultant
5.	AkashTiwari	MBA	RBS Technologies Pvt. Ltd	Marketing coordinator
6.	**Rangoli Singh**	MBA	DPI, A Div of BBTCL	Territory Manager, Department- Sales
7.	**Shivani Singh Kushwaha**	MBA	Need Infotech	Global Sales Manager
8.	**Rajneesh Kumar Verma**	MBA	Tata Motors Insurance Broking and Advisory Services Ltd.New Delhi	Senior Officer Corporate
9.	**Anurag Ojha**	MBA	Shriram Transport Finance Company Limited. Zonal Office Gorakhpur	Assistant manager
10.	**Shobhit Kumar Srivastava**	MBA	SLMG Beverages Pvt Ltd	Account Executive
11.	**Alok Srivastava**	BCA	TCS	Systems Engineer
12.	**Ambesh Kumar**	BCA	MD Software	Programmer
13.	SheshdharDwivedi	BBA	Indusind Bank, Lucknow	Assistant Manager
14.	Meenakshi Singh	BBA	Office Executive	HDFC Bank, Lucknow
15.	Vikash	BBA	ICICI Bank , Lucknow	Sales Manager

Toppers of MBA

We always encourage and recognize our topper students for their success.

SESSION	STUDENT NAME	PERCENTAGE	RANK
2019-20	SHIWANI SINGH KUSHWAHA	78.4%(HONOURS)	I
	AFREEN FATIMA	72.08%(HONOURS)	II
2020-21	SHAKTI MISHRA	74.44%(HONOURS)	I
	SHIVAM TRIPATHI	69.33%	II
2021-22	NIVEDITA SRIVASTAVA	79.18%(HONOURS)	I
	DISHA SHARMA	76.6%(HONOURS)	II
2022-23	**PRAGYA TIWARI**		
	(8th Rank in AKTU Toppers)	80.1%(HONOURS)	I
	ARSHIYA SULTAN	77%(HONOURS)	II

Bachelor of Business Administration (BBA) and **Bachelor of Computer Application (BCA)** are under graduation degree courses running in **Bhavdiya Educational Institute** (RMLAU CODE-275). The institute is affiliated to Dr.Rammanohar Lohia Awadh University, Faizabad, U.P. Both the courses are approved by University Grant Commission, New Delhi.

Bachelor of Business Administration

BBA is a specialized course for Business Management in which student of intermediate having 40% marks from any discipline can get admission. Most of our students prefer MBA course after BBA, though we provide them the job opportunities. Some of our students are working in renowned companies.

Toppers of BBA

We always encourage and recognize our topper students for their success.

SESSION	STUDENT NAME	PERCENTAGE	RANK
2020-21	**FATIMA ZEHRA WASSEM (RMLAU Gold Medalist)**	76.1%(HONOURS)	I
	SHREYA GUPTA	74.55%	II
2021-22	BRIJENDRA SINGH	67.97	I
	KAJOL SINGH	67.57	II
2022-23	MOHD SAJJAD KHAN	71.62%	I
	RAHUL KUMAR	71.37%	II

Bachelor of Computer Application

To make aware with computer application and software technology, we provide **BCA** course. We produce software developers through BCA and most of our students are working in different Software companies. A separate training session is also provided to the students to improve and aware with new technologies of software development. In BCA, student of intermediate with Mathematics having 45% marks (for SC/ST 40%) can get admission.

The toppers of BCA last threeyearsv :

SESSION	STUDENT NAME	PERCENTAGE	RANK
2020-21	RINKI TIWARI	76.69%(HONOURS)	I
	PRIYANKA YADAV	76.44%(HONOURS)	II
2021-22	SHRISHTI GUPTA	78.86%(HONOURS)	I
	ISHIKA GUPTA	78.13%(HONOURS)	II
2022-23	PRASHANT KUMAR SRIVASTAVA	76.10%	I
	VIJAY LAXMI	76%	II

Bachelor of Commerce :

Bachelor of Commerce (B.Com Degree) is a three-year undergraduate course that attracts a large number of students each year. B.Com is one of the most popular Commerce courses. With the help of digitalization, this degree aims to give students a broad view on how technology is integrating business, trade, commerce, and finance. First batch of B Com started in the year 2019-20 affiliated to DrRammanoharLohiaAvadh University, Ayodhya.

Toppers of B Com.

SESSION	STUDENT NAME	PERCENTAGE	RANK
2021-22	JAHNVI PANDEY	62.66%	I
	AANCHAL KUMARI	53.27%	II
2022-23	MANU GUPTA	62.22%	I
	AADARSH PRATAP SINGH	60.77%	II

Master of Commerce :

Students who wish to get a deeper understanding of accounting, taxation, banking, finance, and insurance often pursue an M.Com degree. Through this curriculum, they can improve their skills in financial management and get specialized knowledge in the field of their choice.

Commencement of M.Com from the year 2021-22.

Topper of M.Com.

SESSION	STUDENT NAME	PERCENTAGE	RANK
2022-23	MOHD MULTAMIS	57.81%	I

EVENT REPORT 2022-2023

1. On 05September 2022, Bhavdiya Institute Of Business Management commenced its first event with orientation day, in which the introduction of BBA, BCA, B.Com and MBA given to the newly admitted Students of their respective departments, management authorities, HODs, teaching, non-teaching staffs and also with their seniors. In this event all the coordinators with rest of faculty members had given introduction with their respective class students. In the same event, fresher's party was organized. Due to late session of final year batch Farewell Party was organized as well.

2. On 10 Oct 2022, the cleanliness drive "Swachh Bharat Abhiyaan" organized by the students of BBA, BCA, B.Com, M Com. and MBA.the main purpose of this event is to develop awareness about the cleanliness.

3. On 22 Oct 2022, farewell party for senior students was celebrated by their juniors.

4. On 10 Nov 2022, an industrial visit organized for students at Yash Pakka Ltd. Ayodhya. The visit was conducted by Dr. ShishirPandey (Director) and visiting coordinator Mr. Sumit Srivastava. By this visit students got knowledge about the operation and marketing strategy of the company. HR teams introduced the work culture and performance of the unit to the students.

5. On the occasion of Children's Day on 14, Nov 2022, a program was conducted to explore students' talents. Students of BBA BCA B. Com and MBA were participated I different programs such as dancing, singing, poetry etc.

6. Industrial Visit Presentation Competition was organized on 17, Nov. 2022, in which Students shared their views and experience of last Industrial Visit. Power Point presentation organized on industrial visit at "Yash Paper Ltd and CHUK". The students of MBA, BBA, BCA and B.Com categorized into six groups and they have presented their observation and knowledge of previous industrial visit in presence of all faculty members.

7. On 24Nov 2022, a Career Counseling Seminar was organized in which Mr.Upendra B. Mishra had taken the session in the presence of all faculty membersto appreciate students, so that can enhance their skills and bring out their furtive talents. In this event students have shown their interest and express the goals.

8. Mr. Upendra Mishra, TPO organized a workshop of Spoken English on 08/12/2022 for the students to enhance their communication skill in corporate behavior.

9. A group discussion on Scope of Tourism in Ayodhya was oraginsed on 08/12/2022; in this competition different groups of students participated and gave their views. The aim of this event was to encourage students observation towards changes made in Ayodhya.

10. On 15 Dec 2022, Business/Computer Science Quiz for the students of BBA, BCA, B. Com, M. Com and MBA Different teams from each class participated in this quiz.

11. On 22 Dec 2022, Motivational Movie "Super 30" showed to the students. The movie was motivational and inspirational for the students having lack of resources but with huge enthusiasm.

12. On 29, Dec 2022, a presentation competition was held in which the observation of the movie was to present by the students.

13. In the session 2022-23, an intermediate inter college tennis ball cricket tournament Bhavdiya Premier League was organized. In this tournament teams from different inter college of Ayodhya District were participated. The league was started from 05, Jan 2023 and its final match was played on 13 Jan 2023 in which prizes were distributed by ShriLallu Singh, Ho'bleMemebr of Parliament, Ayodhya, Chief Guest of the ceremony.

14. On 19 Jan 2023, a Business/Computer Science Quiz was organized for MBA, BBA and BCA students. Teams were constituted by members of each class so that they could participate in each question.

15. A Seminar on different topics was organized on 02 Feb, 2023; in this event students presented their topic with power point. The aim of this event was to develop research ability among students.

16. To make aware with the C.V. and how to apply for a job, a C.V. preparation workshop was organized for this purpose on 9, Feb, 2023.

In this program, Training and Placement Officer of BGI instructed students the method and effective CV creation, which would helpful to seek the job opportunity for a candidate.

17. On 16 Feb, 2023, a CV Preparation Competition was held. To check students caliber of how they represent themselves for any job through CV, as CV is the first impression of the candidate.

18. To enhance analytical quality in the students, a group discussion was conducted on 23, Feb 2023. In this event different corporate topics were given to the students for discussion and observed their views and knowledge about that.

19. On 02 March 2023, a Mock Interview session was organized to practice of the students for job interviews.

20. Industrial Visit at Amrit Bottlers Pvt. Ltd. (Coca cola Factory) was conducted on 09 March 2023. Students got information about the production process of Coca Cola and other cold drinks of the company and its marketing strategy. The Production Manager informed about each steps of production to our students.

21. Dr. Anshuman Pathak, Assistant Professor, Department of Management, Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya, delivered an Impressive lecture on "**Digital Marketing and New Start Up Business**". Dr. Pathak has informed the students how government is becoming more sensitive for technical education rather than traditional education.

22. A debate competition was held on 30 March 2023, between two groups of students. The topic was "Challenges of Post Covid Era in the recovery of economic growth". Both groups performed very well.

23. On 18 May 2023, Campus drive by Chaitanya Finance India Pvt. Ltd. Organized for MBA, BBA, BCA and B. Com Students. Five students from BIBM had been selected at different position of the company.

Summary :

We continuously upgrade the benchmark through latest teaching tools, updated training modules, with different activities and events to cope with ever changing corporate and education scenario. All the students are groomed in a real life corporate environment to immediately adapt themselves to high-pressure working environment after passing out from the institute.

One of the most important things we do for students is not just taught them specific knowledge and functional skills, but help them match their interests to their career path. The emphasis is on developing managerial competence and enhancing personal effectiveness, with a vision to take on the challenges of the future.The institute is thankful to hard working staff, learned faculty members and the people who always bless us by their support and development of the institution. Last but not the least our students are cooperative and hard working. They have proven their ability and talent to accomplish our vision. Their grasping power is competitive as they follow their mentors as they are expected.

We hope for better future for this area and other places where we are providing education to the students.

–Dr. ShishirPandey
Director
Bhavdiya Institute of Business Management
Seewar, Sohawal, Ayodhya, U.P.

❑

Annual Report 2022-23

Bhavdiya Institute of Pharmaceutical Sciences and Research

"I deem it my privilege to place a brief report of the activities of the academic year 2022-23"

Bhavdiya Institute of Pharmaceutical Sciences and Research (**BIPSR**) was established in 2013 and has emerged as a pharmacy institution with a promising institution of the region, providing value added quality education in pharmacy, and an institution striding towards excellence with the vision "***To establish an excellent, value-based higher educational hub to meet the challenges of global competitiveness***", several steps are being undertaken for multi-dimensional growth of the students and institution, contributing in turn towards the growth of a healthy and happy society.

Diploma in Pharmacy(**D. Pharm.**) was started on **2013** with the intake of 60 seats;***Bachelor of Pharmacy***(**B. Pharm.**) on**2017** with the intake of 100 seats and ***Master of Pharmacy*****(M. Pharm.)** was started on **2021** with two allied branches i.e. ***M Pharm in Pharmaceutics*** and ***M. Pharm. Pharmaceutical Quality Assurance***. The BIPSR is affiliated from the Pharmacy Council of India (**PCI**) New Delhi. Diploma in Pharmacy is affiliated from the Board of Technical Education (**BTE**) Lucknowand Bachelor of Pharmacy is affiliated from Dr. APJ Abdul Kalam Technical University (**AKTU**), Lucknow.

Staff

The BIPSR have full time faculty members with specialization in core and allied braches of pharmacy and non-teaching staff as per PCI/ AKTU/BTE norms.

Students

In the current academic session, we have totally one hundred twenty students in the D. Pharm; about four hundred students in B. Pharm and about fifty students in M. Pharm. Regular classes are conducted without compromising the standard of teaching. All academic measures are sincerely followed to create an ambience for teaching and learning in the BIPSR. Emphasis is given to experimental/ practical learning.Apart fromthis, presentation/ class test have also been organized for exposing the students to become confident. Strict discipline is maintained in the BIPSR to provide safety,security and ambience for learning. A balance between curricular and extracurricularactivities is very well maintained in the college to prevent anystudent entering into a state of boredom or to become a bookworm.

Library

The BIPSR library has totally 4491 Volumes, 875 titles and animal experimental software CDs, in our library. We have subscribed fifteen Journals, five general magazines and two newspapers in the library.

Infrastructure

The BIPSR is having **eight classrooms** and **seventeen laboratories** including machine room, central instrument room and museum. Separate girls and boys common rooms with

common facilities have been provided to the students.

Academic Excellency Achievers : The students of BIPSR were performed time to time and proved they outstanding.

S. No.	Rank Holder	Class	Session	Score/Rank
1.	***AneetaVerma***	D. Pharm	2021-22	76.76/ First
2.	***Janhvi Krishna***			75.62/ Second
3.	***Niesh Mishra***	D. Pharm	2022-23	79.48/First
4.	***Aman Kumar Dubey***			76.17/Second
5.	***PushpaHarijan***	B. Pharm	2020-21	89.30/First
6.	***MaltiNishad***			88.70/Second
7.	***TasneemSumaiya***	B. Pharm	2021-22	89.00/First
8.	***SaralBachhuka***			88.40/Second
9.	***Tushar Gupta***	B. Pharm	2022-23	87.20/First
10.	***DeepaYadav***			86.00/Second

Extra-curricular activities

We firmly believe that all round development takes place only if a student participates in various extra-curricular activities. Therefore, a lot of emphasis and importance has been given to it. Sports activities, such as Cricket, Volley ball, Badminton, Carom, Chess, and various athletic events including field and tract were organized over the year. There were nearly nine to ten events in cultural activities were conducted during the session with active participation of the staff and students.

Induction Program

With the cooperation of the students and the faculty members the Induction program was able torecord the feedbacks of the students in **Expert Talks**from 27 to 31 Aug 2023. ***A number of eminent persons*** were motivated the new entrants. The total involvement of deputed facultiesactively engrossed in various responsibilities of induction program. That facilitated to motivatethe entrants to stir like a sugar in water of institutional activities. Students are made aware about multidisciplinary areas and their developments and developed ability to transcend from subjective knowledge to the application of subject in real life situations.

Conducted **Online IPR Awareness Programme** under National Intellectual PropertyAwareness Mission

A Webinar was conducted on Impact of COVID-19 on Indian Pharmaceutical Industries

Celebration of World Pharmacist Day 2023

We celebrated **The World Pharmacists** Day on 25th September 2023. **"Pharmacy Strengthening Health Systems"** was the themeand was dedicated to recognizing and celebrating the indispensable contributions of pharmacists in the realm of medical supplements and healthcare professionals. ***Dr. Upendra Mani Tripathi*** (Joint Secretary ArogyaBharti, Homeopathy physician) as a chief guest addressed the program;***Dr. Kalpana***

Kushwaha (Head of Women's Affairs, ArogyaBharti-AyodhyaMahanagar, and HomeopathyPhysician) said that in today's fast-paced life, people are falling ill more often. Pharmacist is the link between the doctor and the patient, who Along with proper use of medicines, patients are given proper advice on eating habits. Therefore, they should help the patients wholeheartedly.

On the invitation of ***82nd Foundation Day of Council of Scientific and Industrial Research (CSIR)***Students were visited the ***CSIR-CIMAP*** Lucknow on 26 Sep 2023. A student motivation program was organized for the students. During the tour

Camps

A ***Blood Donation Camp***at Bhavdiya Campus was organized and about 15 unit of the blood was donated by the staff and students to ***District Hospital Ayodhya Blood Bank Unit.***

Conclusion

BIPSR is growing and marching ahead with all its might, definitely with the right spirit and in the right direction. This is possible because **BIPSR FAMILY** believes and follows the ***Institutional Core Values*** namely Discipline, Determination, Dedication, Integrity & Trust and Interest & Involvement. Students are oriented here towards conspicuous value additions, namely, the quest for knowledge, the desire for innovation, the approach for total personality development and the pride in being a member of BIPSR family. The institute has rightly envisioned becoming a role model in Pharmacy education and the most preferred choice of students, parents, faculty and industry.

–Dr. Sanjay Kumar Kushwaha
DIRECTOR
Bhavdiya Institute of Pharmaceutical Sciences and Research, Ayodhya

❑

वार्षिक रिपोर्ट : शिक्षक–शिक्षा संकाय

—अवनीश शुक्ल
विभागाध्यक्ष

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में शिक्षक शिक्षा संकाय की स्थापना सर्वप्रथम **भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट** संस्थान में एक यूनिट (50 सीटों) के साथ सत्र 2012–13 में हुई थी। वर्तमान में भवदीय ग्रुप में शिक्षक शिक्षा संकाय के तीन संस्थान यथा—

1. भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, कॉलेज कोड- 590004, इन्टेक- 100 सीट,
2. श्री साईंराम इंस्टीट्यूट, कॉलेज कोड- 590037, इन्टेक- 150 सीट एवं
3. भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट, कॉलेज कोड- 590066, इन्टेक- 100 सीट संचालित हैं।

जिसमें भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट में बी. एड्. इन्टेक- 100 सीट एवं डी. एल. एड्. दोनों पाठ्यक्रम संचालित हैं। सभी संस्थानों को सहशिक्षा में अनुमोदन प्राप्त है।

डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजूकेशन **(डी. एल. एड्.)** पूर्व प्रचलित नाम बी. टी. सी. पाठ्यक्रम का अनुमोदन राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् जयपुर तथा सम्बद्धता

एस०सी०ई०आर०टी० प्रयागराज उ०प्र० से प्राप्त है। बैचलर ऑफ एजूकेशन (बी. एड्.) पाठ्यक्रम का अनुमोदन राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद जयपुर तथा सम्बद्धता डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या से है।

शैक्षणिक सत्र 2023-24 भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में इन्टेक के सापेक्ष शतप्रतिशत प्रवेश हुआ है, इसी क्रम में श्री साईं राम इन्स्टीट्यूट एवं भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट में भी शतप्रतिशत प्रवेश हुआ है और सभी प्रशिक्षु कुशलतापूर्वक गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

संस्थान के बी. एड्. एवं डी. एल. एड्. पाठ्यक्रमों में परीक्षा वर्ष 2022-23 का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा है। बी. एड्. पाठ्यक्रम में श्रवण कुमार पाण्डेय ने 85.33 प्रतिशत अंक प्राप्त करके संस्थान में प्रथम स्थान हासिल किया। डी. एल. एड्. पाठ्यक्रम भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रैनिंग इन्स्टीट्यूट में कु० प्रियंका गुप्ता ने 92.50 प्रतिशत अंक लाकर प्रथम स्थान और श्री साईं राम इन्स्टीट्यूट में आशु शर्मा ने 94.68 प्रतिशत तथा भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट में कु० आकांक्षा चौधरी ने 93.62 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संस्थान का नाम बढ़ाया है।

संस्थान के डी. एल. एड्. एवं बी. एड्. पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके सैकड़ों प्रशिक्षु विभिन्न परिषदीय तथा जूनियर हाईस्कूल एवं माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक एवं प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं। अभी हाल ही में बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित बिहार स्कूल शिक्षक परीक्षा में तीनों संस्थान के लगभग 20 प्रशिक्षु चयनित हुए हैं जिसमें प्रमुख रूप से डी. एल. एड्. सत्र 2017-19 श्री साईं राम इन्स्टीट्यूट की प्रशिक्षु मधु सिंह, आशु फार्मा एवं आकांक्षा सिंह, भवदीय एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के मुकेश शर्मा एवं प्रदीप विश्वकर्मा एवं भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट की प्रशिक्षु रचना सिंह का चयन हुआ है। जिससे ये प्रशिक्षु संस्थान के साथ-साथ अपने परिवार का नाम भी रोशन कर रहे हैं।

विदित हो कि संस्थान में प्रशिक्षण कक्षाओं के समापन के उपरान्त (UPTET) एवं (CTET) की तैयारी हेतु विशेष कक्षाओं का संचालन किया जाता है, जिसके प्रेरणास्रोत प्रबन्ध निदेशक महोदय, चेयरमैन सर तथा माननीय सचिव जी हैं।

संस्थान में प्रशिक्षुओं के मार्ग निर्देशन एवं परामर्श हेतु विशेष व्यवस्था की गई है, साथ ही निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षा की व्यवस्था उपलब्ध है। प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ सामुदायिक कार्य, जनभागीदारी के कार्यों की शिक्षा दी जाती है तथा आवश्यकतानुसार शैक्षिक भ्रमण भी करवाया जाता है जिससे प्रशिक्षुगण तनावरहित प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), रोवर्स-रेंजर्स, रेडक्रास जैसे कार्यक्रमों का संचालन संस्थान में किया जाता है जिसमें प्रशिक्षुगण बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करते हैं और इस माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों एवं कुरीतियों को दूर करने में मदद करते हैं।

पाठ्यसहगामी क्रियाओं के अन्तर्गत रंगोली, मेंहदी, वाद-विवाद तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन समय-समय पर किया जाता है जिसमें प्रशिक्षुओं को अपनी प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्राप्त होता है। इसके साथ ही अन्तर्महाविद्यालयीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें अयोध्या तथा अम्बेडकरनगर जिले के विभिन्न तहसीलों के डी० एल० एड्० प्रशिक्षु क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, वॉलीबाल, कैरम, चेस, दौड़ सहित कई अन्य खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं।

12 जनवरी, 2024 को युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द जी के शैक्षिक विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता विषय पर एक संगोष्ठी का अयोजन किया गया, इस एक दिवसीय संगोष्ठी में विभाग के प्राध्यापकों ने विषय पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला तथा प्रशिक्षुओं को स्वामी विवेकानन्द जी के विचारों

को आत्मसात् करने की सलाह दी। 25 जनवरी, 2024 राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम बढ़वाने, मतदाता सूची में गलत जानकारियों को सही कराने एवं लोकतन्त्र में भागीदारी बढ़ाने हेतु मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई, जो संस्थान से होते हुए आस-पास के गाँवों सीवार, बरईकला, बेगमगंज तथा अख्तियारपुर गई जहाँ ग्रामीणों को जागरूक किया गया तथा मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की शपथ भी दिलायी गयी।

05 सितम्बर, 2023 को डॉ० सर्वपल्लीराधाकृष्णन् के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। प्राचार्य डॉ० राजनीश कुमार श्रीवास्तव एवं विभागाध्यक्ष अवनीश शुक्ल ने केक काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया एवं डॉ० सर्वपल्ली के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया।

❑

वार्षिक आख्या : कृषि संकाय (2022-23)

—विनोद कुमार वर्मा

विभागाध्यक्ष- कृषि संकाय

भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट सीवार, सोहावल, अयोध्या के अन्तर्गत कृषि संकाय विभाग की शुरुआत सत्र 2017 में 300 सीटों के साथ हुई थी। **प्रथम वर्ष सत्र 2017-18** में 84 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया था, जिसमें से 61 छात्र-छात्राएँ परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिनका परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा था, जिसमें प्रथम स्थान बद्रीश गुप्ता (76.60 प्रतिशत), द्वितीय स्थान कन्हैयालाल वर्मा (70.30 प्रतिशत) एवं तृतीय स्थान संयुक्त रूप से अनुपम कुमार और प्रियंका यादव ने (70.00 प्रतिशत) अंक प्राप्त किया था। विगत सत्र की भाँति सत्र (2018-19) में 293 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया जिसके सापेक्ष परीक्षा में प्रथम वर्ष में 218 एवं द्वितीय वर्ष में 39 छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हुए थे। प्रथम वर्ष सत्र 2018-19 के घोषित परीक्षा में सम्मिलित 218 परीक्षार्थियों में से 209 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए। परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 95.87 प्रतिशत रहा। कुल सम्मिलित 193 छात्रों (पुरुष) के सापेक्ष 186 छात्र उत्तीर्ण घोषित हुए एवं उत्तीर्ण प्रतिशत 96.37 प्रतिशत रहा जबकि कुल सम्मिलित छात्राओं (महिला) के सापेक्ष 23 छात्राएँ उत्तीर्ण घोषित हुईं तथा उत्तीर्ण प्रतिशत 92 प्रतिशत रहा। जिसमें 100 प्रतिशत प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए तथा कु० कामिनी यादव ने (87.67 प्रतिशत) अंक प्राप्त करके संस्थान में प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान अभिषेक वर्मा (84. 66 प्रतिशत) एवं तृतीय स्थान अवनीश कुमार दूबे (84.16 प्रतिशत) अंक प्राप्त किये।

द्वितीय वर्ष सत्र 2018-19 के घोषित परीक्षा में सम्मिलित 39 परीक्षार्थियों में से 39 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए जिसमें 33 छात्र (पुरुष) एवं 6 छात्र (महिला) उत्तीर्ण हुए। परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 100 प्रतिशत रहा जिसमें महीप कुमार ने 87.66 प्रतिशत अंक प्राप्त करके संस्थान में प्रथम स्थान, संयुक्त रूप से शाजिया बानो और बद्रीश गुप्ता (79.33 प्रतिशत) द्वितीय स्थान एवं अनुपम कुमार ने (77.17 प्रतिशत) अंक हासिल करके तृतीय स्थान प्राप्त किया।

शैक्षिक सत्र 2019-20 में कृषि स्नातक की शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए सेमेस्टर प्रणाली के लिए संस्थान के प्रबन्ध तंत्र एवं प्राचार्य डॉ० रजनीश कुमार श्रीवास्तव ने डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति जी को ज्ञापन दिया, जिसके फलस्वरूप विश्वविद्यालय प्रशासन ने पंचम डीन कमेटी की संस्तुति से सेमेस्टर प्रणाली का

पाठयक्रम प्रारम्भ हुआ। शैक्षिक सत्र 2019-20 में सेमेस्टर प्रणाली के प्रथम सेमेस्टर में 166 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया तथा परीक्षा में 132 छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हुए जिनका परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। वार्षिक प्रणाली के अन्तर्गत सत्र 2019-20 में द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों का परिणाम भी शत प्रतिशत रहा।

वैश्विक महामारी कोविड-19 संक्रमण काल का प्रभाव मार्च, 2020 से प्रारम्भ हुआ जो कि सत्र 2020-21 की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित होने के कारण संकाय के समस्त छात्र-छात्राओं को भारत सरकार / उ०प्र० सरकार व डा० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देश के अनुक्रम में अगली कक्षा में प्रोन्नत कर दिया गया।

ध्यातव्य है कि समस्त पाठ्यक्रमों की अन्तिम वर्ष की परीक्षा भौतिक रूप से डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के द्वारा करायी गई जिसमें परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यार्थियों की शिक्षण पद्धति भौतिक रूप से न होकर वर्चुअल/आनलाइन माध्यम से करायी गयी।

सत्र 2021-22 के प्रथम सेमेस्टर में 84 छात्र पंजीकृत हुए तथा द्वितीय, तृतीय वर्षों के सम एवं विषम सेमेस्टर के पंजीकृत छात्र-छात्राओं के सापेक्ष परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा व चतुर्थ वर्ष की वार्षिक परीक्षा प्रणाली में 198 पंजीकृत छात्र-छात्राओं के सापेक्ष 197 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिनका परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इस सत्र में छात्राओं ने कृषि संकाय विभाग में सोनी यादव (84.41%) प्रथम, कु० कामिनी यादव (84.04%) द्वितीय एवं अभिषेक वर्मा (81.71%) तृतीय स्थान प्राप्त किया। सत्र 2021-22 में कृषि संकाय के अन्तर्गत परास्नातक स्तर पर एम.एस-सी. कृषि (एग्रोनामी, हार्टीकल्चर, स्वॉयल साइन्स, इन्टमोलाजी, जेनेटिक्स प्लान्ट ब्रीडिंग) विषयों में विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता प्राप्त हुई जिसके सापेक्ष विषयवार क्रमशः 53, 07, 04 एवं 04 छात्र पंजीकृत हुए जो कि इस वर्ष के दोनों सेमे. उत्तीर्ण करते हुए सत्र 2022-23 में प्रवेश कर गए।

सत्र 2022-23 बी.एस-सी. (कृषि) में प्रथम सेमे. में 71 छात्र पंजीकृत हुए तथा द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ वर्षों के सम व विषम सेमे. के छात्र/छात्राओं का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा, **सत्र 2022-23** में बी. एस-सी. (कृषि) में छात्रा उपासना प्रथम (80.42%) व मो. शोएब द्वितीय (79.62%) स्थान प्राप्त किया। सत्र 2022-23 में एम.एस-सी. (कृषि)- (एग्रोनामी, हार्टीकल्चर, स्वॉयल साइन्स, इन्टमोलाजी, जेनेटिक्स प्लान्ट ब्रीडिंग) जिसके सापेक्ष विषयवार कमशः 59, 38, 2, 12, 8 छात्र पंजीकृत हुए। एम.एस-सी. (कृषि) अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं का 2022-23 (एग्रोनामी, हार्टीकल्चर, स्वॉयल साइन्स, इन्टमोलाजी, जेनेटिक्स प्लान्ट ब्रीडिंग) विषयों का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा। सत्र 2022-23 अंतिम वर्ष एम.एस-सी. (कृषि) एग्रोनामी में महीप कुमार प्रथम (79.59%), रजनीश सिंह पटेल द्वितीय (77.63%) हार्टीकल्चर में नेहा गोस्वामी प्रथम (73.88%), रिंकू देवी द्वितीय (72.85%) स्वॉयल साइन्स में दीपक कुमार प्रथम (75.76%) स्थान प्राप्त किया। विदित हो कि इस वर्ष संकाय द्वारा वृहत् स्तर पर किसान दिवस मनाया गया जिसमें स्थानीय स्तर पर प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया तथा कृषि संकाय के छात्र / छात्राओं द्वारा कृषि प्रदर्शिनी लगायी गई जिसमें छात्रों द्वारा नवीन तकनीक पर आधारित कृषि मॉडल प्रस्तुत किये गये।

कृषि संकाय के अन्तर्गत विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाओं में शैक्षणिक भ्रमण आई.एफ.एस, आई.पी. एफ, आई.आई.एस.आर, आई.वी.आर.आई., एन.डी. आर.आई. आदि स्थानों पर कराया जाता है जिससे उनकी प्रयोगात्मक अभिरुचि पाठ्यक्रमों में बनी रहे। छात्रों को सृजनात्मक कार्य हेतु विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएँ करायी जाती हैं एवं विभाग विषयवार प्रयोगात्मक कक्षाओं पर विशेष बल देते हुए करायी जाती है। विषयवार प्रयोगशालायें विशेष उपकरणों से सुसज्जित हैं। हर्ष का विषय है कि डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य) के कुशल प्रयास से बी.एस-सी.- कृषि सेमेस्टर प्रणाली

में अंक पत्र व उपाधि प्रमाण-पत्र में बी.एस-सी.- कृषि (ऑनर्स) अंकित हो चुका है। वर्तमान शैक्षिक सत्र 2023-24 में बी.एस-सी.- कृषि (आनर्स) में 72 छात्र-छात्राओं ने तथा एम.एस-सी.-(कृषि) (एग्रोनामी, हार्टीकल्चर, स्वॉयल साइन्स, इन्टमोलाजी, जेनेटिक्स, प्लान्ट ब्रीडिंग) में क्रमशः 40, 27, 10, 6, 3 छात्र-छात्राओं ने प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लिया है जिनका शिक्षण कार्य प्रगति पर है।

❑

Annual Report (2022-23)
Department of Home Science (BEI)

The department of Bachelor of Science in Home Science was established in the session 2017-18. Bachelor of Science (Home science) is three year undergraduate programme. The department aims to empower learners by developing understanding of five different areas interest in perusing carrier in home science such as :

- Food science and Nutrition
- Clothing and Textile
- Family Resource Management
- Human Development
- Communication and Extension Education

The course helps to understand changing needs of Indian culture , society and professional skills .

The syllabus at U.G. level develops an understanding in the learners that the knowledge and skills acquired through Home Science facilities development of self, family and community. There is a rise in demand for nutrionist in gym or in hospitals preparing diet plans for related diseases as per their medical conditions.

Achievements of students

In session 2017 to 2020, 25 students was enrolled and their result was found cent percent. **Anamika Singh**, students of final year had get Ist Rank in department.

In session 2018 to 2021, 30 students was enrolled and their result was found cent percent. **Radhika Singh**, students of final year had got Rank in department.

In session 2019 to 2022, 35 students was enrolled and their result was found cent percent. **Shikha Tiwari**, students of final year had got Ist Rank in department.

In session 2020 to 2023, 35 students was enrolled and their result was found cent percent. **Kamlesh kumari**, students of final year had got Ist Rank in department.

In session 2021 to 2024, 34 students was enrolled and their batch is running in current session.

In session 2022to 2025, 33 students was enrolled and their batch is running in current session.

In session 2023 to 2026, 35 students was enrolled and with an inflow fresh corrosions for enrolment, admissions in **2023** went off smoothly the total number of students for U.G. are progressive way and a panel of faculty was set up to meet them and no the aptitude of students so as to guide them choose the right programmes for their bright future.

Significant highlights of achievements 2022-23

The department always has taken new initiative for the betterment of students. All efforts were made to chalk out the college goes in consonance with key programmes an initiatives :

- **Student orientation –** In order to motivate the students and to faster a sprit a independence and self-reflection and advocacy, orientation programme are offered to students.
- The students of the department are involve in NSS scheme. NSS provide a platform for the students to move out of their text books and engage themselves with broader, social and environmental stress. During 7 days **NSS camp activities** such as **essay writing competition, talks and lecture were organised to recognise the sacrifice of our freedom fighters and unsung hero's.**
- Slogan writing , poster making and plantation of kitchen/immunity boosting herb in the college herbal garden.
- Encouraging women empowerment through celebration a international women's day (08.03.2021). A panel discussion was held where women from different walks of life shared **their journey, challenges and success stories to motivate** our students.
- Demonstration **on healthy cooking and baking food**.
- To sensitize students about **reproductive health and dental hygiene**.
- Sports it increases self-esteem-mental alertness and teaches the students life **skill like- team work , leadership and patience.**
- Department riched in all well practical equipment and organize time to time schedule practical, department also visit difficult place for **micro teaching study educational tour , hospital visit , baby clinic visit etc.**
- A number of workshops/demonstration, Yoga session and meetings were held for students.
- The department of Home Science conduct to nutrition quiz competition as part of national nutrition week-2021 on September 1-7.
- **Sustainable department initiative:** Swachhta Abhiyan, Sanitation, hygine, waste management, water management and energy management.
- **Eco sustainable initiative:** consistent efforts were put in by the department for reusing and recycling wastes materials. The purpose of the mission is to contribute towards the collection of waste materials and their using from the house hold level and community level.

And the end, in present **session 2022-23** the department has been going on smooth functioning in the way of are way of academic enhancement as well as best practices of co-curriculum assignment.

Lastly, a special word by Principal, **Dr. Rajneesh Kumar Srivastava** congratulate and extend heartfelt blessing to all U.G. students who shall be receiving their degrees .

Thank you

–Dr. Sneh Lata Singh
HOD
Department of Home Sience BEI

❑

Department of Science

B.Sc.(Bachelor Of Science) three year under graduate degree course has been started from 2020 as new session (2020-21) with full energetic and qualified faculty members in D-block which is a part of Bhavdiya Educational Institute .

At present total strength of this department is 32 students approximately adding 2nd and 4thsem which are based on **NEP (New education policy)** and 3rd year with annual system).

Our first batch passed out in 2022-23 with good academic record.

To improve the quality of undergraduate level of science education, our institute has adopted semester system and in order to it we are operating vocational and co-curricular courses along with major subjects (mathematics, physics, chemistry, zoology,botany) and minor subjects (yoga and fitness, introduction of computer application etc.) as well.

By vocational and co-curricular courses we are not only check in mental and skill abilities of student but also improving and familiarize themselves.

The Department provides employability and best practices for competition exam throughout by highly experienced faculty members as per norms ofnew education policy 2020.

Features of NEP :

1. Student of B.Sc can get a good academic certificate on completion of 1st year program.

2. On being completing the second year course, B.Sc. student can achieve the higher level diploma in science field.

3. In sequence of completion of 3rd year of course, student attend specific degree of science stream.

4. Along all features NEP system fully support of students to choose the way of research field with different subject specialization.

Our topper students :

1- Deepak Pal	(2ndsem, ZBC)	- 2022-23	First Div.
2- Charul Chauhan	(4thsem, PCM)	- 2022-23	First Div.
3- Abhishek Chauhan	(4thsem, PCM)	- 2022-23	First Div.
4- Zainab Fatima	(4thsem, ZBC)	- 2022-23	First Div.
5- DeekshaGoswami	(3rdyear, ZBC)	- 2022-23	First Div.

Being as academic administrator of science department my intention is to render knowledge full education with embracing research and competition level schooling.

As well as department also organized many activities, events and seminars for the perfection of personality development of the semester and annual based system as per accomplish direction of principal BEI and management committee.

Highlights of events conduction (2022-23) :

1.National mathematics day (22nd Dec):- Our Department has organized online seminar on topic uses of mathematical modeling with graph theory in data science by Dr. SantoshYadav (Associate professor, BITSPilani) with co-operation of Mr. Anshu Gupta.

2.National science day (28th feb) : On this day our science conducted a quiz program between 2nd & 4th sem student with association of agriculture department.

I am highly thankful to my principal management and well educated faculty members who always support me for development of the department and institution.

– Mr. Anshu Gupta
Assistant prof. of mathematics
Head Coordinator of the Dept. of Science

Annual Report (2022-23)
Department of Library Science & Social Work

Bachelor of Library & Information science (B.Lib.I.Sc.) is a one year undergraduate course & Master of Library & Information science (M.lib. l.Sc.) is a one year Post Graduate Degree program was established with the year of 2017-18 and 2021-22 respectively for students interested in pursuing their carrier in Library Science. It deals with study of management & maintenance of various sources of the library and students build their carrier after B.lib.I.Sc. & M.Lib.I.Sc. is straight analyst, Library services manager, Assistant Librarian, Project Manager, Library Automation, Library Specialist and Assistant Professor in Library science.

Bachelor of library & Information science (B.Lib.I.Sc.) - In session 2017-18,There was 27 students enrolled and their result was cent percent. Raj Kumar got gold medal from The Dr. RML Awadh University Ayodhya by Governor of U.P. Government. In this connection, session 2018-19, 2019-20 and 2020-21, admission of students were satisfactory and their result were cent percent. Seventeen students were enrolled in session 2021-22 and they passed all with good marks. Ruchi Trivedi passed with 75.20% and got 1" rank in BGI. In session 2022-23,Ten students were enrolled & they passed all good marks. Afreen Bano passed with 77.2% and got 1 rank in BGI & Soni Singh with 75.6% with 2nd rank in BGI.

Master of library & Information science (M.Lib.I.Sc.) - In july 2022 M.Lib course & In 1" session, the four students were enrolled and they passed all with cent percent. Anuj Singh got 1" rank in BGI with73.10% marks. In session 2022-23- five students were enrolled and they passed all

with cent present. Puspa Raj got 1" rank in BGI with 79.9% & Anjali Mishra got 2d rank in BGI with 74.3% marks.

Master of social work (MSW)- MSW is a two year Post Graduate Program which was established in the year of 2021-22. Aspirants as pursue MSW course after pursuing a bachelor degree. Candidates who have pursued a bachelor of social work (BSW) degree are preferred if they opt to pursue a Post Graduate course in Social work. Students build their carrier in various across the nation social development. In the session 2020-21 only one student was enrolled and passed with good marks. In session 2023-24, twenty students were enrolled and all of them are doing their studies & practical work smoothly and in a good way. After completed their (B.lib.& M.lib) course students were worked in different colleges, Hospitals in Library department and after MSW course they were worked in different NGO'S.

The concern departments riched with well equipped practical equipment and extra curriculum activities department organized time to time schedule practical and visit. All departments visit in different libraries and other organization for the enhancement of students. Department conduct mock interview and seminars for the personality development of students.

–Jyoti Rani
Co-ordinator
B.Lib, M.Libt & MSW
❑

Progress Report : Bhavdiya Medical College and Institute of Nursing

Bhavdiya Medical College and Institute of Nursing started with an introduction of Bachelor of Science in Nursing (B.Sc. N) affiliated from AtalBihari Vajpayee Medical University, Lucknow and General Nursing Midwifery (GNM) affiliated from Uttar Pradesh State Medical Faculty, Lucknow with the total intake of 40 seats each.

The Bhavdiya Medical College and Institute of Nursing have its own Bhavdiya Ayush Hospital running by Ramau Devi Hemraj Charitable Trust with a total of 150 beds. The hospital has various departments like Surgical, Medical, Pediatrics, Gynecology and Obstetrics, Orthopedic, Eye & ENT, Intensive Care Unit and Neonatal Intensive Care Unit. The hospital is equipped with advance Ultra sound Machinery, ECG, Suction machine and Autoclave. The hospital is also having 20 beds with oxygen supply.

The Institute is affiliated to 3 Community Health Centers (CHC) of Sohawal, Khairanpur and Rudali and to District Hospital, Ayodhya that enables the students to enhance their competencies in functioning as Primary health care providers.

The Department has well furnished, ventilated and spacious classroom that provide ambience facilitating teaching-learning process. Total numbers of 8 classrooms are provided with facilities for utilizing modern educational technologies.

Full-fledged laboratories with adequate supplies and equipment are made available. The department has Anatomy laboratory, Fundamental laboratory,

Community health Nursing laboratory, Nutrition laboratory and Obstetrics and Gynecology laboratory that contains human mannequins, charts, models, maternal pelvis, fetal skull and various gynecological instruments through which students can practice before hand various nursing procedures and care which will help them to serve the patients in real world. The laboratories help to have practical knowledge about the advance nursing procedures like CPR training etc.

The Institute has a Central Library which has a vast collection of latest edition books. Nearly 3595 books are available in the library as well as 10 National and International Journal.

Along with systematic implementation of curriculum, various co-curricular activities are also organized like Lamp Lightning and Oath taking ceremony, World Food Day, World AIDS Day and World Immunization Day.

In the session 2023-24, total 39 students in Bachelor of Science in Nursing [B.Sc. (N)] appeared in the examination.The First position was secured by Iram Fatima (74%), Second position was shared equally by RoshniYadav (72.4%) and Twinkle Singh (72.4%) and Third position was secured by Oshika Singh (71.2%).

In the session 2023-24, total 40 students in General Nursing and Midwifery (GNM) appeared in the examination. The First position was secured by AashitaSrivastava (80.4%), Second position was secured by SunitaYadav (70.615%) and Third position was secured by Mantasha Bano (78.8%).

–Jyoti Verma
Co-Ordinator
B. M. College and Institute of Nursing
❑

खेल–कूद (बी.जी.आई.)
प्रगति आख्या

–शैलेष मिश्र
सहायक प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा विभाग

संस्थान में सत्र 2021–22 में 29 अगस्त खेल दिवस के अवसर पर क्रिकेट (पुरुष) एवं शतरंज (महिला+पुरुष) का आयोजन किया गया। भवदीय एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ने डॉ० राम मनोहर लोहिया की खेल तालिका के अनुसार विभिन्न खेलों (शतरंज, कबड्डी, शूटिंग, खो–खो आदि) में अपने छात्र/छात्राओं को प्रतिभाग कराया। संस्थान में वोकेशनल कोर्स के अंतर्गत तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान के सभी छात्र/छात्राओं को चार समूहों में (भगत सिंह, राजगुरु, आजाद, सुभाष) विभक्त कर उनके बीच नियमित विभिन्न खेलों को सम्पादित कराया गया। संस्थान का शारीरिक शिक्षा विभाग संस्थान के सभी छात्र / छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है। संस्थान में 21 जून योग दिवस के अवसर पर संस्थान के प्राचार्य, निदेशक, अध्यापकगण एवं समस्त छात्र/छात्राओं को सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। संस्थान में 07 जुलाई 2022 को सभी प्रखण्डों के अध्यापकों के बीच मनोरंजक खेल (म्यूजिकल चेयर) का भी आयोजन किया गया।

सत्र 2022-23 में 15 अगस्त को एक मैत्री क्रिकेट का आयोजन किया गया एवं 29 अगस्त को वालीबाल पुरुष एवं शतरंज व कैरम (म.+पु.) का आयोजन किया गया संस्थान में विभिन्न खेलों का आयोजन (क्रिकेट, वालीबाल, बास्केटबाल, खो-खो, शतरंज, कैरम) कराया जाता रहा है। संस्थान में नियमित योगाभ्यास भी संचालित है। नवम्बर 2014 को भवदीय एजुकेशनल इंस्टीटयूट ने डॉ० राम मनोहर लोहिया की अंतर्महाविद्यालयीय शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन कराया एवं राममनोहर लोहिया के खेल तालिका के अनुसार छात्र / छात्राओं को विभिन्न खेलों में प्रतिभाग कराया। संस्थान में दिसम्बर 2022 में 32 इंटर कालेजों का क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया, जिसके फाइनल प्रतियोगिता में अयोध्या के सांसद माननीय लल्लू सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विगत वर्षों की भाँति 21 जून 2022 को योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया।

संस्थान का शारीरिक शिक्षा विभाग संस्थान के सभी छात्र / छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है।

❑

वार्षिक आख्या-राष्ट्रीय सेवा योजना (2022-23)

—डॉ. सुजीत कुमार यादव

कार्यक्रमाधिकारी (रा.से.यो.)

भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट सीवार, सोहावल, अयोध्या के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई- (प्रथम) का शुभारम्भ सत्र 2019-20 में हुआ था। रा.से.यो. के अन्तर्गत वार्षिक सामान्य कार्यक्रम होता है जिसकी अवधि 120 घण्टे की होती है तथा सात दिवसीय विशेष कार्यक्रम जिसकी अवधि 168 घण्टे की होती है। यह रा.से.यो. के चयनित स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं द्वारा कराया जाता है जिसमें मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, चयनित ग्राम के प्रधान, प्राचार्य इत्यादि लोगों को रा.से.यो. कार्यक्रमाधिकारी आमंत्रित करते हैं।

उपर्युक्त क्रियान्वयन के अनुसार सत्र 2019-20 में रा.से.यो. इकाई प्रथम में 100 सीटों का आवंटन हुआ था, जिसमें शत-प्रतिशत स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने प्रवेश लिया था। वार्षिक सामान्य कार्यक्रम के लिए ग्राम सीवार, सोहावल, अयोध्या को चयनित किया गया था जिसकी संस्थान से दूरी 1 किमी. थी। सामान्य कार्यक्रम का योजना विवरण दिनांक 01.11.2019 से प्रारम्भ होकर 08.03.2020 तक में सम्पन्न हुआ था तथा सात दिवसीय विशेष कार्यक्रम 07.02.2020 से 13.02.2020 तक में सम्पन्न हुआ था। इस कार्यक्रम में प्रबन्ध तन्त्र एवं डॉ. समीर सिन्हा (मुख्य अतिथि), डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य), डॉ. दयाशंकर वर्मा (कार्यक्रमाधिकारी), डॉ. संजय कुशवाहा, डॉ. शिशिर पाण्डेय, डॉ. पंकज यादव, श्री शिवप्रसाद वर्मा, श्री अवनीश शुक्ल (मीडिया प्रभारी), श्री अरुण मौर्य, श्रीमती सुनीता वर्मा आदि सभी प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

विगत सत्र की भाँति सत्र 2020-21 में 100 सीटों का आवंटन हुआ था जिसमें शत-प्रतिशत स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने प्रवेश लिया। सत्र 2020-21 के वार्षिक सामान्य कार्यक्रम योजना का प्रारम्भ दिनांक 11.11.2020 को हुआ तथा 22.03.2021 को समापन हुआ था जिसमें ग्रामसभा बरईकला को चुना गया था जिसकी संस्थान से दूरी 1.5 कि.मी. थी। रा.से.

यो. के अन्तर्गत सात दिवसीय विशेष कार्यक्रम 25 फरवरी 2021 को प्रारम्भ हुआ जिसका कार्यस्थल श्री सांईराम इंस्टीट्यूट ग्रामसभा बरईकला में रखा गया था। इस कार्यक्रम में प्रबंधतंत्र एवं डॉ. अवधेश कुमार वर्मा (मुख्य अतिथि) सचिव, बी.जी.आई., डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य), डॉ. दयाशंकर वर्मा (कार्यक्रमाधिकारी), डॉ. संजय कुशवाहा, डॉ. शिशिर पाण्डेय, डॉ. पंकज यादव, श्री शिवप्रसाद वर्मा, श्री अवनीश शुक्ल आदि प्राध्यापकगण उपस्थित थे। सत्र 2021-22 में 100 सीटों का आवंटन हुआ था जिसमें शत-प्रतिशत स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने प्रवेश लिया। सत्र 2021-22 में वार्षिक सामान्य कार्यक्रम 04.09.2021 से प्रारम्भ होकर दिनांक 22.03.2022 को समापन हुआ था जिसमें ग्रामसभा बरईकला, अयोध्या को चुना गया था जिसकी संस्थान से दूरी 1.5 किमी. थी जिसके प्रधान श्री रामदीन कोरी थे। रा.से.यो. के अन्तर्गत सात दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन 22 मार्च 2022 को भवदीय हेमराज वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट पर रखा गया था। इस कार्यक्रम में प्रबंध तंत्र एवं डॉ. अवधेश कुमार वर्मा (मुख्य अतिथि) सचिव, बी.जी.आई., डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य), डॉ. सुजीत कुमार यादव (कार्यक्रमाधिकारी), डॉ. संजय कुशवाहा, डॉ. शिशिर पाण्डेय, डॉ. पंकज यादव, इं. सुमित श्रीवास्तव, श्री अवनीश शुक्ल (मीडिया प्रभारी), श्री शैलेष मिश्रा, श्री शिवप्रसाद वर्मा, श्री अरुण मौर्य, श्री अमित मिश्रा, श्री विमलेश मौर्या, श्री इंक्रेश वर्मा, श्री जितेन्द्र कुमार अवस्थी, श्री धर्मवीर, श्री सूरज कुमार, कु. ज्योति रानी, श्रीमती रंजना सिंह, श्रीमती मंजू वर्मा आदि प्राध्यापकगण एवं सदस्य उपस्थित थे। दिनांक 28 मार्च 2022 को कार्यक्रम का समापन हुआ था।

विगत सत्र की भाँति सत्र 2022-23 में 100 सीटों का आवंटन हुआ था जिसमें शत-प्रतिशत स्वयंसेवकों /स्वयंसेविकाओं ने प्रवेश लिया। सत्र 2022-23 के वार्षिक सामान्य कार्यक्रम के योजना का प्रारम्भ दिनांक 06.09.2022 को हुआ तथा 22.03.2023 को समापन हुआ था। जिसमें विशेष शिविर के लिए चयनित ग्राम गौरियामऊ, न्योति, अयोध्या को चुना गया था, जिसकी संस्थान से दूरी 2.5 किमी. थी। रा.से.यो. के अन्तर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का कार्यक्रम 15.02.2023 को प्रारम्भ हुआ जिसका कार्यस्थल पंचायतभवन / प्रा. वि. गौरियामऊ, न्योति, अयोध्या में रखा गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री पूर्णवासी ग्रामप्रधान गौरियामऊ तथा विशिष्ट अतिथि श्री एस.पी. सिंह प्रधानाध्यापक प्रा.वि.गौरियामऊ एवं प्रबन्धतंत्र श्री मिश्रीलाल वर्मा (प्रबन्धक) बी.जी.आई., इं. पी.एन. वर्मा (अध्यक्ष) बी.जी.आई., डॉ. अवधेश कुमार वर्मा (सचिव) बी.जी.आई., डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य) बी. ई.आई., डॉ. संजय कुशवाहा (डायरेक्टर) BIPSR, डॉ. शिशिर पाण्डेय (डायरेक्टर) BIBM, डॉ. सुजीत कुमार यादव (कार्यक्रमाधिकारी) (रा.से.यो.), इं. सुमित श्रीवास्तव, श्री अवनीश शुक्ल (मीडिया प्रभारी), डॉ. स्नेहलता सिंह, श्री विनोद वर्मा, श्री रणविजय सिंह तथा अन्य सभी प्राध्यापकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिनांक 21.02.2023 को विशेष शिविर कार्यक्रम का समापन हुआ था जिसमें मुख्य अतिथि श्री कृष्णकुमार पाण्डेय (जिला उपाध्यक्ष) तथा प्रबन्धतंत्र एवं सभी डायरेक्टर, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकगण, कर्मचारी इत्यादि उपस्थित रहे।

वर्तमान सत्र 2023-24 जिसका कार्य प्रगति पर है। ❑

यह ध्यान रखना की तुम्हारी इज्जत पर कोई हाथ न डालने पाये, एकता पैदा करो और चरित्र का विकास करो। — *सरदार पटेल*

BHAVDIYA EDUCATIONAL INSTITUTE

EVENT REPORT 2022-2023

1. On 13 Aug. 2022, NSS Volunteer's BGI celebrates "HAR GHAR TIRANGA"as per guideline and notification U.P. government as well as Dr. Rammanohar Lohia Awadh University, Ayodhya. On these day of the campaign and slogan writing on the theme "Har GharTrianga was jointly organised by the Department of Agriculture and Home Science and NSS Units. Dr. SujeetkumarYadav, NSS Programme Officer organised this event and different dept. of HODs the are present in campaign. The Principal, Dr. Rajneesh Kumar Srivastava appreciated the efforts done by the NSS volunteers.
2. On15th August 2022 celebration of Independence Day was held in a mesmerising way on the campus of BGI. India celebrates its 75th Independence Day as 'Azadi Ka Amrit Mahotsava' with the theme "Nation First, Always first", to commemorate its freedom. Various cultural program given by different department of students.HonourableCMD Sir, Chairman Sir, Principal Sir,and all respected Directors, teaching and non-teaching staff and students participates in the celebration.
3. On the occasion of national sports day (Aug 29, 2022) the department of physical education at BGI organized cricket tournament between two teams (Bhagat Singh Vs. Major Dhyanchand). Major Dhyanchand team won the match by six wickets. The honour chief guest professor K.K.Maurya management and all dignitries a warm welcome for this awaited celebration. All the student and staff members congratulated sports department for the dedication to the college.
4. On 5th Sep 2022, celebrated by the students of Deptt. of Agriculture, Home Science, Science, B.Lib and M.Lib. In this event students paid regards to their teachers and performed various activities for celebration. They had organized cultural activities in the presense of all faculty memebers .
5. On 24 sep 2022, was conducted induction program for newly admitted students in different branches like B.Sc. agriculture, B.Sc. Homescience, B.Sc and M.Sc.That day commenced with the formal welcoming of the freshers with by Principal, Dr. Rajneesh Kumar Srivastava, HOD, Dr. Sujeet Kumar Yadav, department of agriculture and all faculty member.On this occasion free bag distribution by management for freshers.
6. On 28 Sep, 2022, a group discussion on organic farming in India held by Mr. Himanshu Verma with presense of all faculty members to appreciate students, encourage to speak up and boost their confidence , was fulfilled. They were divided in to three groups On the basis of first group confidence, communication skill and thinking capacity so good, the course co-ordinator decided as winner to first group.
7. On 30 Sep 2022,The department of Home Science of Bhavdiya Educational Institute conduct the practical programme in the direction of making recipees (Crispy mix vegetable pakora) by students 2nd& 3rd year. After

making recipes the Principal our Institute, faculty member and other dignitaries member invited for the testing. They were presented over there, tested and giving making the concern recipe.

8. On 22 Oct 2023, organized by Uttar Pradesh government at Ram kiPaidi chats in Ayodhya. On this time in the Deepotsava, apart from Ram ManoharLohiaAwadh University affiliated college Bhavdiya Educational Institute will also participated as volunteers and as many as 20000 volunteers from Awadh University will participate in the event this year, Ram Lala from eight vabe and 10 countries will be staged in Ayodhya. Volunteers of our institutions were involved from different Deptt. Basically Faculty of Ag. Sc. Faculty of Pharmacy with NSS volunteers over all the programmeinitated and coordinate by Mr. AvneeshShukla, HOD, Dept. of education with their colleges, faculty member from different dept. as Principal of institution nominated by Dr. Rajneesh Kumar Srivastava Sir. ON this occasion as more than seventeen lakhs diyas lit up, presenting a mesmerizing view on the banks of SARYU RIVER at Ayodhya. It seems like heaven on earth.
9. On 11 Nov 2022, about 50 students of B.Sc Agriculture department, BGI, visited poultry farm at Ramnagar, Sohawal, Ayodhya along with Dr. Sujeet Kumar Yadav, HOD agriculture.under the supervision Principal Dr. Rajneesh Kumar Srivastava. Dr. Sujeet Kumar Yadav discussed to poultry officer various parameters of poultry farming such as production, disease, vaccination and management. The visit completed with the observation of certain presentation and data given it was really a fruitfull visit.
10. On 14 Nov 2022, children's day was celebrated by the student of Agriculture, Homescience and Science. They had participated in several cultural programs.
11. On 15 Nov 2022, about 60 students of B.Sc Agriculture, visited KVK Basti along with presence of Dr. Sujeet Kumar Yadav, HOD department of agriculture, under the supervision Principal Dr. Rajneesh Kumar Srivastava.
12. On 23 Nov 2022, The Department of Home Science conducted the practical programe of making recipie Chola Batura under the direction Dr. Sneh Lata Singh by the student of Rekha, Anamika, Anjali, Pinki and Roshni. The Principal of college and other dignitaries were invited for testing the recipe and they were appreciated to the students as well as the department.
13. On 12 Dec2022, A special guest lecture on "significance of food nutrition" was held the guest lecture has been organised by the department of Home Science to acknowledge a healthy body supports of a healthy mind, with this notion.The speaker of the session was Dr. Sujeet Kumar Yadav. During the guest lecture 35 students and 9 faculty members were presented.
14. On 15 Dec 2022, library visit organized by the department of M.Lib. along with course co-ordinator Miss. Jyoti Rani and Librarian Smt. Manju Verma and studentsat to the library in Dr. Ram Manohar Lohiya Awadh University, Ayodhya. It was very helpful to develop researching ability of the students.
15. On 17 Dec 2022, was celebratedwas celebrated as National Mathematics

day as well as Ramanujam birthday "who was great math ematics".On this day , A quiz competition is conducted by Mr. Anshu Gupta in guidance of Principal of BEI Dr. Rajneesh Srivastava with co-operation other staff members. In the Quiz competition approximately 40 students participated.

16. On 23 Dec 2022, The department of Agriculture at Bhavdiya Educational Institute celebrated National Farmers Day.The day was celebrated by inviting chief guest Padamshri Award Shri Ram Saran Verma and 20 innovative inspire younger generations on the prospects of new generation farming as a carrier option.On this ocassionAgriculture exhibition is being started at the very begin programme by chief guest, special guest, guest management and all dignitaries demonstration by students of Ag. and Home science .
17. On 30 Dec 2022, The department of Homescience organized to Baby clinic visit for the practical purpose of the students have been taken to anti natal care unit of Sri Ramsewak Hospital, Arkuna, Ayodhya.
18. On 12 Jan 2023, BEI organized the International youth day In this event all the student of department B.Sc. Agriculture, Homescience and Science had given tributes to the Swami Vivekanand. On this occasion Principal , Dr. Rajneesh Kumar Srivastava group of faculty member and students .
19. On 26 Jan 2023, celebrated Republic Day by all the students and faculty members of BGI .The chief guest CMD unfurled the national flag followed by our National Anthem 'Jan Gan Man' song by a team of student. On this occasion , all dignities, faculty members and all students were presented.
20. On 2nd – 5th May 2023, the department of physical education at BGI organized inter degree college chess competition, (Male/Female) by Rajkiya Mahavidyalaya, Parsawa, Khandasa, Milkipur.This competition under supervision by Mr. Shailesh Mishra. In (Assisstant Professor) which competition BGI hold third rank. Former all the student and staff members congratulated sports department for the winner to the college.
21. On 5 June 2023, celebrated for awareness among students about the importance of the environment and the need protect it. The Principal, Dr. Rajneesh Kumar Srivastva, HOD Mr. Vinod verma and along with the other faculty members, participated in the programme in full spirit. Mr. Vinay Kumar Verma, Mr. Himanshu verma and Dr. Sujeet kumar Yadav along with Principal of the college and all students planted five trees in college premises.
22. On 23 June 2023, celebrated with great eagerness and enthusiasm at BGI campus and co-ordinated by Mr. Shailesh Mishra (Deparment of BPES). On this occasion gathering on various ways to cope up with stress and its management and thus leave a healthy life. On this session all dignitries, faculty members and students were presence.

* All above conducted event reports are displayed in details with pics on our college website. www.bci.bgi.ac.in

—Dr. Rajneesh Kumar Srivastava

❑

How Open Source Is Shaping The World Around Us

Er. Sumit Kumar Srivastava

Head of Department, BEI

Open source democratizes technology and enables fast innovation by giving organizations access to a global pool of talent and the tools needed to develop secure, reliable and scalable software.

Open-source software development has a lot of potential in India and could become the best in the world under the right circumstances. The government of India can play a major role here. Introducing policy-level changes to open-source development could encourage a mutually beneficial relationship for both the government and the developers and give 'Digital India' a much needed push.

Policy on Adoption of Open Source Software for Government of India

- **To provide a policy framework for rapid and effective adoption of OSS**
- **To ensure strategic control in e-Governance applications and systems from a long-term perspective.**
- **To reduce the Total Cost of Ownership (TCO) of projects.**

One of the most awe-inspiring tech developments in the last 20 years has been the rapid growth of **Free and Open Source Software (FOSS)** worldwide.

Most digital experiences are powered by FOSS today, with more than **85% of India's Internet running actively on FOSS.** Major institutions like the **courts, IRCTC, and the State Bank of India rely on FOSS** to scale operations and provide timely and efficient digital services to millions.

FOSS democratizes technology and enables fast innovation by giving organizations access to a global pool of talent and the tools needed to develop secure, reliable and scalable software.

It is in India's national interest to promote free and open source software as it will help in making India self-reliant in the field of science and technology.

Free and Open Source Software's

1. **About FOSS** : A FOSS **doesn't mean software is free of cost**. The term "free" indicates that the **software does not have constraints on copyrights.**
   - o It means that source code of the software is **open for all and anyone is free to use study and modify** the code.
   - o It allows other people also to contribute to the development and improvement of the software like a community.
   - o The FOSS may also be referred to as **Free/ Libre Open Source Software (FLOSS).**
   - o Examples of FOSS include **MySQL, Firefox, Linux,** etc.
2. **Significance of FOSS** : FOSS today presents an **alternative model to build digital technologies** for population scale.
   - o Unlike proprietary software, everyone has

the **freedom to edit, modify and reuse open-source code.**

- This result in many benefits — **reduced costs, no vendor lock-in, the ability to customize for local context,** and greater innovation through wider collaboration.
- FOSS communities can examine the open-source code for **adherence to data privacy principles, help find bugs, and ensure transparency** and accountability.

3. **India and FOSS :**

- **Initial Attempts:** The earliest attempts by governments to promote open source have mostly involved **adopting Linux-based operating systems and open document formats.**
  - However, it failed because governments couldn't build better consumer products than corporations or open-source communities.
- **Current Scenario of FOSS Developers:** Indian developers are major players in this ecosystem. According to **GitHub**, more than 7.2 million of its 73 million users in 2021 were from India, placing it **at third position behind China** (7.6 million) **and the US** (13.5 million).
  - But the Indian developer base is growing faster, close to 40% in 2020-21 compared to 16% in China and 22% in the US.
  - GitHub expects to see 10 million Indian developers on its platform by 2023.
  - Millions of Indian developers plugged into the global open-source ecosystem is a good sign and can be a **source of competitive advantage for India** in high-technology geopolitics.
- **Related Initiative:** In April 2021, the Ministry of Electronics & IT (MeitY) announced the **#FOSS4GOV Innovation Challenge** to accelerate adoption of Free and Open Source Software (FOSS) in Government.
  - It will **harness the innovation potential of the FOSS community and start-ups** to solve critical issues in Government Technologies (GovTech).
  - It is a **key component of** GovTech 3.0, which is about building secure and inclusive Open Digital Ecosystems (ODEs).

Policy on Adoption of Open Source Software for Government of India : The policy states that all the government departments would adopt open-source software in all the e-governance systems. The idea was to ensure strategic control in e-Government applications and systems and define a framework to adapt open-source and reduce ownership costs.

Such open-source software should have the following characteristics

Making the source code available for the end-user to study and modify the software. The end-user should also be allowed to redistribute the original or the modified source code.

- The source code will be free from royalty.

Policy on Collaborative Application Development by Opening the Source Code of Government Applications : This policy aims to fast-track e-Governance application development, roll-out, and implementation using open-source development model. The government wants to build successful, scalable, and high-quality applications. The policy also encourages collaborations between different departments, agencies, private organizations, developers to innovate eGov applications and solutions.

Policy on Open Application Programming Interfaces (APIs) : This policy calls for formal use of Open APIs in government organizations. The aim is to promote software

interoperability for all eGov applications and systems and provide data access. It is expected to encourage the participation of all stakeholders, including common citizens.

Scope for improvement

The open-source ecosystem in India goes back to the early 90s with the establishment of several Indian Linux User Groups and Free Software User Groups.

Most of the digital experiences are powered by open-source software. Notably, more than 85 percent of India's internet is running on open-source software. Courts, IRCTC, State Bank of India, LIC India etc. rely on this ecosystem to scale operations and provide efficient services.

That said, the potential of the Indian open source ecosystem has not been fully explored. Despite a 4.36 million-strong workforce, India's software ecosystem is not inclusive, and hence not equipped to build applications for users from different walks of life and lived experiences.

Further, experts believe the open-source community could benefit greatly from an organized alliance of all stakeholders, developers, industry, academia, and government. This would help in carrying out several ambitious and innovative projects.

Conclusion

India is at an inflection point in its journey towards greater adoption of FOSS in GovTech. With an IT workforce of more than four million employees and a software industry that is the envy of the world, India already has the required talent and what more is needed is a concerted push to harness the biggest promise that FOSS holds — the possibility of collaborative technological innovation.

Open source is a development methodology; free software is a social movement.

❑

How to Save Time and Scale Your Marketing Content

—Shivendra Pratap Singh
Asstt. Professor, BIBM

"Marketing is root: Social need and products"

Lack of time is the biggest reason for lack of content, yet there's more and more emphasis on the importance of scaling copy to reach more customers. If everyone is so short on time, how can marketers manage the growing of content? I have noticed critical steps that many businesses skip to save time, but these save and money in the long run :

Develop a Content Marketing Strategy

The initial step to success is devising a solid strategy aligned with your business goals. This ensures all departments are on the same page and prevents last minute projects halting daily production. Beginning work without an approved plan is the best way to limit creativity and increase staff burnout. Every strategy should align consumer needs with commercial goals and production standards. Your content marketing tactics align advertising effort with product lunches, major company events, and holidays, Consider your busy season, too.

Create a Content Marketing Plan

Once you've created a solid strategy and key stockholders are invested, develop your content marketing plan. This is where

you can establish specific projects to work cohesively and strengthen the same policy. There may be an idea for each stage of the customer lifecycle or projects that address different buyer personalities.

Develop a Production process

Now that a strategy and content plan has been shared with your company. You'll benefit from a clear production process. This will ensure you can maintain your projects through development delivery**,** and metric tracking. A solid process will have boundaries rather than roadblocks to keep teams on track without stifling creativity. This step should clarify who's responsible for a task and who's overseeing its completion according to enterprise standards and plan goals. If there are any expertise gaps, additional consultants can be brought on board, or parts of the project can be outsourced.

Expand specialization

Having experts writers who are on their source materials will lead to improved quality and efficiency. Assign similar content to the same writer to develop his or her knowledge on a specific topic. When time allows, ask writers to create additional material on a relevant subject of interest. This will expand the copy your company shares but will also grow your writers' understanding of a specific issue and increase staff motivation.

Businesses with small writing teams can invest in education training and other resources to increase their knowledge base.Hiring an agency or freelance writer to create additional content outside the team's comfort zone is another option. Outsourcing can be an effective method for many enterprises due to the seasonal nature of most industries. A busy time demands additional writers to meet growing content needs, but staff writers will usually have unproductive periods during slow seasons. Thus, many small operations outsource only during peak moments.

Schedule Regular Editorial Reviews

Hold a meeting with the organization's production managers to keep work from forming and add different perspectives to production challenges. This allows you're through experts to brainstorm new solutions for existing workflow bottlenecks. A meeting like this is a fantastic way to uncover missed opportunities and easily add them into the next set of content marketing plans or fit into the existing calendar.

Members of each team can discuss new trends in the field to strengthen weak content. Similarly, this is the place to evaluate the latest statistics the most successful material. Keep the meeting focused by passing each idea through a filter that rates values, considers alternative ideas, and prioritizes them based on business goals. Most importantly, align every new topic with the company's original strategies.

❑

Applications Of Integration And Differentiation In Real Life

—Dhananjay Singh

Assistant Professor (B.I.B.M)

Have you ever wondered how the universe is constantly in motion and how it is monitored? Or how the motion of all the minute particles can be measured? The answer to all these curiosity questions lies in an interesting subject called Calculus. Calculus is the branch of math that studies the rate of change.

Isaac Newton of England and Gottfried Wilhelm Leibniz of Germany independently developed calculus in the 17th century. It encompasses two concepts, The calculation of instantaneous rates of change is differentiation, and the summation of infinitely many small factors to determine a whole is termed integration.

In the following post, let us understand what calculus is all about.

Integration and differentiation : Understanding the difference

Calculus might seem very daunting for beginners. Jargon related to these crucial concepts. can create ambiguity among learners. So, let us first understand the basic difference between the two as well as where these actually come into use in real life.

INTEGRATION	DIFFERENTIATION
1. Integration sums up all small areas lying under a curve and determines the total area.	1. Differentiation is the process by which the rate of change of a curve is determined.
2. Integral calculus adds all the pieces together.	2. Differential calculus deals with the process of dividing something to understand or calculate the changes.
3. Integration deals with the distance traveled by the function and the area between the function and x-axis.	3. Differentiation calculates the speed and the slope of the function.
4. Integration is used to find out areas, volumes and central points.	4. Differentiation is used to determine if a function is increasing or decreasing, and the calculation of instantaneous velocity.

Application of integration and differentiation in real life : Practical examples

Now that we know what differentiation and integration are all about, let us have a look at the roles they play in our real life.

1. Calculating pressure within dams : Let us consider a dam. When the reservoir behind it is full, the dam withstands a great deal of force. We can use integration to calculate the force exerted on the dam when the reservoir is full and also calculate how changing water levels affect that force.

Hydrostatic force is one of the many applications of integrals.

2. Automobiles : In an automobile, we always find an odometer and a speedometer. Their gauges work in synchrony and determine the speed and distance the automobile has traveled. The electronic meters use differentiation to transform the data sent to the motherboard from the wheels (speed) and the distance (odometer).

3. Business : One of the most common applications of derivatives of differentiation is when data is computed on a graph or a data table like an Excel sheet. Once there is an input, one can calculate the profit or loss by means of derivatives.

4. Astronomy : Space flight engineers frequently use calculus when planning lengthy missions. To launch a rocket, calculus allows each of those variables to accurately take into account the orbiting velocities under the gravitational influences of the sun and the moon. This is one of the most crucial instances of real-life applications of differentiation.

5. Economics : Differential calculus is used in economics to calculate marginal cost, marginal revenue, maxima, and minima, and also enables economists to predict maximum profit (or) minimum loss in specific conditions..

6. Swimming pools : Integration determines the amount of water used to fill a swimming pool. We first need to determine the shape of the swimming pool and find its size. Therefore, we find the amount of water that will fill it. If the swimming pool shape is not a regular geometric shape, it begins with a slight gradient.

7. Video games : The graphic engineer uses integration and differentiation to determine the difference and change of three-dimensional models and how they will change when exposed to multiple conditions. This helps to create a very realistic environment in 3D movies or video games.

8. Medicine : Calculus is a crucial mathematical tool for analyzing drug activity quantitatively. Differential equations are utilized to relate the concentrations of drugs in various body organs over time. In addition, integrated equations are often used to model the cumulative therapeutic or toxic outcomes of drugs in the body.

9. Architecture : Calculus can be used by architects to express design plans through graphs or drawings. They can describe surfaces through math's to help adapt the drawing to the computer software. This can be done through various differential equations. Calculus was used in the designing and construction of the Eiffel tower

10. Credit card : Companies use differential calculus to calculate the minimum payable amount. There are several variables that go into this calculation. It is calculated by the amount of money that is due by the due date. The rate of interest also needs to be considered. With all these changing values, interest rates, and account balances, the calculation has to be done simultaneously in order to provide the customer with an accurate minimum balance and amount payable.

Conclusion : To sum up, calculus is a mathematical concept that is commonly utilized in mathematical models to get optimal solutions and helps in understanding the changes in the values associated with a function. Furthermore, the concepts of differentiation and integration play significant roles in our lives without us noticing them. They are interrelated with math, science, economics, and almost every field of life. Differentiation and integration are not merely a part of a mathematical discipline but play a huge role in the real world.

❑

Taxation of Cryptocurrency Transactions: legal Framework in India

–Kaushlendra Mishra
Asstt. Professor, BIBM

Cryptocurrencies are digital currencies designed to buy goods and services, similar to other currencies. However, since the beginning, it has largely heen controversial due to its decentralised nature meaning its operation without any intermediary like banks, financial institutions, or central andorities.

Today, more than 1.500 virtual currencies, such as Bitcoin, Litecoin, Dogecoin, Ethereum, Ripple, Matic, etc., are traded in the digital currency world. The investment and trading volume of cryptocurrencies has increased multifold.

Crypto and NFTs were categorized as "Virtual Digital Assets" and Section 2(47) was added to the income Tax Act to define this term. The definition is quite detailed but mainly includes any information, code, number or token (not Indian or foreign fiat currency), generated through cryptographic means. In simple words, VDAs mean all types of crypto assets, including NFTS, tokens, and cryptocurrencies but it will not include gift cards or vouchers.

Cryptocurrencies have gained significant traction in India, raising questions about their taxation and regulatory status.

While the regulatory framework for cryptocurrencies in India still evolving, the Reserve Bank of India (RBI) has issued several circulars and notifications cautioning against the risks associted with virtual currencies. Additionally, the Securities and Exchange Board of India (SEBI) has indicated its intention regulate certain aspects of the cryptocurrency ecosystem. However, as of now, there is no specific legislation governing cryptocurrencies in India.

Income Tax Act, 1961 governs the taxation of cryptocurrency transactions in India. According to the Income Tax Department, cryptocurrencies are considered as "assets" or "capital assets" for tax purposes. Therefore, gains or profits arising from the sale or transfer of cryptocurrencies are subject to taxation under the head "Capital Gains."

Crypto tax applies to all investors, whether private or commercial, who transfer digital assets during the year. The tax rate is the same for short-term and long-term gains, and it applies to all types of income carned by the investor.

Gains from trading, selling or swapping cryptocurrency will be taxed at flat 30% (pius a 4% surchanrge) irrespective of whether the income is treated as capital gains or business income. Other than this tax 1% TDS will also apply on sale of crypto assets of more than ₹ 50,000 (or ₹ 10,000 in centain cases).

Taxpayers engaging in cryptocurrency transactions are required to maintain detailed records of their transactions, including the date of acquisition, sale price, and holding period. These records are crucial for computing capital gains and fulfilling tax raporting obligations. The

taxation of cryptocurrency transactions in India is subject to the existing legal framework, primarily governed by the Income Tax Act 1061 While cryptocurrencies are recognized as assets for tax purposes, the absence of specific regulations and guidelines poses, challenges for taxpayers and regulators alike. As the cryptocurrency ecosystem continues to evolve policymakers are expected to provide clarity on regulatory and tax matters to promote investor confidence and ensure compliance with applicable laws. Until then, taxpayers engaging in cryptocurrency transactions must exercise caution, maintain accurate records, and fulfill their tax obligations to mitigate risks and comply With regulatory requirements.

❑

The Evolution of Education Embracing Digital Classrooms

–Akanksha Mishra
Assistant Professor (BIBM)

In recent years education has undergone a profound transformation, moving away from traditional chalk and board, classrooms towards digitalized learning environment. This shift has been accelerated by technological advancements, changing the landscape of education and offering numerous benifits to both educators and students.

Digital classrooms break down geographical barriers allowing students from different parts of the world to access high quality education with online platforms and tools, learning becomes more flexible accommodating diverse schedules and lifestyles.

The transitions to digital classrooms represents a paradigm shift in education, offering unprecedented opportunities for enhanced accessibility, interactivity, collaboration and personalization. By harnessing the power of technology, educators can create dynamic learning environment that empower students to thrive digital age.

❑

The Evolution of Internet and Digital Marketing

–Amit Tripathi
Assistant Professor (BIBM)

In today's digital age, the internet has become the cornerstone of marking efforts for businesses worldwide. As technology continues to evolve, so do we the strategies and tactics used in digital marketing. From search engine optimization (SEO) to social media advertising, businesses are constantly adopting to stay ahead in the competitive online landscape.

Further more, the rise of social media platforms has revolutionized the way businesses connect with their coustomers. Platform like, "Facebook", "Instagram" and "Twitter" offer unparalleled opportunities for

brands to engage directly with their target oudience, build relationship and foster brand loyalty. Social Media marketing has become an essential component of any comprehensive digital marketing strategy. Moreover, the advent of new technologies such as artificial intelligence (AI) and machine learning is reshaping the digital marketing landscape. AI-powered tools enable marketers to analyze vast amounts of data, automate repetitive task, and delivered personalized experiences at scale. AI is revolutionizing how businesses approach marketing. In conclusion, the internent and digital marketing continue to evolve at a rapid pace, driven by technology advancements and shifting consumer behaviours. To succeed in this dynamic landscape, businesses must stay informed about the latest trends and adopt innovative strategies that resonate with their target audience. By embracing personalized adverstising leveraging social media platform, investing in content marketing, and harnessing the power of AI, businesses can stay ahead of the curve and drive meaningful results in the digital age.

❑

Cell Phone : The Necessary Evil

–Somil Kasaudhan
B.C.A.

Mobile phone have become necessity of life nowdays, but we are not using it correctly. Mobile are technically advanced and have too many options like hitech games, radio, internet and downloding etc. Everyone uses mobile phoes for different purpose. But teenagers use it for texting, music games and net suffering.

You are no more secure as your social life will be completely destroyed. No personal distance and no privacy at all. Anyone' can dig yours social sites. In a way phones has become constant way of interruption.

Gone are the time when the family used to sit together for the dinner that used to be a family time. The face to face communication has taken a back seat. The instant social medias and chats are favorite to pass time. Some people become completely disinterested in spending time with their families. Many of them have lost their interest in spending time with their families. This affects their reading time and sleeping hour also.

❑

Motivational Speech (Never Give Up)

–Avanish Upadhyay
BBA

It is okay to be scared.
It is okay to cry.
Everything is okay, but giving up.

Should not be an option.
They always say that Failure is not an option.
Failure should be an option because when you fail.
You get up and then you fail, and then you get up, and that keeps you going.
That's how humans are strong.

❑❑

Sweet Nature

–Uday Pathak
B.B.A. Ist Sem.

I am standing before you all to share my thoughts about through my speech about nature. Nature is the world around us. We all human beings depend on nature every time and for everything. Many people admire the beauty of nature and even they write many novels and poems on it, this is beacuse the beauty of nature cannot be expressed in one single word or saying. It provides the human, animals and all the living beings on the earth a place to live with the joy of natural resources.

❑

Meaning of Life

–Siddharth Pandey Vats
B.Com.

Life is like a sentence. Happiness, problems and the other conditions of life are like punctuations, question marks and full stops. But, it does not matter it the sentence is small or lengthy, what matter is the meaning of that sentence. Life is also like this. It does not matter if the life is small or lengthy, what matter is the meaning of that life.

❑

How can you overcome fear

—Mohammad Fahed
B. C. A.

Overcoming the fear of academic writing can be challenging but with the right mindset and strategies, it is Possible to Conquer this fear and improve your writing skills. Here are some tips to help you :

1. Practice Regularly— The more you write, the more comfortable you will become with the writing process. Set aside some time for daily writing practice, even if it's just is minutes a day.

2. Start Small— Begin with shorten assignments, such as essays or response papers. These allow you to focus on one, primary idea and help you develop your writing skills without overwhelming you.

Remember that becoming a good academic writer takes time and practice, but you can overcome your fears and greatly improve your skills with consistent effort and a positive attitude".

❑

❖❖❖

धृतराष्ट्र के गल्तियों से दुर्योधन मारा गया

गीता प्रथम अध्याय प्रथम श्लोक

—रवीन्द्र कुमार प्रजापति

B.B.A.

धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः।
मामकाः पाण्डवाश्रैव किमकुर्वत संजयः।।

अर्थ— भगवत गीता के प्रथम अध्याय के प्रथम श्लोक में धृतराष्ट्र, संजय से कहते हैं, हे संजय बताओ धर्म के और युद्ध के क्षेत्र में खड़े मेरे पुत्र और पाण्डु पुत्र में क्या हुआ। क्या कर रहे हैं मेरे और पाण्डु के पुत्र।

इस अध्याय में— जब धृतराष्ट्र को पहले से यह पता था कि मेरा पुत्र मारा जायेगा इस युद्ध में। फिर भी उसने यह युद्ध नहीं रोका। ठीक इसी प्रकार हम और आप भी जान रहे हैं कि हम अपना भविष्य कहाँ बना सकते हैं और कहाँ नहीं इसके बावजूद हम अपना समय कई जगहों पर वैसे ही बर्बाद कर रहे हैं। जो कि मेरे लक्ष्य के दिशा में है ही नहीं।

धृतराष्ट्र के पास ऐसे-ऐसे लोग थे, जो कि ज्ञान के भण्डार थे लेकिन धृतराष्ट्र अपने अभिमान में इतना लुप्त हो गया था कि उसे पता ही नहीं कि उसके पास क्या है?

ठीक इसी प्रकार हमारे आस-पास भी ऐसे ज्ञानी लोग रहते हैं लेकिन फिर भी हम उनका सही उपयोग नहीं कर पाते और अपने अस्तित्व को खो देते हैं।

यदि हर व्यक्ति को 3 चीजें स्पष्ट हों तो व्यक्ति कुछ भी पा सकता है।

1. जाना कहाँ है?
2. कैसे जाना है?
3. कब जाना है?

कहने का मतलब— 1. हर इंसान को अपना लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए कि उसे क्या चाहिए उसके जीवन में।

2. यदि आप यह स्पष्ट कर लेते हैं कि आपको क्या चाहिए तो उसके बाद आपको यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि कैसे जाना है मतलब आपका साधन कैसा है या आपका कोच कैसा है?

3. और साथ-साथ समय की निश्चितता होना बहुत आवश्यक है।

यदि यह 3 चीजें इंसान की स्पष्ट हैं तो इंसान किसी भी क्षेत्र में विजय हासिल कर सकता है।

"कोई भी लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं,
हारा वही है जो कभी लड़ा नहीं।"

❑

5G Technology

–Bibi Aayesha

B.C.A.

The 5G Technology, called a fifth generation of the Internet. This will complete wireless communication with almost no limitations. It can be real wireless world. It has incredible transmission speed. A 5G Network will be able to handle 10,000 more call and data traffic than the current 3G or 4G Network. It helps in the country's digital growth. 5G is a new revolutionary technology. This technology is also being introduced in India. 5G technology will help to incorporate AI into our daily life.

The 5G is much more powerful than its previous generations.

❑

Artificial Intelligence

–Princi Srivastava
B.C.A.

Artificial Intelligence (AI) is the simulation human intelligence processes by machines, especially computer system. The goal of AI is to create system that can function intelligently and independently.

Specific Applications of AI Include expert system natural language processing, speech recognition machine vision AI programming focusess on three cognitive skills they are learning, reasoning and self correction.

Learning process, Reasening proceses, self correction processes.

❑

Thinking and Learning are two side of same coin

–Nainshi Pandey
B.B.A. Ist Sem.

If you want to think yourself, The only path forward is to learn more. Not just from these who have the same opinions you do, but from everyone who disagree. And not just the average person who disagree, but the smartest people who object.

If an idea is popular among intelligent people, but strike you as compeletely wrong, you have probably misunderstood it. It is not necessary that every idea believed by smart people is correct. But if you can not see why smart people could believe it you have probably failed understand the actual argument.

If you realized how powerful your thought are. You would never think a negative thought...

❑

Computer

–Anjali Sharma
B.C.A. I Sem.

Looking and watching
Staring at the screen.
boy, those computers
Can really be mean.
Your press one key
then go back
everything's gone-
just like that !

Nothing easy
clicking and moving
messages pop up
You're not groovin.
Hit the help key
get out a book
it's finally working
the hours it took !

❑❑

Why did English Become Important

–Kahkasha Bano
B.C.A.

It's easy to see just how important English is around the world. Many international businesses conduct meetings in English, universities teach courses in English and around the world, tourists and travellers use English as a common language.

But how did English become so important? Well, it all goes back to the British Empire, which at its peak covered 25% of the earth's surface. During colonial times, British rulers often obliged the people in those countries to speak English rather than their native language. Although the origins of English as a global language has a complicated past, the language has left an important mark on media, trade and business. If you're still not sure about whether to learn the language, then check out the reasons below.

❑

Women Empowerment

–Sadhna Maurya
B.C.A.

'Bring Women ahead and remove gender inequality'.

Women empowerment refers to making women, powerful to make them capable of deciding for themselves. Women empowerment made up of two words, women and empowerment. Empowerment means power or authority to someone. So women empowerment means power in the hands of women.

Women can be empowered in various ways. It can be done through government schemes, as well as on an individual basis, at the individual level.

Importance of Women

Napolean once said, "Give me good mother and I will give a good nation". President Lincoln has said I am what my mother made me. Similar is the case of Shivaji.

"Women are the real architects of society".

❑

Students to Work Hard

–Tripti Singh
B.C.A.

Some students will have a drive from inside to learn new things and explore new ideas while some others look into successful persons around them and get self-motivated to learn hard.

However, this is not the case for all students and many of them will need immense motivation and inspiration form teachers and parents to work hard.

Stories are always a favorite area for students that invoke their love and interest. This is on of the reasons why teachers use this as a tool to motivate then in many areas.

This includes many common folk stories with a good moral at the end, real-life examples of successful persons and simple stories of normal people who have been part of their life journey.

❑

How to Start a Business

–Shweta Tiwari
B.C.A.

So friends the first step to start your business or startup is that you must know what exactly do you wish to do.

Whats Your Idea?

There are two reasons for this first is that there's a very less chances of thinking of such idea which no one has ever thought about.

because there are more than a billion people in the country hence, there a very less chance of it.

So I would recommend you to not think of an Idea which no one has ever thought it. Infact you have to think that what do you yourself like to do.

Idea and Planning

1. Your Passion ?

What's your passion, your interest what do you like to do ?

2. How can you give value ?

How can you give value to people from your work and how can you benefit people and give value that they will give you money in return.

3. Study them.

Then study what kind of such Business are already in the market and how do they run.

❑

What is the Importance of Technology

–Shalini
B.C.A.

In today's modern world technologies are advancing day by day. Due to which the life of human being has become very easy, technology, in general, refers to all the tools, machines or devices used in our day to day life. It is the result of advancement of science.

Today, technology is now a very integral part of the day-to-day life for each and everyone of us. There have been many technologies developments which have made our work much easier, like computer, mobile and many more.

Internet is probably the most famous means to spread information using the internet, one can easily get the news, views and updates.

❑

मित्रता

—जया तिवारी

B.B.A.

यह सत्य है कि अनेक लोग हमारे सम्पर्क में आते हैं, जिनमें से कुछ लोगों के प्रति हम लोग आकर्षित हो जाते हैं। फिर शुरू हो आकार लेता है मित्रता का बन्धन। मित्रता संवेदनशीलता का मूर्त रूप है। अच्छे निष्ठावान् मित्र विकट परिस्थितियों में साथ खड़े रहते हैं। सच्चे मित्र सदैव हमारा मार्गदर्शन करते हैं और निःस्वार्थ भाव से हमारा सदैव साथ देते हैं। मित्रता ईश्वर का अनमोल उपहार है। एक चरित्रवान् मित्र का मिलना सौभाग्य है। आधुनिक युग में यदि एक सच्चा मित्र मिल जाये तो उसे सदैव अपने हृदय में रखिए। ऐसे मित्र से आप सदैव सुरक्षित महसूस करेंगे, साथ ही जीवन का अनमोल आनन्द प्राप्त करेंगे। यदि ऐसा मित्र प्राप्त है तो ईश्वर को अवश्य धन्यवाद दें, क्योंकि आज सच्चे मित्रों की आवश्यकता है और सच्चे मित्र दुर्लभ हैं।

❑

Teacher's and Parents Role in Student Life

—Aman Kanaujiya

B.Com.

School, teachers and parents play vital role in holistic development of the child. Parents are the first mentor of the child and the teacher is the second. Both have an immense contribution and responsibility in shaping child's personality.

Role of parents : Parents are the child's first role model. Children behave, react and imitate same as their parents. Parents play important role in encouraging and motivating their kids to learn. Good parental support helps child to be positive, healthy and good life long learner. Children acquire skills at the very early stage of their life if the parents are responsive and understanding.

Role of Teachers : Major challenges for teachers are to nurture children's learning and give him various experiences to face this challenging world. She molds the child to be a responsible and independent learner. Teacher is the first person from whom child learns his social skills in school. Teachers make him comfortable and guide him the early concepts and developmental skills of life. Open minded, well balanced and a planned teacher has a great power to bring a positive change in the child's development. As the child grows and develops mastery in different skills, teacher becomes a real guide in nurturing his interest and learning to make him more independent.

Teacher-Parent Relationship : Trust and mutual understanding between parent and teacher is a real secret of child's happy learning. Support and Cooperativeness from parents towards teacher helps a lot to connect, understand and work towards child. Remarkable positive change is seen in a child if the parents and teacher understand and work hand in hand. A good parent teacher relationship leads child to be positive towards attending school.

❑

Youth Day Swami Vivekananda

(National Youth Day)

(12 January 1863 Born into on aristocratic Bengali Kayastha family of Calcutta)

—Kamini Mishra
M. Com.

Swami Vivekananda was a great believer in the Potential of Youth to change the world. He curged the Indian youth to educate themseleves, and emphasised How Service Should be the focus of their lives. He Once Said, "it is a privilege to serve mankind for this is the worship of God. God is Here in all these Human Souls.

Swami Vivekananda says about youth— "Act on the educated young men, bring them together, and organise them. Great things can be done by Great Sacrifices only- No Selfishness, no name, No fame, yours or mine nor my Master's' even! work. Work the idea the plan my boys, my brave noble, good Souls to the wheel, to the wheel put your shoulders."

Importance of Youth— Young people not only represent the future of our Country. We are one of Society's main agents of Change and progress.

Youth Quotes—

- Old age and treachery will always beat Youth and exuberance.
- The foundation of every State is the education of its youth.
- We want our legacy to stand upon the Youth.

Famous line of Swami Vivekananda— Take up one idea.

Make that one idea your life, dream of it, think of it, live on that idea let the brain, the body, muscles, nerves, every part of your body be full of the idea, and just leave every other idea alone. This is the way to Success and this is the way great Spiritual giants are produced

❑

आज के लिए और सदा के लिए सबसे बड़ा मित्र है अच्छी पुस्तक। —टपर

Indian Culture

—Apurva Singh
M.Com.

The Culture of India reflects the beliefs. Social structure, and religious inclinations of the people of India. India is a Culturally diverse country with every region with its own distinct culture reflected in the languge. Clothes, and traditions of the people. By looking at the various cultures of India. One gets to admire its diversity and also gets to know the people's religious beliefs and glorious past. For India people culture is a way of life, and it is something that is deeply ingrained in their souls. It is a way of life, a rule book which defines their conduct, society festivals, etc. India is a country of rich culture where, People of more than one religious culture live together. India is a Famous country all over the world for its culture and traditions. It is the land of various cultures and traditions. It is the country of the oldest civilizations in the world. The culture of India is the oldest culture in the world, around 5,000 years.

❑

Qualities of a Good Student

—Muskan Yadav
B.B.A.

Historically the term student refers to anyone who learns something. However, the recent definition of a student is that anyone who attends a school, college or university. Based on personal experience and research, I list down the qualities of a good student—

1. Attitude— Basically, a good student should possess the ability and willingness to learn new subjects even the subjects are not interesting.

2. Academic skills— Acquiring academic skills is the most important quality of a good student. Ability comprehensively, to write effectively, to speak fluently, and to communicate clearly are the key areas in which a good student must be proficient.

3. Ability— A good student should have the ability to apply the results of his or her learning to achieve the desired goals in a creative way.

4. Perceptiveness— How well a student can interpret and perceive meanings from a conversation greatly determine the quality of a good student. A good student always perceives right meaning from conversations, but an average student often misunderstands the original thoughts of a speaker or writer and derives a wrong conclusion.

5. Self discipline— Discipline in managing the time is an important factor that every good student must possess. Often, delaying the tasks, such as writing assignments, reading text books, etc, may negatively impact the ability of a student to deliver the goods.

6. Understanding memorizing concepts— A lot of surveys suggest that students must understand the concepts rather than just memorize them. The memorized facts and theories will stay in students memory until they leave the school, college or university. Once out of school, the student will totally forget the core concepts that they have learned. A good student always understands at instead of memorizing the concepts.

7. Behaviour— A student should have to know how to behave with his or her mates, teachers, parents and elders.

8. Asking doubts— A good student does'nt hesitate ask questions in order to clarify his/her doubts.

❑

Does Money Makes Many Things?

—Ananya Srivastava
B. B. A.

Now-a-days people work like machines just to earn more money from more than one source and they feel that they can get everything with money. In trying to earn money they miss small and precious pleasures that life offers to humans.

There is no end to that want of earning, And at a peak stage, they feel that they are the only persons responsible for their huge success. But it is sad that at that stage most of the people forget taking care of their parents and other farmily members, supporters, and friends who made them strong to be in that position and overcome the difficulties that life poses them.

There is a saying "Money makes many things" which may be good or bad depending on how use it. Now, people earn lakhs of salary per month. Are they happy h tiat money? No, because they miss so something which money cannot buy Something which they cannot have by just working like a machine i.e., they miss the feel of being alive and spend the quality time with family.

How much money should a person earn in his life? It is enough if he earns to satisfy the basic needs of the family and education and future of the children. But people wish to have a lavish and luxurious life. With this aim they work like slaves and become slaves of money.

At the end, they realise that they couldn't take even a single rupee with them. The great Alexander is the best example for this. This is the reality of life. Depending on how you use money can either free you or enslave you. So, lets spend money wisely by donating some to the needy. With this perspective, if a person earns there will be no regrets due to lack of money. And we can spend time with our beloved parents who gave us on a wonderful life and this world. Money is only something that we need but not everything in life.

At the end, they realise that they couldn't take even a single rupee with them. The great Alexander is the best example for this. This is the reality of life. Depending on how you use money can either free you or enslave you. So lets spend money wisely

by donating some to the needy. With this perspective, if a person earns there will be no regrets due to lack of money. And we can spend time with our beloved parents who gave us such a wonderful life and this world. Money is only something that we need but not everything in life.

❑

The Importance of Computers in the Modern World"

—Ram ji
B.C.A. 2nd Sem.

In today's rapidly evolving world, computers have become an integral part of our daily lives, impacting almost every aspect of human existence. From education to entertainment, from healthcare to business, computers play a pivotal role in shaping our society and driving progress. This article explores the significance of computers in various domains, highlighting their transformative power and pervasive influence.

1. Education— Computers have revolutionized the field of education, offering new avenues for learning and knowledge dissemination. With the advent of e-learning platforms, students can access a wealth of educational resources online, from interactive tutorials to virtual classrooms. Moreover, educational software and simulations enhance the learning experience, making complex concepts more accessible and engaging. Instructors can also leverage computer-based tools for assessment and personalized instruction, catering to individual learning needs.

2. Communication— Communication has been greatly facilitated by computers, enabling instant messaging, email correspondence, and video conferencing. Social media platforms have further transformed the way we interact, allowing us to connect with friends, family, and colleagues across the globe. The ubiquity of smartphones and internet connectivity has made communication more convenient and accessible, bridging geographical barriers and fostering global connectivity.

3. Business and Commerce— In the realm of business, computers have become indispensable tools for productivity and efficiency. From inventory management to customer relationship management, businesses rely on computer systems to streamline operations and optimize workflows. E-commerce platforms have revolutionized the way goods and services are bought and sold, enabling seamless transactions and global market reach. Furthermore, data analytics and business intelligence tools empower organizations to make informed decisions, driving growth and innovation.

4. Healthcare— In healthcare, computers have transformed patient care, medical research, and administrative processes. Electronic health records (EHRS) facilitate the storage and retrieval of patient information, improving coordination among healthcare providers and enhancing the quality of care. Diagnostic imaging technologies, powered by computer algorithms, enable the early detection and

treatment of diseases, saving lives and improving outcomes. Additionally, computational models and simulations aid in drug discovery and medical research, accelerating the development of new treatments and therapies.

5. Entertainment— Computers have revolutionized the entertainment industry, offering a plethora of digital content and immersive experiences. From streaming services to video games, consumers have access to a diverse array of entertainment, options at their fingertips. Digital editing tools enable filmmakers and artists to create stunning visual effects and multimedia productions, pushing the boundaries of creativity and storytelling. Virtual reality (VR) and augmented reality (AR) technologies provide immersive experiences, blurring the lines between the physical and digital worlds.

6. Science and Technology— In the realm of science and technology, computers serve as powerful tools for research, experimentation, and Innovation. High-performance computing (HPC) systems enable scientists and engineers to simulate complex phenomena, model climate patterns, and design advanced materials. Computational algorithms drive breakthroughs in artificial intelligence (AI), machine learning, and robotics, paving the way for autonomous systems and intelligent automation. Moreover, computer-aided design (CAD) software facilitates the prototyping and optimization of engineering designs, accelerating the pace of technological advancement.

❑

वीर

—Himresh Singh

B. C. A.

सच है, विपत्ति जब आती है,
कायर को ही दहलाती है,
सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं
काँटों में राह बनाते हैं।
मुँह से न कभी उफ कहते हैं।
संकट का चरण न गहते हैं।
जो आ पड़ता सब सहते हैं
उद्योग-निरत नित रहते हैं।
शूलों का मूल नसाते हैं,
बढ़ खुद विपत्ति पर छाते हैं।

❑

Motivation Thought

—Shavez Hasan Rizvi

B. B. A.

1. "When you have a Dream. You're got to grab it and never let go."
2. "Keep Your Face Always Toward the Sunshine, And Shadows will Fail Behind You."
3. "Success is not Final, Failure is not Fatal; it is the courage to continue that counts".
4. You Can Be Everything.
   You Can Be The Infinite
   Amount of Things that
   People Are".
5. Education is the most powerful weapon which you can use to Change the World.

❑

फार्मेसी-अनुभाग

आज की दुनिया में मानवमूल्य शिक्षा का महत्त्व

—रणविजय सिंह
सहप्राध्यापक, BIPSR
समन्वयक मास्टर ऑफ फार्मेसी

आज की तेज रफ्तारऔर लगातार बदलती दुनिया में, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तेजी से महत्त्वपूर्ण होती जा रही है। छात्रों को न केवल शैक्षणिक और व्यावसायिक सफलता के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें जीवन में आने वाली विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक जीवन कौशल और मूल्यों से लैस किया जाना चाहिए। यही कारण है कि मानवमूल्य शिक्षा आधुनिक शिक्षा का एक महत्त्वपूर्ण पहलू बन गई है।

मानवमूल्य शिक्षा में छात्रों को उन मूल्यों, विश्वासों, दृष्टिकोणों और व्यवहारों के बारे में पढ़ाना शामिल है जो एक सफल और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक है। इसका उद्देश्य न केवल ज्ञान प्रदान करना है, बल्कि ऐसे छात्रों का विकास करना है जो सहानुभूतिशील, दयालु, सम्मानजनक और समाज के जिम्मेदार सदस्य हों। आधुनिक शिक्षा में सिखाए जाने वाले कुछ सबसे महत्त्वपूर्ण मानवीय मूल्यों में शामिल हैं—

1. **करुणा**— करुणा दूसरों के दर्द और संघर्ष को समझने और महसूस करने की क्षमता है। छात्रों को करुणा की शिक्षा देने की आवश्यकता है ताकि वे दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने की क्षमता विकसित कर सकें और जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए कार्यवायी कर सकें।

2. **ईमानदारी**— ईमानदारी विश्वास की नींव है और एक महत्त्वपूर्ण मूल्य है जिसे छात्रों को जीवन में जल्दी सीखने की आवश्यकता है। उनके लिए अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों में सच्चा होने के महत्त्व को समझना महत्त्वपूर्ण है।

3. **सम्मान**— सम्मान एक ऐसा मूल्य है जो सभी को दिया और प्राप्त किया जाना चाहिए। इसमें दूसरों के साथ सम्मान और सम्मान के साथ व्यवहार करना शामिल है, चाहे उनकी सामाजिक स्थिति, जातीयता या पृष्ठभूमि कुछ भी हो। छात्रों को खुद का, अपने साथियों का और उच्च पदों पर बैठे लोगों का सम्मान करना सिखाया जाना चाहिए।

4. **जिम्मेदारी**— जिम्मेदारी किसी के कार्यों की जिम्मेदारी लेने और परिणामों के लिए जवाबदेह होने की क्षमता है। छात्रों को अपने व्यवहार और कार्यों की जिम्मेदारी लेना और अपने आस-पास के अन्य लोगों पर उनके प्रभाव को पहचानना सिखाया जाना चाहिए।

5. **दृढ़ता**— दृढ़ता में किसी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ संकल्प और कड़ी मेहनत शामिल है। छात्रों के लिए एक मजबूत कार्यनीति विकसित करना और कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए भी आगे बढ़ते रहने की भावना विकसित करना महत्त्वपूर्ण है।

मानवमूल्य शिक्षा सर्वांगीण व्यक्तियों के निर्माण के महत्त्व को सम्बोधित करती है जो न केवल अकादमिक रूप से सफल हों, बल्कि उनमें एक मजबूत नैतिकता और नैतिक क्षमता भी हो। यह छात्रों को आत्म-जागरूकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद करता है जो आज के समाज में सफल होने के लिए आवश्यक हैं।

अंत में, मानवमूल्य शिक्षा छात्रों को जिम्मेदार, दयालु और सहानुभूतिपूर्ण व्यक्तियों में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है जो जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार होते हैं। मानवमूल्य शिक्षा को अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने में शिक्षकों और स्कूलों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को एक सर्वांगीण शिक्षा मिले जो जीवन भर उनकी अच्छी सेवा करेगी।

❑

भारत में स्कूली शिक्षा की वर्तमान स्थिति का अवलोकन

—राकेश पांडे
व्याख्याता- बीआईपीएसआर

भारत में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार के प्रयासों के बावजूद, अभी भी कई चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है। भारत में स्कूली शिक्षा को प्रभावित करने वाले कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दे इस प्रकार हैं—

शिक्षा तक पहुँच का अभाव— महत्त्वपूर्ण चुनौतियों में से एक शिक्षा की पहुँच की कमी है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। हालाँकि सरकार ने शिक्षा तक पहुँच में सुधार के लिए कई पहलें की हैं, लेकिन दूरदराज के इलाकों में कई बच्चों की अभी भी प्राथमिक शिक्षा तक पहुँच नहीं है।

ख़राब बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ— एक और बड़ी चुनौती स्कूलों में खराब बुनियादी ढाँचे और सुविधाएँ हैं। कई स्कूलों में शौचालय, स्वच्छ पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा होता है।

शिक्षा की निम्न गुणवत्ता— शिक्षा की गुणवत्ता एक और महत्त्वपूर्ण चिंता का विषय है। कई स्कूलों में योग्य शिक्षक नहीं हैं और पाठ्यक्रम पुराना है, जिससे सीखने की प्रक्रिया बाधित होती है। परिणामस्वरूप, कई बच्चे जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान विकसित नहीं कर पाते हैं।

लैंगिक असमानताएँ— भारत में शिक्षा तक पहुँच में लैंगिक असमानताएँ भी प्रचलित हैं। सामाजिक मानदंडों और आर्थिक कारकों के कारण, लड़कियाँ अक्सर शैक्षिक अवसरों से वंचित रह जाती हैं, खास कर ग्रामीण क्षेत्रों में।

उच्च ड्रॉपआउट दर— हालाँकि हाल ही में कमी आई है, स्कूलों में उच्च ड्रॉपआउट दर, विशेष रूप से शिक्षा के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर, एक और बड़ी चुनौती है। कई बच्चे गरीबी, रुचि की कमी या अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए काम करने की आवश्यकता के कारण स्कूल छोड़ देते हैं।

भारत में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए सरकारी पहल— भारत में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार ने कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। यहाँ कुछ प्रमुख पहलें दी गई हैं—

1. सर्वशिक्षा अभियान (एसएसए)— सर्वशिक्षा अभियान सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका लक्ष्य 6 से 14 वर्ष केसभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम शिक्षा तक पहुंच में सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और स्कूल छोड़ने की दर को कम करने पर केंद्रित है।

2. भारत में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए सुझाव— हालाँकि सरकार की पहल से स्थिति को सुधारने में काफी मदद मिली है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। आगे के सुधारों के लिए यहाँ कुछ सुझाव दिये गये हैं—

3. शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना— पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों में सुधार करके शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है। समाज और अर्थव्यवस्था की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम को अद्यतन किया जाना चाहिए। शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण-विधियों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में योग्य शिक्षकों को आकर्षित करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

4. बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं को मजबूत करना— सरकार को विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल के बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं में सुधार के लिए अधिक निवेश करना चाहिए। इसमें शौचालय, स्वच्छ पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुँच प्रदान करना शामिल है। सरकार भी भागीदार बन सकती है।

निष्कर्ष— भारत में स्कूली शिक्षा की वर्तमान स्थिति में पिछले कुछ वर्षों में काफी सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी कई चुनौतियों पर ध्यान देने की जरूरत है। शिक्षा तक पहुँच की कमी, ख़राब बुनियादी ढाँचा, शिक्षा की निम्न गुणवत्ता, लैंगिक असमानताएँ और उच्च ड्रॉपआउट दर कुछ ऐसे महत्त्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, सर्वशिक्षा अभियान और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान जैसी सरकार की पहलों ने स्थिति को सुधारने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

❑

ROLE OF MICROBIOLOGIST

MICROBIOLOGY TEACHES US THAT SIZE IS NO MEASURE OF SIGNIFICANCE ; "EVEN THE SMALLEST MICROBE CAN WIELD IMMENSE POWER"

–Mr Jagdeesh Prasad

Microbiologist BIPSR

All around the world there are microbiologists making a difference to our lives – ensuring our food is safe, treating and preventing disease, developing green technologies or tracking the role of microbes in climate change.

Microbiologists aim to answer many important global questions by understanding microbes.

When you first think of microbes, the ones that make us ill may spring to mind: viruses that cause colds and flu, or bacteria that can cause serious diseases such as meningitis and tuberculosis. However, microbes can also be beneficial in health and disease – as they are used to make new therapies that help us to fight infections and illness.

Before microbiologists can solve the problems caused by microbes, or exploit their abilities, they have to find out how microbes work. They can then use this knowledge to prevent or treat diseases, develop new technologies and improve our lives in general.

Microbiologists are essential in helping us to treat diseases, many work as biomedical scientists in hospitals and laboratories: testing samples of body tissue, blood and fluids to diagnose infections, monitor treatments or track disease outbreaks. Some microbiologists work as clinical scientists in hospitals, universities and medical school laboratories where they carry out research and give scientific advice to medical staff.

One of the most significant contributions of microbiology to the pharmaceutical industry is the discovery of antibiotics. Microorganisms produce antibiotics as a metabolic byproduct. Another significant microbiological discovery is the vaccine, which prevents viral infection. For instance, the polio vaccine helps in the eradication of polio worldwide.

Another pharmaceutical item produced by microbes is steroids. Other significant advancements in the field of microbiology include the prevention of microbial contamination of medications, injectables, eye drops, nasal sprays, and inhalation products.

"ALWAYS TRUST A MICROBIOLOGIST BECAUSE THEY HAVE THE BEST CHANCE OF PREDICTING WHEN THE WORLD WILL END"

❑

PHARMACIST IN HEALTH CARE SYSTEM

–JYOTI VAISH
Assistant Professor BIPSR

"PHARMACIST", A Superhuman who turn bunch of dangerous chemical into a lifesaving drug.

Pharmacists play a crucial role in healthcare systems worldwide where they work alongside other healthcare professionals and help ensure optimal patient care, medication safety, and improved health outcomes. In today's complex healthcare landscape, the role of pharmacists has evolved significantly beyond simply dispensing medications.

Pharmacist must display professional integrity. The faculty mentors who train pharmacists in the values of honesty and accountability truly care about the far-reaching effects of the profession on human lives and recognize the importance of instilling and demonstrating these values during training.

Pharmacists are knowledgeable in the areas of biomedical and pharmaceutical science, but they are also adept at applying this knowledge to real-world scenarios. As patient advocates, pharmacists need a keen ability to critically think through specialized information and complex scenarios to make ethical decisions.

In most countries, existing health care systems do not optimize the practices of all health professionals and cost an increasing amount without comparable increases in quality

and accessibility. Numerous proposals have been made on how to address these shortcomings. We suggest that by taking actions to better integrate pharmacists into the health care system, government priorities of person-centered care, continuing care, mental health and chronic disease management will gain significant traction. Specifically, there will be improvements in access and quality through accelerating the development of innovative team-based models of care, enhancing the coordination of drug therapy management across the health system and recognizing and promoting opportunities to access the health system through community-based pharmacists. Sustainability will be improved by containing system-level costs as a result of better-coordinated drug therapy, leading to decreased redundancy and better patient outcomes.

"Poisons and medicines are often times the same substance given with different intents…but only Pharmacists know"

❑

फार्मासिस्ट

—रजत यादव
डी. फार्म, द्वितीय वर्ष

एक मानव, एक ऐसा ज्ञानी जो मानव शरीर का ज्ञाता हो,
विष और औषधि का सही उपयोग, उसको करने आता हो,
ताप संक्रमण, ताऊन, रक्तचाप, जिसको नहीं डराता हो,
निरन्तर उन्नयन को तत्पर हो, जिसे उच्च मानक सुहाता हो।
ऐसे जीव की संरचना को, हमने नया कोर्स तैयार किया,
नवौषधि निर्माण हेतु, कई विषयों का पाठ्यक्रम का सार लिया,
Basic Anatomy, Pharmacology, Maths से लेकर जाने क्या-क्या उसे पढ़ाते हैं,
दो वर्षों के अथक प्रयास के बाद, हम Pharmacist नया बनाते हैं।
जिसे बनाया योद्धा हमने, उसे हमने, शस्त्र ही नहीं पकड़ाया है,
जिसको दिखाया स्वप्न आकाश का, उसे पाताल में ले आये हैं,
Skilled है पर Skilled नहीं, 4+2 को 3+2 के समक्ष हमने बैठाया है,
कानून तो हमने खूब बनाये, पर अमली जामा नहीं पहनाया है।
जो खुद को Pharmacist कहते हैं, उनको भी अपने गिरेबान खंगालने होंगे,
सिर्फ Degree ही नहीं, ज्ञान के अनन्त भंडार मस्तिष्क में डालने होंगे।
हक तो आज नहीं तो कल, वैश्विक समरसता में शायद हमें मिल जायेंगे।

❖❖❖

मोटिवेशन

—शिवम यादव
बी. फार्म अंतिम वर्ष

1. आज पढ़ाई और समय की इज्जत कीजिए भविष्य में यही पढ़ाई और यही समय आपको इज्जत दिलायेगा। याद रखें हर दिन की छोटी मेहनत से ही आप परफेक्ट बनते हैं और यही छोटी मेहनत एक दिन बड़ी सफलता में बदलती है।
2. अपने हार पर जो रोये,
   वो जिन्दगी में आगे क्या बढ़ेगा,
   मुश्किलों को देखकर जो पीछे हट जाये,
   वो कामयाबी की सीढ़ियाँ कैसे चढ़ेगा
3. ईश्वर का दिया कभी अल्प नहीं होता,
   जो टूट जाये वो संकल्प नहीं होता।
   हार को लक्ष्य से दूर ही रखना मेरे दोस्त
   क्योंकि जीत का कोई विकल्प नहीं होता।
4. सब्र कर, हिम्मत कर, बिखर कर भी
   निखर जायेगा।
   क्या हुआ अगर आज समय खराब है?
   वक्त ही तो है, गुजर जायेगा।।
5. जिन्दगी में कभी निराश मत होना,
   क्या पता कल वो दिन हो।
   जिसका तुम्हें बेसब्री से इन्तजार था।

❖❖❖

भारत माता की जय

—विपिन यादव
बी. फार्म, तृतीय वर्ष

भारतीय सूर्य के ललाम पर चढ़े हुए थे,
पहले हमें वे ही अनाथ लाकर दीजिए
लाके दीजिए हमें निसाचरों के वंश और
देशद्रोहियों की नयी जात लाकर दीजिए।
गुरुओं का वेश धारण कर उतार गये हिंद
सिंध के कुविन्द की जमात लाकर दीजिए
सारे काम छोड़कर सबसे प्रथम आप
तिरंगे को छूने वाले हाथ लाकर दीजिए।।

एक सैनिक कहता है
कि एक पत्थर का जवाब अब एक सौ गोली होना चाहिए
और गद्दारों की लालकोट पर अब होली होनी चाहिए
पाकिस्तान को भूल के पहले गद्दारों को मारो अब
और घर में पनपी नसलों को संहारो अब
जिस दिन ये गद्दार मरेंगे पाक खुद ही मर जायेगा
और धरती फिर से स्वर्ग बनेगी अमृत चैन भर जायेगा।

गर इतना आदेश सुना दे भूप देश के प्रहरियों को
बेदखल देश से कर देंगे हम कुछ ही देर में जहरियों को
चबा सकता किन हजार को तेरी आँखों का तारा है
पर माँ तेरा बेटा अपनी सरकारों से हारा है।

❖❖❖

लोग.....

—इरम फातिमा
डी. फार्म, द्वितीय वर्ष

तू अपनी खूबियाँ ढूँढ़
कमियाँ निकालने के लिए लोग हैं।
अगर रखना ही है, कदम तो आगे रख
पीछे खींचने के लिए लोग हैं।
सपने देखने ही हैं, तो ऊँचे देख
नीचा दिखाने के लिए लोग हैं।
अपने अन्दर जुनून की चिंगारी भड़का,
जलने के लिए लोग हैं।
अगर बनानी है तो यादें बना,
बातें बनाने के लिए लोग हैं।
प्यार करना है तो खुद से कर,
दुश्मनी करने के लिए लोग हैं।
और आखिर में अर्ज है कि—
कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना।
छोड़कर फिक्र जमाने की,
तुम अपने दिल की सुनते रहना ॥

❖❖❖

PHARMACIST

—Mohd. Ayaz
D. Pharm, Final Year

Pharmacist Pharmacist
We are your pharmacist,
And for the treatment of all discease
We are simply exists....

We are your pharmacist
Made the medicine,
And how to take it
Explain you again.....

We are your medicines experts
And responsible to do this here,
So, We'll always take
Your health care.....

We know prevention of disease
And how to cure their,
Because, before we start to treat
We are trained for many years.

It is our profession
And It is our addiction,
Yours healthy health
Our passion.....

❑

QUOTES

—Vikas Chaurasiya
B. Pharm, Final Year

1. "Poison and Medicine,
   are often times the same things/ substance
   given with different intents".

2. "Always laugh,
   when you can,
   It is a cheap Medicine"

PHARMACIST'S PRAYER To GOD

Lord,
as I work behind this counter, May I feel your presence here.
Help me to fill each prescription with knowledge, love and cheer.
May I, always be humbled by the priviledge
that is mine of making life, more comfortable and giving peace of mine of making life more comfortable and giving peace of mind.
For all who seek assistance, give me wisdom to meet their needs and for each encounter,
I pray,
Dear lord, that follow as you lead.

SOME LINES FOR PHARMACIST

"You are not studying to pass the exam....
you are studying for the day when
You are the only thing between the
Patient and The Grave."

❑

कविता

—संदीप यादव
बी. फार्म, अंतिम वर्ष

मैं डाक्टर नहीं.....
पर लोगों की सेवा करना मेरा धर्म है।
जैसे एक डाक्टर दवाइयों से जान बचाता है,
वैसे ही मैं अपने ज्ञान से दवाइयों में जान भरता हूँ,
मैं और कोई नहीं.....
मैं Pharmacist हूँ।

मैं डाक्टर नहीं.....
पर दवाओं का भगिक हाथ में नहीं, मेरे दिल में होता है,
और फार्मासिस्ट वो जादूगर होते हैं, जो सेहत को बचाते हैं
सबसे अच्छा! मैं और कोई नहीं.....
मैं Pharmacist हूँ।

मैं डाक्टर नहीं.....
जब जीवन और मौत की सीमा पर होती है,
तो फार्मासिस्ट एक मल्लाह की तरह सही दवाओं को
सही समय पर प्रदान करते हैं,
हाँ मैं और कोई नहीं.....
मैं Pharmacist हूँ।

मैं डाक्टर नहीं.....
पर जख्म कितना भी गहरा हो उसको मिटाने का
जुनून रखता हूँ, मैं और कोई नहीं.....
मैं Pharmacist हूँ।

मैं डाक्टर नहीं.....
मेरा किरदार ही अलग है,
हम दवाओं की पहचान से,
अपनी पहचान रखते हैं, मैं और कोई नहीं.....
मैं Pharmacist हूँ।

❑

भारत होगा विश्व विजेता

—तुषार मिश्रा
बी. फार्म, अंतिम वर्ष

नई चेतना जाग उठी है
विश्व विजेता भारत की
विजय पताका गगन उठी है
विश्व विजेता भारत की।

ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति में
भारत ने परचम लहराया है
जाति धर्म का भेद मिटाकर
फिर अखण्ड भारत बनाना है
विश्वास की शक्ति जाग उठी है
विश्व विजेता भारत की।

विश्व पटल पर भारत को
गौरव और सम्मान मिला है
विश्व गुरु पहचान बनी है
विश्व विजेता भारत की
चाँद-सितारों की सुदूर सैर
पर निकल पड़े हैं दिवाने
युवा शक्ति हुंकार उठी है
विश्व विजेता भारत की।

❑

मन का भ्रम

—वर्षा वर्मा
बी. फार्म, चतुर्थ वर्ष

मैं मनुष्य ही हूँ।
हाँ लगता है मैं मनुष्य ही हूँ।
जो स्तब्ध मन, कभी चंचल मन
कभी विचलित मन, कभी पथ पर अडिग मन
कभी दुर्बल मन, कभी प्रबल मन
अरे! ठीक ही है आखिर मैं मनुष्य जो हूँ।
राहों से ठोकर खाना
उठना-गिरना-चलना फिर दोहराना
ये चार घड़ी का तो खेल नहीं
अरे! ठीक ही है आखिर मैं मनुष्य जो हूँ।
पर अब ठान लिया.....।
तू चाहे नादानी कह ले
तू चाहे मनमानी कह ले
न मन रोके, न राह यहाँ
चलता जाऊँ, शिखर की ऊँचाइयों पर.....

तोड़ सारे बंदिशों को, जोड़ू सारे कंकड़ों को
फिर से इक लक्ष्य बनाऊँ।
चीर दूँ अँधेरे के व्योम को
और चलता जाऊँ नीर-सा
उजाले के शिखर पर
फिर सोचूँ ठीक ही तो है
मैं मनुष्य जो हूँ.....

❑

कालेज के दिन

—रजनीश वर्मा
बी. फार्म, चतुर्थ वर्ष

जिन्दगी का सबसे पसंदीदा चैप्टर पढ़ने को दिल करता है।
बस एक बार वापस कॉलेज लाइफ में वापस लौटने को दिल करता है।
आज हर वो एक बात याद आती है।
कुछ बुरी कुछ अच्छी बातें याद आती हैं।
कुछ बातें जो कल ही की बात लगती है।
मगर आज उन दोस्तों की यादें दिल को बहुत दु:ख पहुँचाती हैं।
अबकी बार क्लास अटेंड करने का मन करता है
दोपहर की क्लास में आँखें बंद करने का मन करता है।
बैंक की कतार में खड़े होकर कमेंट पास करने का मन करता है।
हॉस्टल से गेसिंग लेन की वो रात याद आती है।
परीक्षा का समय वो हँसी मजाक याद आती है।
कुछ दोस्त एग्जाम नाइट्स में रात भर खाया करते थे।
तो कुछ फोन पर लव चैट करके ही फ्यूचर प्लानिंग बनाते।
और फिर सुबह उठकर कहते हैं— यार थोड़ा समय ज्यादा मिलता तो ज्यादा पढ़ लेते।

❑

सरस्वती की वन्दना

—सुरेन्द्र कुमार वर्मा
डी. फार्म, प्रथम वर्ष

माँ शारदे कहाँ तू बीड़ा बजा रही हो।
किस मन्जू ज्ञान से माँ जग को लुभा रही हो।।
अज्ञान तम हमारा माँ शीघ्र दूर कर दे।
संकल्प ज्ञान हमको माँ शारदे तू भर दे
हमको दयामई ले तुम गोद में पढ़ाओ
अमृत जगत में माता तुम ज्ञान को पिलाओ
हम दीन बाल्य कब से विनती सुना रहे
चरणों में तेरी माता मस्तक झुका रहे
मातेश्वरी तू सुन ले सुन्दर विनय हमारी
करके दया तू हर ले बाधा जगत की सारी
किस मंजु ज्ञान से माँ जग को लुभा रही
माँ शारदे कहाँ तू वीणा बजा रही हो।।

❑

Why I Want to Become a Pharmacist

—Rajkumar
D. Pharm, IInd Year

- It is a very good profession and one has to study a lot to be a pharmacist.
- They deal with the chemical and compounds to deal with a disease.
- They are really genius because they protect us from various diseases.
- There are different institutes available for persuing pharmacy.
- I want to become a pharmacist just because of an incident.
- A year before my grandmother left me just because of cancer and I lost a best friend.
- The treatment is very costly and many of us can't afford it.
- So, I want to make it available at a low cost, Once I will become a licensed pharmacist.

❖❖❖

A Poem A Day Studying Pharmacy

—Mukesh Kumar
D. Pharm, I Year

Studying pharmacy is not easy I've been told.
By many people some young and some old.
Will let me tell you I'm not a neard.
So take off your lips this ugly word.
Pharmacy aim't as hard as you suppose.
You just need a very curious nose
A pair of working eyes but one in anoing
Two uars,COZ with one you May find it though
A sportive tongue ready to pronounce.
All the waried names tittle and nouns.
A bit of free space in your brains.
And for the hard days some chains
A ability to memorize a lot and a lot
Whether you actually understand or not.
The skill to never object or complain.

❑

Inhance will power and Focus on your goals not Hurdles

—Prakriti Vaishy

"Wisdom is not a product of schooling but of the life long attempt to acquire it".

—Albert Einstein

It is indeed a continuous process. One who is determined to learn and improve his capabilities carries himself to such a situation where success embraces him on its own. One must inhance one's will-power for attending success in life.

Will power is spiritual energy it has the potency to transform the life and work, it is the super power that concerts the impossible, into possible if it is activated soon, No goal can remain unattained. In the absence of will power the young mind tends to wonder here and there. They think a lot but are unable to do any thing concreate. Persons with weak will power are not diligent in any work. They get disappoined very soon.

We must focus on our goals, not hardships. Focus is a valuable ability that

can help individuals to complete theirs tasks at work and promote productivity in their professional life.

Once you do each step takes you closer to your goals. We should never be turn back due to hurdles in the life. Our lives also get refined in the heat of struggles, and we rise and attain the desired goal.

Goal sitting is important because it provides direction and purpose in life. "Without goals and plans to reach them, you are like ship that has set sail with no destination if you want live a happy life, try it to a goal, not to people or things.

❑

हमारी अयोध्या

—रानू गुप्ता
बी. फार्म, प्रथम वर्ष

एक ऐसी पावन धरा जिसके बारे में अगर महासागर के सम्पूर्ण जल को स्याही का रूप देकर लिखूँ तो पूर्ण रूप से इस कोसल जनपद का वर्णन नहीं किया जा सकता। मनु जी की बसाई इस अयुध्या अर्थात् जिसे युद्ध के द्वारा प्राप्त न किया जा सके, मानव सभ्यता, आदर्श और परम्परा की इस पुरी में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम वो राम जिन्होंने अपने पिता के वचनों के सम्मान के लिए चौदह वर्ष वनवास में व्यतीत किये वो श्रीराम स्वर्ग की भाँति सम्पन्न इस धरा पर जन्मे। बेशक हम सभी को अपनी अयोध्या पर गर्व है किसी भी शहर की पहचान नक्शे पर उतरी रेखा–कृतियों से ही नहीं की जाती उसकी असल पहचान होती है उसके पुरुषार्थ से, उसकी उपलब्धियों से, उसकी इच्छा शक्तियों से और हमारे उपलब्धियों के शिखरों की ऊँचाई को अगर हम जाँचना शुरू करें तो एक ऐसी ही उपलब्धि दिखाई देती है जिसे देखकर हम सब अपने आप को सौभाग्य से भरा पाते हैं वो है भवदीय। हमें अपने भविष्य को सुनहरा बनाने के लिए शिक्षा ग्रहण करने का एक माध्यम है भवदीय। अयोध्या में भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट अयोध्या के माथे की मुकुट की मणियों की तरह सुसज्जित है जिस प्रकार भगवान् राम और भगवान् शिव के बीच एक अद्भुत सम्बन्ध है कि दोनों ही एक दूसरे को पूजनीय मानते हैं ठीक वैसा ही नाता अयोध्या और भवदीय के बीच में है कोई उसके होने से गर्व करता है तो कोई उसमें होने से प्रफुल्लित रहता है। पावन नगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि, हनुमानगढ़ी, कनक भवन जैसे मुख्य मन्दिर अनगिनत हैं। यहाँ घर–घर ही मन्दिर है यहाँ कण–कण में राम हैं, माँ सरयू का किनारा आकर्षण का केन्द्र है। धन्य है अयोध्या, धन्य अयोध्यावासी।

❑

यारी

—प्रियांशु गुप्ता
बी. फार्म, चतुर्थ वर्ष

वो दुआ है
एक खूबसूरत एहसास है,
किताब का, मेरा पसंदीदा हिस्सा है
कभी गुस्सा, कभी आँसू और कभी खिलखिलाहट से
भरा है।

याद है वो गाने गुनगुनाना
और Actual lyrics का सर के ऊपर से जाना,
खुद ही चिढ़ाना, फिर हँसाना
कुछ अपनी सुनाना, कुछ मेरी सुन लेना।

वैसे तो बहुत नादानियाँ हैं उसमें,
पर मुझे संभालना जानता है,

प्यार का पता नहीं पर अपनों के लिए लड़ना जानता है
उस खुदा की मुझको, खूबसूरत सौगात है,
जिससे रोशन मेरी भी कायनात है।
यारी बयां कर पाये ऐसी शायद कलम नहीं
हुस्न-ए-जना की तारीफ मुमकिन नहीं।

❑

प्रेरणादायक मोटिवेशन

—सलोनी शर्मा
बी. फार्म, द्वितीय वर्ष

ए शख्स तू जो अपनी मुस्कराहट
को छोड़ रहा है, अपनी खुशी को भुला रहा है।

यही तो तकलीफे लेने आई हैं, क्योंकि
मुश्किलों का दुश्मन अपनी खुशी है—
तू अपनी खुशी से इन मुश्किलों को हरा दे।

तू हराएगा नहीं तो ये मुश्किलें
अपनी खुशी, मुस्कान लेकर चली जायेंगी
तू खुश रहकर तो देख जिन्दगी
खुशहाल हो जायेगी।

❑

संघर्ष ही जीवन है

—अभिषेक यादव
बी. फार्म, द्वितीय वर्ष

"भरोसा खुदा पर है तो जो लिखा है
तकदीर में वही पाओगे,
मगर भरोसा अगर खुद पर है,
तो खुदा वही लिखेगा जो आप चाहोगे।"

"न रास्तों ने साथ दिया न
मंजिल ने इंतजार किया मैं
क्या लिखूँ अपनी जिन्दगी पर
मेरे साथ तो उमीदों ने भी मजाक किया।"

"चींटी से मेहनत सीखिए बगुले से
तरकीब और मकड़ी से कारीगरी
अपने विकास के लिए अंतिम
समय तक संघर्ष कीजिए
संघर्ष ही जीवन है
"अपनी जिंदगी को किसी भी दिन
को मत कोसना"
"क्योंकि"
"अच्छा दिन खुशियाँ लाता है"
"और बुरा दिन अनुभव"
"एक सफल जिंदगी के लिए दोनों जरूरी होती हैं"।

❑

कुछ शब्द पिता के लिए

—कौशिकी शर्मा
बी. फार्म, द्वितीय वर्ष

"कभी अभिमान तो कभी स्वाभिमान है पिता
कभी धरती तो कभी आसमान है पिता
जन्म दिया है अगर माँ ने
जानेगा जिससे जग वो पहचान है पिता....."
"कभी कंधे पे बिठाकर मेला दिखाता है पिता.....
कभी बनके घोड़ा घुमाता है पिता.....
माँ अगर पैरों पे चलना सिखाती है।
तो पैरों पे खड़ा होना सिखाता है पिता....."
"कभी रोटी तो कभी पानी है पिता.....
माँ अगर है मासूम-सी लोरी.....
तो कभी न भूल पाऊँगा वो कहानी है पिता....."
"कभी हँसी तो कभी अनुशासन है पिता.....
कभी मौन तो कभी भाषण है पिता.....
माँ अगर घर में रसोई है.....

तो चलता है जिससे घर वो राशन है पिता....."
"कभी ख्वाब को पूरी करने की जिम्मेदारी है पिता
कभी आँसुओं में छिपी लाचारी है पिता.....
माँ अगर बेच सकती है जरूरत पे गहने.....
तो जो अपने को बेच दे, तो व्यापारी है पिता....."
"कभी हँसी और खुशी का मेल है पिता.....
कभी कितना तन्हा और अकेला है पिता.....
माँ तो कह देती अपने दिल की बात
सब कुछ समेट के आसमान-सा फैला है पिता....."

❑

बचपन

—अंकित मौर्या
बी. फार्म, द्वितीय वर्ष

एक बचपन का जमाना था
जिसमें खुशियों का खजाना था
चाहत चाँद को पाने की थी,
पर दिल तितली का दिवाना था,
खबर न थी कुछ सुबह की
न शाम का ठिकाना था,
थक कर आना स्कूल से,
पर खेलने भी जाना था,
माँ की कहानी थी
परियों का फसाना था
बारिश में कागज की नाव थी
हर मौसम सुहाना था।

माँ की ममता

1. कितना भी लिखे उनके लिए बहुत कम है
   सच तो ये है कि माँ है तो हम हैं.....!
2. पूरी दुनिया के लिए तुम मेरी माँ हो,
   लेकिन मेरे लिये तुम पूरी दुनिया हो!
3. जन्नत का हर लम्हा दीदार किया था
   गोद में उठाकर जब माँ ने प्यार किया था।
4. जो दूसरों की खुशी के लिए अपनी खुशियाँ
   कुर्बान कर देती है वो कोई और नहीं माँ होती है।

❑

How to Get the Result You Want

—Abhishek Pandey
B. Pharm, IInd Year

The principle reason for failure are : Lack of confidence and too much effort. Many people block answers to their prayers by failing to fully comprehend the workings of their subconcious mind. When you know how your mind functions, you gain a measure of confidence. You must remember whenever your subconcious mind accepts an idea, it immediately begins to execute it. It uses all its mighty resources to that end and mobilizes all the mental and spiritual laws of year deeper mind this low is true for good or bad ideas.

Consequently, if you use it negatively, it brings trouble, failure and confusion.

When you use it constructively, it brings guidance, freedom and peace of mind.

The right answer is inevitable when your thought are positive constructive, and loving. Form this it is perfectly obvious that the only thing you have to do in order to over come failure is to get you subconscious to accept your idea or request by feeling its reality now, and the low of your mind will do the rest. Turn over your request with faith and confidence, and your subconcious will take over and answer for you.

You will always fail to get result by trying to use mental coercion– your subconscious mind does not respond to coercion, it responds to your faith or conscious mind acceptance. Your failure to get results may also arise from such statements as : "Things are getting worse". "I will never get an answer". "I see no way out". It is hopeless". "I don't know what to do". When you use such statements you get no response your subconscious mind. Like a soldier marking time, you neither go forward nor backward, in other words, you don't get anywhere.

❑

अनमोल विचार

—शशिकान्त यादव
बी. फार्म, द्वितीय वर्ष

1. अज्ञान को खतम कर,
   ज्ञान का सागर पाया
   अपने भवदीय कालेज की कृपा से
   ये अनमोल विचारधारा मिल पाया।
2. कॉलेज में किताबें नहीं
   जिन्दगी जीने का तरीका पढ़ा है हमने।
3. आदतें अलग हैं हमारी दुनिया वालों से
   कम दोस्त रखते हैं, मगर
   लाजवाब रहते हैं।
   क्योंकि
   "बेशक हमारी माला छोटी है!
   पर फूल उसमें सारे
   गुलाब रखते हैं।"
4. तुम्हारी मंजिल तुम्हारा हौसला आजमायेगी
   तुम्हारे सपनों को तुम्हारी आँखों से हटायेगी।
   कभी पीछे मुड़कर न देखना ए दोस्त.....
   रास्ते की ठोकर ही तुम्हें चलना सिखायेगी।
5. सोचा है तो पूरा होगा,
   बस शुरू कहीं से करना होगा,
   तुझे दुनिया से बाद में,
   पहले खुद से लड़ना होगा।
6. भवदीय कॉलेज एक परिवार होता है,
   जहाँ हर दिन रविवार होता है,
   हर दिल में प्यार होता है,
   पर आखिरी दिन बड़ा बेकार होता है।

❑

Our Bhavdiya College full of fun and Knowledge

—Amit Kumar Verma
B. Pharm, IInd Year

Our Bhavdiya, College is full of Knowledge
And full of fun college, that organised
Many function for us.

My intresting Subjects like Pharmaceutics,
Human Anatomy and Physiology,
Inorganic chemistry teached by facalty for us.

These were the best days of my life in Bhavdiya.
When fun and frolic way life,
A refreshing realm of Knowledge
Was fresher party organise for us.

Funny friends and loving lectures
And subject suited my sensitive nature
Every test that come my way
Be it handle, by the intresting way.

So; how can not we go to Bhavdiya college
Where education was mixed with entertainment
College was learning never Punishment
Please, go and enjoy like me and you.

❖❖❖

जीवन एक संघर्ष है

—आदर्श वर्मा
बी. फार्म, द्वितीय वर्ष

जीवन में संघर्ष है प्रकृति के साथ, स्वयं के साथ, परिस्थितियों के साथ, तरह-तरह के संघर्षों का सामना आये दिन हम सबको करना पड़ता है और इनसे जूझना होता है जो इन संघर्षों का सामना करने से कतराते हैं वो जीवन से भी डर जाते हैं। जीवन भी उनका साथ नहीं देता है।

"माना कि जिन्दगी में गम है बहुत,
खुशियाँ बेशुमार नहीं।
पर एक पल भी मुस्कुरा न सकें
इतने भी हम बीमार नहीं।।"

जिन्होंने जीवन में सफल होने के लिए बहुत संघर्ष किये हैं और सफल भी होते हैं अत: जो संघर्ष करते हैं वो जरूर सफल होते हैं। जब हम कोई कार्य करते हैं तो हमारे मार्ग में बहुत-सी बाधाएँ आती हैं। लेकिन हमें इन बाधाओं से घबराना नहीं चाहिए। बहुत से लोग आपको आपके लक्ष्य से विचलित करने का असफल प्रयास करेंगे, लेकिन हमें उनकी तरफ ध्यान न देकर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना चाहिए जिससे हमारे सपने और इच्छाएँ जुड़ी हैं।

किसी ने ठीक ही कहा है—

"कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी पड़ता है"

हमारे देश में बहुत से नवयुवक जो जीवन में सफल होने के लिए एक या दो प्रयास करते हैं और अंत में वे सफल नहीं हो पाते हैं तो अपनी किस्मत को या ईश्वर को दोषी ठहराने से अच्छा है कि वे एक बार पुन: सफल प्रयास करें। ईश्वर से मन्नतें माँगते हैं पर वे यह नहीं जानते हैं कि वे जितना समय मन्नतें माँगने में व्यर्थ करते हैं वही समय वे शान्ति से अपने परेशानियों के उपाय के बारे में सोचें। यह उससे (मन्नतें माँगने से) ज्यादा बेहतर होगा।

"तकदीर के खेल में कभी निराश नहीं होते,
जिन्दगी में कभी उदास नहीं होते।
इन हाथों की लकीरों पर
कभी यकीन मत करना,
क्योंकि तकदीर उनकी भी है
जिनके हाथ नहीं होते।"

❖❖❖

शिक्षक-प्रशिक्षण अनुभाग

संवरना चाहिए अध्यापक शिक्षा का स्वरूप

—अवनीश शुक्ल
विभागाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बाद से शिक्षा में बदलाव की पृष्ठभूमि तैयार हुई है अब एनसीटीई यानी राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद् की यह जिम्मेदारी है कि नई शिक्षा नीति 2020 की अपेक्षाओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण अध्यापक शिक्षा का पाठ्यक्रम देश के समक्ष प्रस्तुत करें। अध्यापक शिक्षा क्या है? उन्हें किस प्रशिक्षण के माध्यम से तैयार किया जाता है? भारत में शिक्षा का प्रारम्भ वैदिक काल से माना जाता है और अध्यापक शिक्षा की जड़ें वैदिक काल से ही आकार लेते हुए देख सकते हैं। उस समय समाज में अध्यापक को "गुरु" का सर्वोच्च स्थान दिया जाता था, शिक्षा पूरी तरह से मौखिक थी। एक शिष्य को भावी अध्यापक के रूप में विकसित करने के लिए चयन और तैयारी बहुत गंभीरता के साथ की जाती थी। अध्यापक और शिष्य का सम्बन्ध पिता-पुत्र के समतुल्य माना जाता था। वैदिक काल में अध्यापक शिक्षा की कोई औपचारिक व्यवस्था मौजूद नहीं थी, इसलिए शिष्य आगे चलकर उन्हीं शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग करते थे जो शिक्षकों द्वारा अपनाए जाते थे। शिक्षकों के द्वारा सिखाने के लिए जिन पद्धतियों को अभ्यास में लाया जाता था वह अनुकरणीय थी।

वैदिककाल के बाद बौद्धकालीन शिक्षा प्रणाली और मुगलकालीन/मध्यकालीन शिक्षा व्यवस्था में भी शिष्यों को अध्यापक के रूप में ढालने के लिए कोई औपचारिक शिक्षा की व्यवस्था नहीं की गई थी और अपने गुरुओं का अनुकरण करते हुए विद्यार्थी ही भावी शिक्षक बनते थे।

ब्रिटिशकालीन शिक्षा व्यवस्था में अध्यापकों के शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए अनेक उपाय किये गये इसके लिए सन् 1854 के वुड घोषणा-पत्र का उल्लेखनीय योगदान रहा जिसने शिक्षकों को तैयार करने के लिए एक औपचारिक व्यवस्था को जन्म दिया। यहाँ से देश में औपचारिक अध्यापक शिक्षा व्यापक रूप लेने लगी। इससे शिक्षक प्रशिक्षण में व्यापक बदलाव देखने को मिला।

स्वतंत्रता के बाद भारत में विभिन्न शिक्षा आयोगों, समितियों के सुझावों के जरिये अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में सुधार किया गया जिसमें डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन कमेटी, मुदालियर आयोग, आचार्यनरेन्द्रदेव कमेटी, कोठारी आयोग, आचार्य राममूर्ति कमेटी सहित कई अन्य आयोग गठित किये गये इसमें सबसे खास योगदान 1964-66 के राष्ट्रीय शिक्षा आयोग का जिसे कोठारी आयोग के नाम से भी जानते हैं रहा है। इसके रिपोर्ट में इस बात पर बल दिया गया कि सेवाकालीन शिक्षा के दौरान व्यापक इन्टर्नशिप कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाय इसके साथ ही अवधि बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। बाद में प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 और राष्ट्रीय शिक्षक आयोग (चट्टोपाध्याय,आयोग), 1983-85 ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों में चलाये जा रहे अध्यापक शिक्षा के चार वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम की वकालत की।

अध्यापक शिक्षा के मामले में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक मील का पत्थर प्रतीत होगी, क्योंकि वर्तमान अध्यापक शिक्षा में सुधार और शिक्षण को आकार देने के लिए सभी आवश्यक कारकों का समावेश इसमें है। अपने बहुआयामी दृष्टिकोण से अध्यापक शिक्षा को पुनर्जीवित करने को समर्पित है। नई शिक्षा नीति ने

बहुविषयक संस्थानों में 4 वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा लाने पर पर्याप्त जोर दिया है। इसमें जिस बहु-विषयात्मक शिक्षा एवं नए स्कूली ढाँचे की परिकल्पना की गई है उसके लिए प्रभावी और शोध उन्मुखी अध्यापकों की जरूरत है जो अपनी विषय-वस्तु के साथ-साथ शिक्षा-शास्त्र में भी पारंगत हों। यह शिक्षा नीति भ्रष्ट और गैर-जिम्मेदार अध्यापक शिक्षा संस्थानों के उपचार के लिए सख्त कार्यवाही भी करे।

एकीकृत शिक्षक शिक्षा एक ऐसे व्यापक इन्टर्नशिप कार्यक्रम को महत्त्व देती है जो विद्यार्थियों, अध्यापकों को समुदाय की अवधारणाओं से जोड़ सके। विद्यालयों एवं समुदायों में जाकर कार्य करना और समाज उपयोगी एवं राष्ट्र प्रेम को बढ़ावा देना इस नीति का एक अंग होना चाहिए।

शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम मूल्यों पर आधारित है एवं युगों से विद्यमान भारतीय ज्ञान व्यवस्था, व्यावहारिक अनुप्रयोग, तकनीकि और बदलती सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप भावी पीढ़ी के लिए अध्यापकों को तैयार करने एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने में अपनी भूमिका निभायेगा, क्योंकि शिक्षक न सिर्फ ज्ञान देने वाला व्यक्ति होता है बल्कि उसके कंधों पर राष्ट्र निर्माण की भारी जिम्मेदारी होती है। अत: अध्यापक शिक्षा का पाठ्यक्रम विकसित एवं नवीन होना चाहिए। ❑

भारतीय शिक्षा दर्शन में मोक्ष की अवधारणा

—आँचल गौड़

डी. एल. एड्. प्रथम सेमेस्टर

भारतीय संदर्भ में शिक्षा शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत भाषा के "शिक्ष्" धातु से मानी जाती है। जिसका अर्थ है सीखना और सिखाना अर्थात् शिक्षा सीखने तथा सिखाने की एक प्रक्रिया है। शिक्षा व्यक्ति के भैतिक जीवन की उन्नति के साथ-साथ उसके आध्यात्मिक जीवन में भी उन्नति करती है। चार्वाक दर्शन जीवन के भौतिक महत्त्व पर अधिक बल देता है। जबकि समस्त भारतीय दर्शन शिक्षा का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति का आध्यात्मिक विकास करना मानते हैं। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति का आध्यात्मिक विकास करके उसे मोक्ष प्रदान करना है।

भारतीय शिक्षा दर्शन में मोक्ष को निर्वाण, अर्हत, अपवर्ग, कैवल्य तथा मुक्ति आदि नामों से भी जाना जाता है। मोक्ष अथवा मुक्ति के दो प्रकार माने जाते हैं।

1. जीवन मुक्ति
2. विदेहमुक्ति।

1. जीवन मुक्ति— जीवन मोक्ष अथवा जीवन मुक्ति उस अवस्था को कहा जाता है, जब व्यक्ति जीवन रहते हुए सारे रागद्वेषादि से मुक्त हो जाता है। ऐसे पुरुषों को जैन ग्रन्थों में "वीतराग" कहा गया है। जीवन मुक्ति प्राप्त करने वाले संत, महात्माओं ने ज्ञान प्राप्त करने के पश्चात् अपना संपूर्ण जीवन लोगों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। इन संत-महात्माओं में महावीर स्वामी, गौतमबुद्ध, ईसामसीह, पैगम्बर मोहम्मद साहब, गुरु नानक देव आदि प्रसिद्ध हैं।

2. विदेह मुक्ति— शरीर सहित मुक्ति को विदेह मुक्ति कहा जाता है। इसमें व्यक्ति सभी कर्म बन्धनों से मुक्त हो जाता है। किसी प्रकार का कार्य शेष नहीं रह जाता है। विदेह मुक्ति में शरीर पंच तत्त्वों में विलीन हो जाती है, तथा आत्मा परमात्मा के स्वरूप को प्राप्त कर लेती है। आत्मा इस स्थित में अनंत ज्ञान, अनंत शक्ति और आनंद का अनुभव करती है। ❑

प्रकृति एक खुली किताब

—शिवप्रसाद वर्मा
प्रवक्ता– शिक्षण–प्रशिक्षण संकाय

वन में वृक्षों को पास रहने दो, झील झरनों में साँस रहने दो।
वृक्ष होते हैं वस्त्र जंगल के, छीनो मत ये लिबास रहने दो।
वृक्ष पर घोंसला हैं चिड़िया का, तोड़ो मत ये निवास रहने दो।
पेड़–पौधे चिराग हैं वन के, वन में बाकी उजास रहने दो।।

वन विलक्षण विद्या है कुदरत की इस अमानत को खास रहने दो।
ईश्वर ने जब मानव को बनाया तभी उसने वृक्षों को भी बनाया।
जब मानव इस धरती पर आया तब उसने वृक्ष को अपने घर के पास उपजाया।
वह मानव दिन भर करता काम और शाम को उस वृक्ष के नीचे करता विश्राम।।

उस वृक्ष की देख–रेख करता है उसका पूरा परिवार।
बदले में वृक्ष देता हैं उन्हें खुशियों का संसार।
उस परिवार ने बस एक वृक्ष ही तो लगाया।
और उसने वृक्ष से पुष्प, फल, छाया और एक स्वस्थ सुखी परिवार है पाया।।

उस परिवार को कभी नहीं लेनी पड़ती है दवा।
क्योंकि वृक्ष उन्हे देता है, शुद्ध शीतल हवा।
उस मानव ने उस वृक्ष को अपना मित्र बनाया
तो उस मित्र ने भी अपना सम्पूर्ण कर्तव्य निभाया।।

पर आ गई अब मानव की दूसरी पीढ़ी।
जिसने चढ़ना चाही आधुनिकता की सीढ़ी।
तब उसने इस वृक्ष को काटने की जरूरत समझी।
पर बहुत भारी पड़ी उसको ये नासमझी।।

आधुनिकता के दौर ने उसे ऐसा भरमाया।
कि उसने वृक्ष को काट गिराया
चारों ओर चल रही हैं मोटर कार और लगा है कूड़े–करकट का अंबार
अब नहीं है वह स्वस्थ सुखी खुशियों का संसार।।

प्रदूषण ने है अब अपना साम्राज्य बनाया।
जिसका प्रकोप नहीं ढेल परयी मान की काया।
मानव में आधुनिकता का दौर ऐसा आया।
कि उसने अपने भविष्य को ही मिटाया।।

अंततः वह प्रकृति के प्रकोप को नहीं सह पाया।
जब प्रकृति ने अपने प्रति कड़ा रूख अपनाया।
मानव ने उस वृक्ष को काट गिराया
तो प्रकृति ने उसका अस्तित्व ही मिटाया।।
हे मानव! समझो प्रकृति का उपकार
क्योंकि इसी में है तुम्हारा उद्धार।

❑

गणित का महत्त्व

—राजू वर्मा
प्रवक्ता, शिक्षण-प्रशिक्षण संकाय
ब्लॉक ए.

गणित ऐसी विद्याओं का समूह है जो हमारे जीवन को व्यवस्थित और अनुशासित बनाती है। गणित अंकों व गणना का विषय ही नहीं बल्कि समझाने का भी विषय है। जो संख्याओं, मात्राओं, परिमाणों, रूपों और उनके आपसी रिश्तों, गुण, स्वभाव इत्यादि का अध्ययन कराती है। गणित एक अमूर्त या निराकार और निगमनात्मक प्रणाली है।

गणित की कई शाखाएँ हैं अंकगणित, रेखागणित, त्रिकोणमिति, सांख्यिकी, बीजगणित, कलन इत्यादि। गणित में अभ्यस्त व्यक्ति या खोज करने वाले वैज्ञानिक को गणितज्ञ कहते हैं।

बीसवीं शताब्दी के प्रख्यात ब्रिटिश-गणितज्ञ और दार्शनिक वर्ट्रेंड-रसेल के अनुसार "गणित को एक ऐसे विषय के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें हम जानते ही नहीं कि हम क्या कह रहे हैं न ही हमें यह पता होता है कि जो हम कह रहे हैं वह सत्य भी है या नहीं"।

गणित कुछ अमूर्त धारणाओं एवं नियमों का संकलन मात्र ही नहीं है, बल्कि दैनिक-जीवन का मूलाधार है।

महान् गणितज्ञ गाउस ने कहा था कि गणित सभी विज्ञानों की रानी है। गणित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक महत्त्वपूर्ण उपकरण (टूल) है। भौतिक, रसायनविज्ञान, खगोल विज्ञान आदि गणित के बिना नहीं समझे जा सकते। ऐतिहासिक रूप से देखा जाय तो वास्तव में गणित की अनेक शाखाओं का विकास ही इसलिए किया गया कि प्राकृतिक विज्ञान में इसकी आवश्यकता आ पड़ी है। कुछ हद तक हम सब के सब गणितज्ञ हैं। अपने दैनिक जीवन में रोजाना ही हम गणित का इस्तेमाल करते हैं उस वक्त जब समय जानने के लिए हम घड़ी देखते हैं, अपने खरीदे गए सामान या खरीदारी के बाद बचने वाली रेजगारी का हिसाब जोड़ते हैं या फिर फुटबाल, टेनिस या क्रिकेट खेलते समय बनने वाले स्कोर का लेखा-जोखा रखते हैं।

गणित "परिवर्तन का एक माध्यम है जो हमे दुःख से खुशी की ओर ले जाता है"। इसका उद्देश्य समाज में 4P की स्थापना करना होना चाहिए—

"Prosperity, Plenty, Peace and Progress,"

❑

जीवन की पाठशाला में अनुभव

—ममता सिंह
हिन्दी प्रवक्ता, शिक्षण प्रशिक्षण संकाय
ए. ब्लॉक

जीवन से बड़ा कोई विद्यालय नहीं,
कठिनाइयों से बढ़कर कोई परीक्षा नहीं,
और समय से बड़ा कोई शिक्षक नहीं।

जीवन की पाठशाला में अनुभव है एक
ऐसा शिक्षक
जो परीक्षा लेने के बाद देता है ज्ञान।

हमें जीवन में कभी गुजरी बातों
को नहीं सोचना चाहिए,
और न ही आने वाले के बारे में।

सोचकर परेशान होना चाहिए,
जो आज है बस उसी पल
में खुश रहना चाहिए।

दूसरों के साथ अपने जीवन की तुलना मत करो।
सूर्य और चन्द्रमा एक साथ कभी चमक नहीं सकते हैं।
वे भी अपने समय के लिए प्रतीक्षा करते हैं।

किसी चीज को समझने के लिए
ज्ञान की आवश्यकता होती है।
उसे महसूस करने के लिए
अनुभव की आवश्यकता होती है।

जीवन कविता है,
अनुभव सब कुछ सिखाता है,
पर इसे अभिव्यक्त करना
किसी-किसी को आता है।

❑

English And You

–Surya Nath Singh
Dept. D.El.Ed.

The writer says to the persons who travel in British Country or in America in front of people those country might be ashmed on this poor-English or may be they unemployed as this job demands. " Correct English". But one thing speaker wants to be clear is that these is nothing like on ideally correct English.

Speaker says that I am member of a committee who decides how to speak. One thing speaker wants to direct here is no to individual Britain pronounce exactly alike even the simplest and comments words like 'Yes' and 'No'. But same people can pronounce them in such a way that it can be distinguish from one says that they all speak-correctly. Besides this they speak presentably and can accepted as a person of good serial-standing.

Writer says me also do not speak it in same-way. If I were to speak to you the same-way as I speak to my wife at home. This recording by thousands of iramophanists would be useless.

As I am speaking in public I have no take care that every word I say is heard by every individual but at home when I am talking only to wife sitting very near to me.

Apply this thing to learn Foreign-Languages and never try to speak them to will. You will be amazed to find how little you need to know. Even among English people to speak to will in affection.

❑

अहं ब्रह्मास्मि से होते हैं आध्यात्मिक विकास

—अरुण कुमार मौर्य
प्रवक्ता, शिक्षण-प्रशिक्षण संकाय

लगभग बारह सौ वर्ष पूर्व धरा पर ज्ञान का प्रकाश पुंज लिये तेजस्वी व्यक्तित्व के धनी जगत्गुरु शंकराचार्य का पदार्पण हुआ, जिन्होंने यह महा उद्घोष किया कि अनन्त शक्तियों का स्रोत मनुष्य के अन्दर निहित है। अर्थात् अहं ब्रह्मास्मि जिसका अर्थ है मैं ही ब्रह्म हूँ, मैं ही संसार का सर्वश्रेष्ठ सम्प्रभु हूँ। यह ध्यातव्य रहे कि अहं ब्रह्मास्मि किसी अहंकार को अभिलक्षित नहीं करता बल्कि यह बताता है कि वह परब्रह्म, परम ईश्वर सच्चिदानन्द ब्रह्मरूप हमारे अन्दर ही विद्यमान है एवं साथ ही उस परब्रह्म एवं उसकी असीम शक्तियों की ऊर्जा का भण्डार हमारे स्वयं के अन्दर विद्यमान है, बस देर है उस परब्रह्म एवं उसकी असीम शक्तियों की ऊर्जा को पहचानने की, जिस क्षण मनुष्य ने अपने अन्दर छुपी इस ऊर्जा को पहचान लिया तो जीवन का कोई भी कार्य कठिन नहीं होगा।

'अहं ब्रह्मास्मि' का मंत्र देने वाले आदि शंकराचार्य ने स्वयं के आकलन पर बल दिया था। उनका मानना था कि दीनता अन्तः जनित नहीं बाह्य प्रभावित है। उन्होंने हर मानव को यह अहसास कराने की कोशिश की, कि अन्दर से सभी एक समान हैं फिर भी सुखी-दुःखी, सबल-निर्बल, अमीर-गरीब का भेद दृष्टिगोचर होता है, जबकि सबके अन्दर एक जैसी शक्ति है। कोई अपनी शक्ति को पहचान लेता है और कोई अपनी शक्ति को पहचानने में विलम्ब करता है। अपनी शक्ति को पहचान कर 'अहं ब्रह्मास्मि' की अनुभूति करने से व्यक्ति का आध्यात्मिक विकास तय है।

मैं ब्रह्म हूँ, मैं मुक्त हूँ, मैं अद्वैत रूप हूँ, मैं चिरंतन सत्य हूँ, मेरी आत्मा ब्रह्म है, सब कुछ ब्रह्म है, माया या अविद्या का स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। शंकराचार्य की ये मान्यताएँ वर्तमान मानव समाज को इस बात के लिए प्रेरित करती हैं कि आत्मनिर्भर बनो। मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है। अपने अंदर अनंत शक्ति का स्रोत निहित है। नित्य एवं अनित्य में विवेक करो, इहलोक और परलोक की विषय-वासनाओं से दूर रहो, शम, दम, श्रद्धा, समाधान, उपरति और तितीक्षा के द्वारा अपना निर्माण करो।

उपनिषदों में एक वाक्य 'तत्त्वमसि' अत्यन्त प्रसिद्ध है। तत् अर्थात् ब्रह्म एवं त्वम अर्थात् आत्मा है। प्रत्येक व्यक्ति में आत्मा है। आत्मा के बिना किसी के अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती। 'सत्यं ज्ञानं अनन्तं ब्रह्म' अर्थात् ब्रह्म सत, ज्ञान और अनन्त रूप है। ब्रह्म सत्य है, असत्य नहीं, ब्रह्म ज्ञान रूप है, अज्ञान नहीं, अनन्त है सीमित नहीं। यह सच्चिदानन्द रूप है। यह सत् है, चित् है और आनंद रूप है। प्रत्येक व्यक्ति की आत्मा में यह क्षमता है कि वह सच्चिदानन्द ब्रह्मरूप को प्राप्त कर सके। जिस आत्मा से ब्रह्मरूप प्राप्त करने का प्रयत्न होता है वह आत्मा ब्रह्मरूप को प्राप्त करता है। किन्तु जो भय या अन्यान्य कारणों से पुरुषार्थ से वंचित रहते हैं, शंकर के अनुसार वे इस जगत् के व्यामोह में पड़े रहते हैं। शंकराचार्य का संदेश यही है कि अपनी शक्ति को पहचान कर अपनी आत्मा को ब्रह्मरूप देने का प्रयत्न करना चाहिए, क्योंकि आत्मा ही ब्रह्म है।

शंकराचार्य माया के अस्तित्व को स्वीकार करते हैं। माया अज्ञानरूप है। प्रकृति रूप है किन्तु सांख्य की प्रकृति की तरह स्वतन्त्र नहीं है। उन्होंने अज्ञानता के स्वतन्त्र अस्तित्व को स्वीकार न करके एक तरह से जनता जनार्दन को ज्ञान की आराधना पर बल दिया था। माया का शाब्दिक अर्थ करते हुए उन्होंने कहा था 'मा' अर्थात् जो नहीं है 'या' अर्थात् उसे उस रूप में प्रतिपादित

कर देना। रस्सी को देखकर सर्प का आभास होना यह माया है, अविद्या है, अज्ञानता है। शंकर के अनुसार माया की दो शक्तियाँ हैं। ब्रह्मसूत्र भाष्य उनकी अमर कृति है, जिसमें वे लिखते हैं कि माया अपने आवरण शक्ति के द्वारा रस्सी के स्वरूप को ढक लेती है और विशेष शक्ति के द्वारा सर्प का आरोपण कर देती है। यह आरोपण है, बदलाव नहीं। रस्सी सर्प का रूप नहीं लेती है, अपितु सर्प का आभास कराती है। शंकर के शब्दों में यह विवर्त है, परिणाम नहीं। ज्ञान से यह अज्ञान रूपी विवर्त का निराकरण हो जाता है।

कपिल मुनि प्रकृति और आत्मा (पुरुष) के रूप में मूलत: दो सत्ता के अस्तित्व को मानते हैं। भगवान् महावीर भी जीव एवं अजीव दो सत्ता को मानते हैं। चार्वाक दर्शन में पृथ्वी, अग्नि, वायु और जल इन चार भौतिक सत्ता के अस्तित्व को स्वीकार किया गया है। गौतम 16 पदार्थ और कणाद सात पदार्थ के अस्तित्व को मानते हैं। शंकराचार्य न बहुतत्त्ववादी हैं और न द्वैतवादी हैं। वह मूलत: अद्वैतवादी हैं। वे एकमात्र 'ब्रह्म' के अस्तित्व को स्वीकार करते हैं। 'सर्वं खल्विदम्' ब्रह्म का उद्घोष करते हैं। इसी को आत्मा का विकास भी मानते है। वे माया को स्वीकार करते हैं। किन्तु स्वतन्त्र शक्ति के रूप में नहीं, अपितु माया ब्रह्म की ही शक्ति है। वे प्रातिभासिक, व्यावहारिक एवं पारमार्थिक सत्ता को मानते हैं। लोक व्यवहार में प्रातिभासिक एवं व्यावहारिक सत्ता है, किन्तु अन्तत: केवल पारमार्थिक सत्ता है। सत्ता से उनका तात्पर्य है जो तीनों कालों में निहित हो अर्थात् चिरन्तन सत्य हो तो एकमात्र ब्रह्म ही चिरन्तन सत्य है। अज्ञानियों को माया के द्वारा विविधरूपों में इसका प्रतिभास होता है।

तथ्य सार

शंकराचार्य के अनुसार "अहं ब्रह्मास्मि" मानव समाज को इस बात के लिए प्रेरित करती है कि आत्मनिर्भर बनो और स्वयं के अन्दर की ऊर्जा को पहचानो।

❑

कम्प्यूटर मानव जीवन का अभिन्न अंग

—विशाल विश्वकर्मा
कार्यालय सहायक
शिक्षण-प्रशिक्षण संकाय, ए. ब्लाक

मानव सभ्यता के विकास में सूचनाओं के आदान-प्रदान का विशेष महत्त्व रहा है। इसके अभाव में विकास संभव नहीं था। आरम्भ में लोगों को कम्प्यूटर की क्षमता पर भरोसा नहीं था, किंतु आज घर से बाहर तक सभी कामों में कम्प्यूटर इस तरह घुसपैठ कर चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना करना भी असंभव है। आरम्भिक काल में कम्प्यूटर इतने सक्षम नहीं थे, लेकिन इसके विकास क्रम के दूसरे चरण में जब कम्प्यूटर की आंतरिक संरचना में परिवर्तन आया, तब वह पहले से कहीं अधिक सक्षम और उपयोगी बन गया।

आज कम्प्यूटरों ने कार्यालयों में काम-काज को नया रूप दिया है। फाइलें और रजिस्टर धीरे-धीरे दफ्तरों से विदा होते जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे कामों के लिए जहाँ बहुत अधिक आँकड़े जमा करने पड़ते हैं, जैसे कि रेलवे आरक्षण, विद्यालय, पुस्तकालय, अनुसंधान से संबंधित सारी जानकारी भी तुरंत उपलब्ध करानी होती है, वहाँ कम्प्यूटर सर्वाधिक उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। विज्ञान और तकनीक की अद्भुत खोजों ने मनुष्य के जीवन में एक क्रांति ला दी है। कम्प्यूटर मनुष्य की इन्हीं अद्भुत खोजों में से एक है जिसने मानव जीवन को लगभग सभी क्षेत्रों में प्रभावित किया है।

आज के युग को यदि हम कम्प्यूटर का युग कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। शिक्षा मनोरंजन, चिकित्सा, यातायात, संचार आदि सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। शिक्षा के क्षेत्र में कम्प्यूटर अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। विद्यालयों में धीरे-धीरे कम्प्यूटर विषय अनिवार्य हो रहा है। छोटे शहरों एवं महानगरों में कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने वाले स्कूलों, शिक्षण संस्थानों आदि की बढ़ती संख्या कम्प्यूटर की लोकप्रियता का साक्षात् प्रमाण है।

कम्प्यूटर के माध्यम से पठन-पाठन का स्तर भी अच्छा हुआ है। आजकल अनेक ऐसे विद्यालय खोले जा रहे हैं जहाँ इंटरनेट के माध्यम से व्यक्ति घर बैठे ज्ञान प्राप्त कर सकता है। प्रबंधन, कानून व रिसर्च में संलग्न विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर एक वरदान सिद्ध हो रहा है। पुस्तकों के प्रकाशन में भी कम्प्यूटरों की अनिवार्य भूमिका हो गई है। कार्यालयों में कम्प्यूटर के माध्यम से कार्य करना अत्यंत सहज एवं सरल हो गया है। अब कार्यालय सम्बन्धी सभी महत्त्वपूर्ण आंकड़ों व तथ्यों को 'फाइल' में सुरक्षित रखा जाता है जिससे समय की काफी बचत होती है। अनेक कार्य जिनमें कई व्यक्तियों की आवश्यकता होती थी अब वही कार्य एक कम्प्यूटर के माध्यम से बहुत कम समय में ही सम्पन्न हो जाता है। यही कारण है कि अब प्रत्येक सरकारी तथा गैर-सरकारी कार्यालयों में कम्प्यूटर का उपयोग अनिवार्य हो गया है। सभी व्यापारिक सूचनाएँ इसमें दर्ज होती हैं जिससे व्यापार करना सरल हो गया है।

कंप्यूटर के द्वारा संचार के क्षेत्र में एक क्रांति-सी आ गई है। 'ई-मेल' के माध्यम से हजारों मील बैठे अपने सम्बन्धी अथवा मित्र से लोग बहुत ही कम खर्च तथा समय से अपने संदेश भेज सकते हैं तथा ग्रहण कर सकते हैं। 'इंटरनेट' के माध्यम से मनुष्य हर प्रकार की जानकारी का आदान-प्रदान विश्व के किसी भी कोने से करने में सक्षम है। वास्तविक रूप में इंटरनेट का विस्तार असीमित है।

अत: इसे हम एक विशिष्ट दुनिया के रूप में देख सकते हैं। यह न केवल सूचनाओं के आदान-प्रदान को संभव बनाता है अपित व्यक्ति को उसके निजी समय या अवकाश के अनुसार किसी भी नवीनतम जानकारी को हासिल करने का स्वर्णिम अवसर प्रदान करता है।

यातायात के क्षेत्र में भी कंप्यूटर की विशेष उपयोगिता है। हवाई मार्गों का निर्धारण एवं नियंत्रण, महानगरों की 'रेड लाइट सिग्नल' प्रणाली आदि कम्प्यूटर की ही देन है। इसके अतिरिक्त अंतरिक्ष अनुसंधान, मौसम सम्बन्धी जानकारी, मुद्रण आदि में कंप्यूटर का विशेष योगदान है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि आधुनिक युग में कप्यूटर मनुष्य के जीवन के हर क्षेत्र से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। विज्ञान के इस अद्‌भुत उपहार को नकराना संभव नहीं है। यह आज की आवश्यकता है। प्रारम्भ में अवश्य ही यह एक विशिष्ट जनसमूह तक सीमित था परंतु सरकार के सकारात्मक रुख के कारण यह धीरे-धीरे विस्तार ले रहा है।

परिणामस्वरूप यह हजारों मध्यवर्गीय लोगों की आवश्यकता बन गया है। हमारे देश में जहाँ बेरोजगारी व आर्थिक संकट के घने बादल हैं, ऐसे वातावरण में नि:संदेह कंप्यूटर का विस्तार समय लेगा। परन्तु जिस प्रकार इसकी आवश्यकता बढ़ रही है अथवा जिस तीव्रगति से कंप्यूटरीकरण हो रहा है उसे देखते हुए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि बहुत शीघ्र ही यह दूरदर्शन की भाँति सभी घरों में अपनी जगह बना लेगा। ❑

सफलता न मिलने का कारण कार्य-प्रणाली में कहीं न कहीं खामी है, जिसे आत्मावलोकन व आत्मविश्लेषण से काफी हद तक सुधार किया जा सकता है।

शिक्षा का महत्त्व

—सुनीता वर्मा

प्रवक्ता, शिक्षण प्रशिक्षण संकाय

शिक्षा हम सभी के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है। हमारे माता-पिता हमें घर पर ही बहुत-सी चीजें सिखाते हैं और फिर 3 साल का होने के बाद स्कूल भेजते हैं। हमारा घर ही हमारा पहला शैक्षणिक संस्थान है, जहाँ हम दूसरों के साथ व्यवहार करना, और अन्य कौशलों को सीखते हैं हालांकि, व्यवहारिक जीवन में सफल होने के लिए स्कूल की शिक्षा बहुत आवश्यक है।

शिक्षा सभी के जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सफलता और सुखी जीवन प्राप्त करने के लिए जिस तरह स्वस्थ शरीर के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी तरह ही उचित शिक्षा प्राप्त करना बहुत आवश्यक है। शानदार और बेहतर जीवन जीने के लिए यह बहुत आवश्यक है। यह व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करके, शारीरिक और मानसिक शक्ति प्रदान करती है और लोगों के रहने के स्तर को परिवर्तित करती है शिक्षा का वास्तविक अर्थ व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में सफलता से कहीं अधिक है। आधुनिक समाज के लोगों ने शिक्षा के अर्थ को संकीर्ण (संकुचित) कर दिया है। इसका उद्देश्य यह नहीं है कि, शिक्षित व्यक्ति व्यावसायिक रूप से पहचाने जायँ। इसके अतिरिक्त इसका उद्देश्य इससे भी कहीं अधिक है। यह रेस में केवल आगे जाने की दौड़ और केवल स्कूल या कालेज के पाठयक्रम को पढ़ना ही नहीं है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ शारीरिक, सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तित्व का विकास और उनके कौशल स्तर को सुधारना है। शिक्षा का उद्देश्य बहुत ही विस्तृत है, और जो एक व्यक्ति को अच्छा इंसान बनाता है।

शिक्षा का अच्छा वातावरण प्रदान करने में शिक्षक बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जो कुछ भी हम अपने माता-पिता और शिक्षकों से सीखते हैं, हमारे साथ हमारे जीवन भर रहता है, जिसे हम फिर से अगली पीढ़ी में हस्तान्तरित करते हैं। उचित शिक्षा के उद्देश्य और लाभ केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं हैं, इसके अतिरिक्त यह परिवार, समाज और देश के अन्य लोगों के लाभ से भी जुड़ी है। हम अपने जीवन में शिक्षा के महत्त्व को किसी भी कीमत पर नजर-अंदाज नहीं कर सकते। जैसा कि हम समाज में निरंतर देखते हैं कि बहुत से सामाजिक मुद्दे केवल उचित शिक्षा की कमी के कारण पैदा हो रहे हैं। सामाजिक मुद्दे जैसे— असमानता, लिंग असमानता, धार्मिक भेदभाव और भी बहुत-सी समस्याएँ हमारे जीवन में केवल शिक्षा की कमी के कारण हैं। उचित शिक्षा हमारे दैनिक जीवन में वैयक्तिक और सामाजिक मानकों को बनाये रखने में मदद करती है।

शिक्षा एक व्यक्ति के लिए आन्तरिक और बाह्य ताकत प्रदान करने का सबसे महत्त्वपूर्ण यंत्र है। शिक्षा सभी का मौलिक अधिकार है और किसी भी इच्छित बदलाव और मनुष्य के मस्तिष्क व समाज के उत्थान में सक्षम है।

❑

पुस्तकों का संकलन ही आज के युग का वास्तविक विद्यालय है।

—कार्लाइल

नेतृत्व

—अनूप कुमार सिंह
प्रवक्ता, भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट

नेतृत्व एक मूल्यपरक अवधारणा है, जो किसी दी हुई परिस्थिति में निश्चित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समूह क्रियाओं को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया है। यह वह योग्यता है जो अपने सहयोगियों को पूर्ण उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य करने को प्रेरित करता है। यह एक अन्तर्वैयक्तिक सम्बन्ध है, जिसमें दूसरे व्यक्ति अपने नेता के आदेशों को मानते हैं। एक अच्छा नेता वही है जो ऐसा समूह तैयार कर सके जो बेहतर परिणाम दे सके। नेता का यह गुण सामाजिक समस्या समाधान का जटिल रूप प्रदर्शित करता है। सामान्य रूप से नेतृत्व व प्रबन्धन को आपस में जुड़ा माना जाता है। लेकिन दोनों में पर्याप्त अन्तर भी होता है। जहाँ प्रबन्धन में कुशलता, नियोजन, कागजी कार्य, प्रणाली नियामक, नियंत्रण एवं संगतता का गुण मौजूद होता है। वहीं नेतृत्व में गत्यात्मकता, जोखिम लेना सृजनात्मकता, परिवर्तन, दूरदर्शिता आदि गुण विद्यमान होते हैं।

जार्ज आर. टैरी के अनुसार— "नेतृत्व एक ऐसी क्रिया है जो व्यक्तियों को इस प्रकार प्रभावित करती है, कि वे अपनी इच्छा से सामूहिक उद्देश्यों के लिए प्रयास कर सकें।"

कुण्ट्ज एण्ड डॉनेल के अनुसार— "Leadership is influencing people to follow in the achievement of common goal".

इस आधार पर यह स्पष्ट होता है कि नेतृत्व का विचार अपने आप में कला तथा विज्ञान दोनों है।

नेतृत्व कला इस रूप में है कि इसमें परिस्थितियों को समझ कर उसके अनुरूप समूह लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सदस्यों के व्यवहारों को प्रभावित करने का कौशल मौजूद होता है तथा विज्ञान इस रूप में है कि 'क्या करना है', 'कब करना है', 'कैसे करना है' आदि का ज्ञान नेतृत्व करने वाले व्यक्ति में रहता है। उसके अन्दर किसी कार्य की नियमबद्धता, क्रमबद्धता, तर्कसंगतता, कारण-परिणाम सम्बन्धों की एकरूपता आदि का गुण मौजूद रहता है।

नेतृत्व की प्रकृति— नेतृत्व की प्रकृति को निम्नलिखित रूप में स्पष्ट किया जा सकता है—

(i) समूह-क्रिया विकसित करना (To develop team work)
(ii) कर्मचारियों का प्रतिनिधि करना (Representative of Sub ordinate)
(iii) उपयुक्त परामर्श देना (To provide appropriate counselling)
(iv) शक्तियों का सही उपयोग करना (To use power properly)
(v) समय का सदुपयोग करना (To use time well)
(vi) प्रभावपूर्णता लाने का प्रयत्न करना (To strive for effectiveness)
(vii) कर्मचारियों को प्रेरित करना (To inspire employees)
(viii) सहयोग विकसित करना (To develop cooperation)
(ix) विश्वास जगाना (To create confidence)
(x) कार्य हेतु उपयुक्त वातावरण प्रदान करना (To provide good working climate)

नेतृत्व की शैली— नेतृत्व शैली, एक नेता की दिशा निर्देश प्रदान करने, योजनाओं के क्रियान्वयन एवं अधीनस्थों को प्रेरित करने की शैली को प्रदर्शित करती है। नेतृत्व शैली कई प्रकार की होती है। कुछ प्रमुख नेतृत्व शैली निम्नवत् है—

(i) एकतंत्रीय नेतृत्व शैली— इस नेतृत्व शैली में सारे निर्णय बिना कर्मचारियों के परामर्श से लिये जाते हैं। नेता में ही शक्तियाँ केन्द्रित होती हैं। इस नेतृत्व शैली में चापलूस कर्मचारियों को पुरस्कार प्राप्त होता है।

(ii) प्रजातान्त्रिक नेतृत्व शैली— प्रजातांत्रिक नेतृत्व शैली खुली हुई द्विमार्गी सम्प्रेषण वाली शैली है। इसमें नेता अपना प्रभुत्व नहीं जमाता है बल्कि अधीनस्थों को हर प्रकार की स्वतंत्रता देता है, परन्तु अनुशासनहीनता उत्पन्न नहीं होने देता है। इसमें सहभागिता एवं सहयोग पर बल दिया जाता है।

(iii) लेसेज फेयर अथवा अहस्तक्षेपी शैली— जहाँ कर्मचारी पूर्ण प्रशिक्षित, उच्च ज्ञान एवं अनुभव वाले होते हैं वहाँ इस प्रकार की नेतृत्व शैली का प्रयोग किया जाता है। इसमें नेता निष्क्रिय निरीक्षक के रूप में कार्य करता है। इसमें कर्मचारी उच्च प्रेरणा वाले और कार्य के प्रति समर्पित होते हैं।

(iv) पितातुल्य नेतृत्व शैली— इस प्रकार की नेतृत्व शैली में नेता अपने अधीनस्थों के साथ पितातुल्य व्यवहार करता है। वह अपने कर्मचारियों की देखभाल करता है। नेता और कर्मचारियों का सम्बन्ध घनिष्ठ होता है। नेता कर्मचारियों को स्वस्थ कार्य दशाएँ प्रदान करता है ताकि संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने में कोई कमी न रह जाये।

(v) सहभागी नेतृत्व शैली— इस प्रकार नेतृत्व शैली में नेता और कर्मचारियों के सहभाग के आधार पर कार्य करके वांछित परिणाम प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है।

❑

वसुन्धरा

—सौम्या सिंह
डी. एल. एड्. प्रथम सेमेस्टर

बारिश की रिमझिम बूँद ऐसी,
गिरे वसुन्धरा पर, अमृत जैसी।
देख यह दृश्य, वसुन्धरा का,
हृदय हो जाये, पुलकित जैसे॥
सावन की हरियाली छाई,
मन्द पवन के झोंके जैसी।
मोर पपीहा, कोयल बोले,
घुल जाये मिश्री-सी जैसी॥
बादलों की घटा है छाई,
घनघोर अँधेरी काली रात है जैसी।
पत्तों और कलियों पर,
पड़ी ओस कणों की बूँदें ऐसी
लगे सीप के मोती जैसी॥
देख यह दृश्य वसुन्धरा का
हृदय हो जाये पुलकित जैसे।
चाँद की चमके, चाँदनी ऐसी,
लगे दीये की रोशनी जैसी॥
तारों की झिलमिलाहट है, ऐसी
बहते जल की धारा जैसी।
जीवन है सुख-दुख के साथी,
ये आते और जाते हैं।
अपने जीवन को तुम सींचो,
सुन्दर सुगन्धित फूलों के जैसे॥
देख यह दृश्य, वसुन्धरा का
हृदय हो जाये पुलकित जैसे॥

❖❖❖

नवीन भारत

—हर्षिता सिंह
डी. एल. एड्. प्रथम सेमेस्टर

प्रचण्ड वेग से भरे पवित्र भू के पुत्र हैं,
शान्ति के लिए अनार्य नाश में प्रवृत्त हैं।
शत्रु वंचना को हम भूलते कभी नहीं,
देख ले पुनः जगत् ये है नवीन भारत॥

अब न हिमगिरि में रक्त हो, आतंक भी असह्य,
काश्मीर जीत ले बने अखण्ड राष्ट्र ये।
सर्वदुष्ट भय करें हम सज्जनों के साथ हैं,
देख ले पुनः जगत् ये है नवीन भारत॥
जल थल में भी, नभ-रण में भी यशस्विता
को प्राप्त है,
उपग्रहों में संस्थिति विशिष्ट शस्त्र युक्त है।
अनन्त विश्वरक्षणार्थ अन्तरिक्ष भेद दें,
देख ले पुनः जगत् ये है नवीन भारत॥

नये विकास मार्ग में भी शास्त्रनिष्ठ कर्म है,
गुरुत्व भाव से पढ़ाते भोग-योग धर्म है।
नायकत्व है विदेश नीति में ये गर्व है,
देख ले पुनः जगत् ये है नवीन भारत॥

वसुन्धरा कुटुम्ब है, ये जानते हैं हम सभी,
किन्तु धर्मरक्षणार्थ शस्त्र-शास्त्र में प्रविष्ट हैं।
इतिहास फिर लिखेंगे हम, है भारतीय गर्जना,
देख ले पुनः जगत् ये है नवीन भारत॥

कह रहा है मन मेरा है भग्न कुछ तो बेड़ियाँ
उठ रहा है ये युवा जो राष्ट्र भाव से भरा!
निज भाषा संस्कार का जिसके हृदय में मान है,
देख ले पुनः जगत् ये है नवीन भारत॥

❑❑

कविता

—सरिता वर्मा
डी. एल. एड्. प्रथम सेमेस्टर

गुरु के बिना ज्ञान नहीं,
ज्ञान के बिना कोई महान् नहीं,
भटक जाता जब इंसान,
तब गुरु ही देता है ज्ञान.....।
ईश्वर के बाद अगर कोई है,
तो वो गुरु है.....।
दुनिया से वाकिफ जो कराता है,
वो गुरु है.....।
हमें जो अच्छा इंसान बनाता है,
वो गुरु है.....।
हमारी कमियों को जो बताता है,
वो गुरु है.....।
हमें इंसानियत जो सिखाता है,
वो गुरु है.....।
हमारे अन्दर एक विश्वास जगाता है,
वो गुरु है.....।

❖❖❖

पुस्तक के अनोखे रंग

—रूबी यादव
बी. एड्. प्रथम वर्ष

मेरी पुस्तक रंग-बिरंगी,
कहे कहानी सतरंगी।
कहती बातें नयी-पुरानी,
जैसे बोले दादी-नानी॥
परी लोक की सैर कराती,
कभी-कभी वो हमें डराती।
कभी हँसाती कभी रुलाती,
दुनिया की हर बात बताती॥

❖❖❖

जिन्दगी एक गणित की पुस्तक की तरह है

—कीर्ति सिंह
डी. एल. एड्. तृतीय सेमेस्टर

जिन्दगी एक गणित की पुस्तक की तरह है
जिसमें सवालों पर सवाल है,
प्रश्नावलियों पर प्रश्नावली।

मैं जिन्दगी का यही गणित हल करती रही
जब जोड़ने लगी तो लगा कि,
मेरे पास बहुत कुछ हो गया है।

जब घटाने लगी तो लगा कि
सारे का सारा खो गया है।

मैंने जब गुणा किया तो अंकों के ढेर लगने लगे
और जब मैंने भाग किया तो,
माथे पर हाथ फेरने लगी।

दर असल मैंने जिंदगी को लघुत्तम की तरह लगाया
और महत्तम की तरह दर्शाया।
इसी तरह जिन्दगी के सारे गुणनखण्ड,
एक दूसरे से कट गये।
और हुआ यह कि,
उत्तरमाला के सारे पन्ने फट गये।।

❖❖

इंसान

—सीतम वर्मा
डी. एल. एड्. तृतीय सेमेस्टर

इंसान क्या जिसमें कि स्वाभिमान नहीं है,
वो गीत क्या जिसमें कि कोई ताल नहीं है।
मन्दिर की मूर्तियों से दुआ माँगने वालों
माँ-बाप से बढ़कर कोई भगवान नहीं है।।

दासता से बड़ी जंजीर नहीं होती है,
जिगर से बढ़ के कोई पीर नहीं होती है।
कोई भगवान हो रहमान या सुल्तान,
माँ से बढ़कर कोई तस्वीर नहीं होती।।

तमन्ना जब किसी की नाकाम हो जाती है,
जिन्दगी एक शाम हो जाती है,
दिल के साथ दौलत का होना जरूरी है यारों,
वरना गरीब की तो मोहब्बत भी नीलाम हो जाती है।

खूबसूरत-सा एक पल किस्सा बन जाता है,
जाने कब कौन जिन्दगी का हिस्सा बन जाता है
कुछ लोग जिन्दगी में मिलते हैं ऐसे
जिनसे कभी न टूटने वाला रिश्ता बन जाता है।।

❖❖

❖❖❖

महिला सशक्तिकरण

–पूनम वर्मा
बी. एड्. प्रथम वर्ष

भारत एक प्रसिद्ध देश है जो प्राचीन समय से ही अपनी सभ्यता, संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत, परम्परा, धर्म और भौगोलिक विशेषताओं के लिए जाना जाता है, जबकि दूसरी ओर ये अपने पुरुषवादी राष्ट्र के रूप में भी जाना जाता है। भारत में महिलाओं को पहली प्राथमिकता दी जाती है, हालांकि समाज और परिवार में उनके साथ बुरा व्यवहार भी किया जाता है। उन्हें अपने अधिकारों और विकास में बिल्कुल अनभिज्ञ रखा जाता है। भारत के लोग इस देश को माँ का दर्जा देते हैं, लेकिन माँ के असली अर्थ को कोई नहीं समझता। ये हम सभी भारतीयों की माँ है और हमें इसकी रक्षा और ध्यान रखना चाहिए और इन्हें समाज और परिवार के सभी बंधनों से मुक्त होकर अपने फैसले लेने का अधिकार होना चाहिए। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सबसे पहले उनके अधिकारों और मान को मारने वाले उन सभी राक्षसी सोच को मारना जरूरी है जैसे– दहेज प्रथा, अशिक्षा, यौन हिंसा, असमानता, भ्रूण हत्या तथा स्त्रियों के प्रति घरेलू हिंसा और बलात्कार, वेश्यावृत्ति, मानव तस्करी और ऐसे बहुत से विषय हैं जिन पर सुधार करने की जरूरत है।

हमारे समाज में दहेज प्रथा सबसे बड़ी बुराई है। पढ़े-लिखे लोग भी इसमें शामिल हैं जितने पढ़े-लिखे लोग होंगे उतनी ही ज्यादा दहेज की माँग होती है जिस वजह से बहुत-सी लड़कियाँ बिना शादी के जीवनयापन करती हैं तथा कुछ मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या कर लेती हैं।

पण्डित जवाहरलाल नेहरू द्वारा कहा गया एक मशहूर वाक्य, "लोगों को जगाने के लिए महिलाओं को जाग्रत होना जरूरी है, एक बार जब वे अपना कदम उठा लेती हैं परिवार आगे बढ़ता है, गाँव आगे बढ़ता है और राष्ट्र विकास की ओर उन्मुख होता है।

❑

Stopping by Woods on a Snowy Evening

–Sabreen Bano
B. Ed. Ist Year

Whose woods these are I think I know,
His house is in the village though,
He will not see me stopping here
To watch his woods fill up with snow.

My little horse must think it queer
To stop without a farmhouse near
Between the woods and frozen lake
The darkest evening of the year.

He gives his harness bells a shake
To ask if there is some mistake.
The only other sound's the sweep
Of easy wind and dowry flake.

The woods are lovely, dark and deep,
But I have promises to keep,
And miles to go before I sleep,
And miles to go before I sleep.

❑❑

Motive for Education

–Shaba Naaz
B.Ed. Ist Year

- Education is our Passport to the future, "for tomorrow belongs to the people who prepare for it Today".
- "Failure is the opportunity to begin again more intelligently".
- "A Little progress each day adds up to big results".
- "Your future is created by what you do today not tomorrow".
- "Teachers open the door, but you must enter by yourself".
- "The beautiful thing about learning is that no one can take it away from you".
- Success is the sun of small efforts, repeated day in and day out.
- Learning is never done without errors and defeat.
- If you are not willing to learn, no one can help you, if you are determined to learn no one can stop you.

Remember

"You are capable.
You are strong.
You are amazing.
You are Important.
You are special.
You are perfect".

❑❑

YOU CAN

–Amina Siddique
B.Ed. Ist Year

If you think you're beaten, you are.....
If you think you dare not, you don't
If you like to win.... but think you can't
It's almost a cinch, YOU WON'T !!

If you think you'll lase, you're lost.....
For out in the world you'll find.....
Success begins with a fellow's will.....
It's all in a state of mind.

If you think you're outclassed, you are...
You've got to think high to rise.....
You've got to be sure of yourself before....
Your can ever win the prize.

Life 's battles don't always go.....
To the stronger or faster man.....
But sooner or later the one who wins....
IS THE ONE WHO THINKS HE CAN !!

❑

Ranikhet Desease

—Dr. Sujeet Kumar Yadav
Assistant Professor
Dept. of Agriculture (BEI)

Newcastle disease also know as Ranikhet is caused by Newcastle Disease Virus (NDV) which belongs to the genus Paramixovirus and family Paramixoviridae. The disease was the first time reported by doyle in 1927. In India, the disease was reported by Edwards in 1928 from Ranikhet, Kumaon hills (Uttarakhand).

Newcastle Disease (ND) is a contagious bird disease which affects many domestic and wild avian species. It is transmissible to human.

Cause— Newcastle Disease is caused by Avian Paramixovirus.

Incubation Period : 2 to 15 days

Symptoms— The Newcastle Disease Virus (NDV) affects the respiratory, nervous and digestive systems. Symptoms vary depending on the strain of the virus, species of bird, concurrent disease and pre-existing immunity. The infected birds show the following symptoms.

Respiratory— Sneezing, nasal discharge and coughing.

Digestive— Greenish watery diarrhoea, depression, nervousness, droping wings, muscular tremor, circling, twisting of head and neck, paralysis, thin shelled eggs, drop in egg production, swelling of the tissues around the eyes and neck and sudden death.

Diagnosis—

1. Symptomatic. The disease can be identified by observing its signs.
2. Postmortem Examination - Postmortem examination reveals charecteristics lesions.
3. Virus Isolation and Identification by Haemaglutination Inhibition (HI) test.
4. Detection of viral Antigens.
5. ELISA Test.

Treatment— Treatment is not successful.

Prevention—

1. Proper Hygiene and Proper Management.
2. Vaccination.

The most successful method of preventing the birds from this disease is vaccination Two types, live and inactivated vaccines are available for vaccination against the disease.

❑

डूबने से डरने वाले लोग तैरना नहीं सीख सकते। — ***सरदार पटेल***

जो इस मिथ्या जगत् में जनसेवा के द्वारा जीवन को सार्थक बना लेता है उसके लिए मृत्यु नहीं। — ***सरदार पटेल***

Nutritional Value and Health Benefits of Banana

–Dr. Vinod Kumar Verma
Assistant Professor (Horticulture)
Department of Agriculture

Nutritional Value of Banana

One normal size banana nutritional value
Protein - 1.29gm
Calories -105
Fibre - 3.1gm

Minerals in banana

Potassium – 422 mg
Phosphorus – 26 mg
Magnesium – 32 mg
Calcium – 6 mg
Sodium – 1 mg
Iron – 0.31 mg
Selenium 1.2 mcg
Manganese – 0.319 mg
Copper – 0.092 mg
Zinc – 0.18 mg

Vitamins in banana

Vitamin A – 76 IU
Vitamin B1 (thiamine) – 0.037 mg
Vitamin B2 (riboflavin) – 0.086 mg
Niacin – 0.785 mg
Foliate – 24 mcg
Pantothenic Acid – 0.394 mg
Vitamin B6 – 0.433 mg
Vitamin C – 10.3 mg
Vitamin E – 0.12 mg
Vitamin K – 0.6 mcg

Health Benefits of Eating Bananas

Banana fruit has numerous health benefits. It's a rich supply of potassium. The simple banana is also a natural supply of iron. Banana is really a nutritious food helping in weight loss, constipation, blood pressure level, brain power, anaemia. As well as the cardiovascular benefits, the potassium present in bananas also may help to promote bone health.

Bananas contains three natural sugars – sucrose, fructose and glucose. These natural sugars coupled with fiber inside a banana gives an immediate, sustained and substantial boost of one's. Research has proven that simply two bananas provide enough energy for any strenuous 90-minute workout. No surprise the banana may be the number one fruit using the world's leading athletes. But energy isn't only way a banana might help us exercise. It can also help overcome or prevent a considerable number of illnesses and scenarios, making it essential to add to our diet.

Depression – Based on a recent survey amongst people struggling with depression, many felt far better after eating a banana. The reason being bananas

HEALTH BENEFITS OF BANANAS

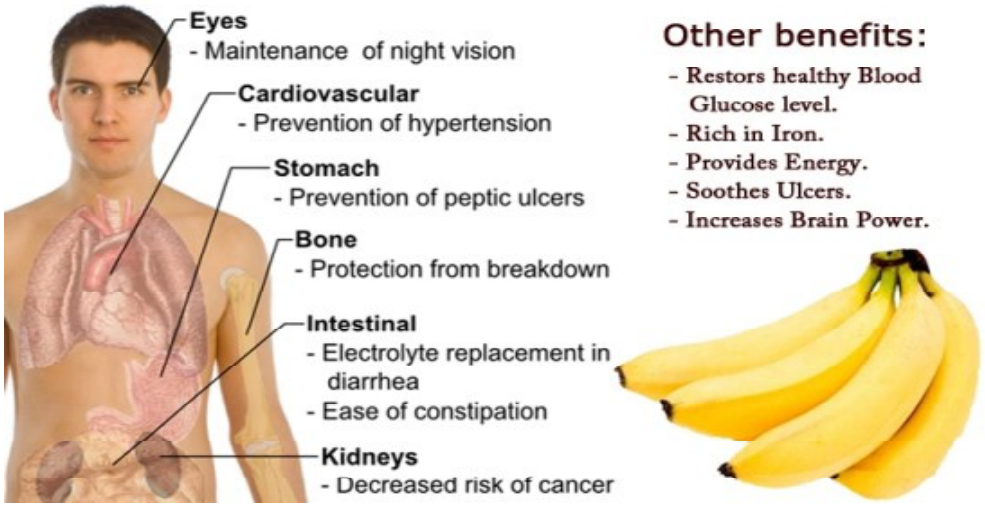

contain tryptophan, a kind of protein the body converts into serotonin, recognized to make you relax, enhance your mood and usually make you feel happier.

Seasonal Affective Disorder (SAD) – Bananas might help SAD sufferers simply because they contain the natural mood enhancer tryptophan.

Smoking – Bananas will also help people attempting to give up smoking. The B6, B12 they contain along with the potassium and magnesium present in them, assist the body recover from the results of nicotine withdrawal.

Stress – Potassium is a crucial mineral, which will help normalize the heartbeat, sends oxygen towards the brain and regulates your own body's water balance. If we are stressed, our metabolism rises, thereby reducing our potassium levels. It may be balanced by using a high-potassium banana snack.

Strokes – Based on research in "The Colonial Journal of drugs,"eating bananas included in a regular diet can reduce the risk of death by strokes up to 40%.

Warts – Those interested in natural alternatives swear when you want to get rid of a wart, have a piece of banana skin and put it around the wart, with the yellow side out. Carefully contain the skin in position with a plaster or surgical tape.

So, a banana is indeed a natural fix for many ills. When comparing it for an apple, it's four times the protein, twice the carbohydrate, 3 times the phosphorus, 5 times the vitamin a and iron, and twice another vitamins and minerals. It's also rich in potassium and it is one of the best value foods around.

❑

योग एक समग्र स्वास्थ्य

—शैलेश मिश्रा
B.P.E.S.

योग एक समग्र विज्ञान है जो किसी के मन और शरीर के बुनियादी और जटिल सिद्धांतों और जीवन के चरणों की परस्पर संबद्धता को दर्शाता है।

आम धारणा के विपरीत, यह केवल आंदोलनों का एक समूह मात्र नहीं है। योग का सही अर्थ शारीरिक व्यायाम से परे है, यह अपने शरीर को अपनी विचार प्रक्रिया से जोड़ना है।

जब हम समग्र विकास के बारे में बात करते हैं, तो इसके एक नहीं बल्कि विभिन्न पहलू होते हैं, शारीरिक, सामाजिक, बौद्धिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक। किसी के समग्र विकास के सभी आयामों में निरंतर प्रगति करने के लिए, व्यक्ति को एक जीवन शैली पसंद करने की आवश्यकता होती है।

उपरोक्त आयामों का असंतुलन या अपर्याप्तता ही जीवन-शैली से जुड़ी बीमारियों और कमियों के पूरे स्पेक्ट्रम की ओर ले जाती है। समग्र कल्याण महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह शारीरिक और मानसिक कल्याण के बीच के चक्र को बंद करता है। इससे न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को संबोधित किया जा रहा है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी ऊपर उठाया जा रहा है जहाँ से यह खड़ा है, इस तथ्य को दोहराते हुए कि एक दूसरे के बिना मौजूद नहीं हो सकता।

अपनी जीवनशैली में योग को शामिल करने से मूल रूप से आप अपने स्वास्थ्य के 360 डिग्री के परिप्रेक्ष्य को इस तरह से अनलॉक कर सकते हैं, जहाँ यह कल्याण के सभी आयामों को कवर करता है। मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक और जिस तरह से आप ठीक कर सकते हैं आपकी समग्र बेहतरी यात्रा के माध्यम से इन क्षेत्रों के बीच सम्बन्ध।

यह किसी के लिए अपनी जीवन-शैली में योग जैसे समग्र कल्याण प्रथाओं को शामिल करने के लिए आसन्न बनाता है, क्योंकि यह सुनिश्चित करता है कि कोई फर्क नहीं पड़ता कि तनाव कितना भी हो या वास्तविक दुनिया की कोई भी समस्या क्यों न हो, वे हमेशा अपने साथ जाँच कर सकते हैं। उनके मन और शरीर को जोड़ने और दैनिक ऊधम की भावना को रिचार्ज करने के लिए समय बंद करें।

समग्र स्वास्थ्य तब पूर्ण होता है जब सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जाता है। योग एक एकल अभ्यास है जो स्वयं के सभी पहलुओं को प्रभावित करता है। स्वयं की सूक्ष्म परतों में संतुलन और संवेदनशीलता का भाव लाना।

आज हम देखते हैं कि जीवनशैली से जुड़ी अधिकांश बीमारियों की जड़ें इन सूक्ष्म परतों में हैं। इसलिए यह महत्त्वपूर्ण है कि सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए इन सभी स्तरों पर ध्यान दिया जाए। कुछ तरीके के योग आपको सम्पूर्ण समग्र कल्याण की ओर ले जाते हैं।

योग आपकी सांस लेने, गहरी और आरामदेह सांस लेने पर ध्यान केंद्रित करता है, जो आपको कई उच्च जोखिम वाली श्वसन बीमारियों से मुक्त करता है, और आपको एक समय में एक समग्र स्वास्थ्य की यात्रा पर ले जाता है।

लगातार अभ्यास मस्तिष्क के उस हिस्से के आकार को बढ़ा सकता है जो स्मृति को नियंत्रित करने के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। उस तक सीमित न होकर, यह मस्तिष्क में तंत्रिका कोशिकाओं के बीच सम्बन्धों को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकता है, फिर से आपको बहुत सारी शुरुआती बीमारियों से बचा सकता है।

नियमित योगाभ्यास से योनि स्वर मजबूत होता है जो हमारे शरीर में आराम और पाचन क्षमता को नियंत्रित करता है। यह पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को उत्तेजित करता है, जो आराम के लिए भी जिम्मेदार होता है और तनाव के स्तर को कम करता है और आपको बेहतर नींद में भी मदद करता है।

योग हमारे शरीर के खुशी से सम्बन्धित संभवत: सबसे आवश्यक हार्मोन, एंडोर्फिन और ऑक्सीटोसिन के उत्पादन को बढ़ाता है।

योगाभ्यास अतिरंजित तनाव प्रतिक्रियाओं के प्रभाव को कम कर सकते हैं और चिंता और अवसाद दोनों के लिए सहायक हो सकते हैं। यह कोर्टिसोल के स्तर और हृदय गति को कम करने, रक्तचाप को कम करने और श्वसन को आसान बनाने जैसे शारीरिक उत्तेजना को कम करके तनाव प्रतिक्रिया प्रणाली को नियंत्रित करता है।

ऊपर बताई गई इन सभी बातों का, यदि समय और प्रयास की अवधि में अभ्यास किया जाता है, तो एक व्यक्ति हमेशा बदलता रहता है, जो न केवल एक कक्षा में योग का अभ्यास करते समय, बल्कि अपने जीवन के हर एक पड़ाव में एक तनावमुक्त और नियंत्रित व्यक्तित्व का अनुभव करता है। खुद को एक समग्र स्वस्थ प्राणी के रूप में आकार देना।

❑

A Review on the Performance of the Phase Change Material on the Solar Energy Collector Devices

—Jyoti Rani

Energy is the basic need for all developing countries and India is also a developing country. Energy is central to performing the interrelated economic, social aim of human development. Solar energy is a rapid growing technology and have gained a lot of attention because it is renewable source of energy and is available in abundance in India. Due to over exploitation of fossil fuel soon there will be its scarcity. This will not only save the fuel but also reduce the pollution. So, it is very important to switch towards renewable source of energy. Phase change material is the material that is utilized to store the solar energy for long time and that can be used at night or during rainy and cloudy days. This paper discussed the performance of the phase change material if used in solar water heater/solar air heater. The phase change material is used in the thermal energy storage device the performance of the storage is increased and the energy is also increased. The limitation of the solar energy collector devices is changing after used phase change material (PCM). Analyzed that if PCM is used the supply temperature is not suddenly down it slowly gets down and supply hot water for a long time. In general, solar energy collector devices or solar water heater gives hot water up to 4 PM but after using PCM the efficiency of the solar water heater is increased, time of collect hot water is increased and we can get hot water even after sunset.

❑

बेटियों को अभिशाप समझने वालों के लिए आईना

—Pati Ram

प्रवक्ता, कृषि प्रसार

वो अपने कैमरे से जिन्दगी के सीन लेता है,
वो अपने चाहने वालों के दुखड़े बीन लेता है,
कभी भूले से बेटी गर्भ में तुम मार मत देना,
वो बेटी मारने वालों से बेटा छीन लेता है।

स्वार्थी समाज के लिए चेतावनी

हमारे हाथ में जो फूल है पत्थर ना बन जाए,
मोहल्ले में किसी विधवा का दामन तर न हो जाए,
दरख्तों को अगर काटो इजाजत लो परिन्दों से,
कि अपना घर बनाने में कोई बेघर ना हो जाए।

हिन्दुस्तान का पता

कहीं गीता महकती है कहीं कुरान जिंदा है,
भले ही चीथड़े तन पर मगर ईमान जिन्दा है
अमीरों की तो नजरों में ये लन्दन और पेरिस है
किसानों और मजदूरों में हिन्दुस्तान जिन्दा है

सभ्य समाज का सच

गरीबी बेबसी दो सौ रुपये में दाल लेती है,
मुसीबत जैसी भी हो खुद को वैसा ढाल लेती है
गरीब इन्सान सर पर बाप को माँ को बिठाता है,
अमीरी प्यार करती है तो कुत्ते पाल लेती है।

घाटी के दिल की धड़कन

काश्मीर जो खुद सूरज के बेटे की राजधानी था..
डमरू वाले शिव शंकर की जो घाटी कल्याणी था,
काश्मीर जो इस धरती का स्वर्ग बताया जाता था,
जिस मिट्टी को दुनिया भर में अर्घ्य चढ़ाया था,
काश्मीर जो भारतमाता की आँखों का तारा था,
काश्मीर जो लालबहादुर को प्राणों से प्यारा था,
काश्मीर वो डूब गया है अंधी- गहराई खाई में,
फूलों की खुशबू रोती है मरघट की तन्हाई में,
ये अग्नीगंधा मौसम की बेला है
गंधों के घर बन्दूकों का मेला है,
मैं भारत की जनता का सम्बोधन हूँ,
आँसू के अधिकारों का उद्बोधन हूँ,
मै अभिधा की परम्परा का चारण हूँ,
आजादी की पीड़ा का उच्चारण हूँ,
इसीलिए दरबारों का दर्पण दिखलाने निकला हूँ,
मैं घायल घाटी के दिल की धड़कन गाने निकला हूँ।

❑

किताबें

—निधि सिंह

B. Lib

किताबें झाँकती हैं बंद आलमारी के शीशों से
बड़ी हसरत से ताकती हैं
महीनों अब मुलाकातें नहीं होतीं
जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं
अब अक्सर गुजर जाती हैं कम्प्यूटर के पर्दों पर
बड़ी बेचैन रहती हैं किताबें

लेकिन किताब के पीले पन्ने पलटने का सुख,
बिस्तर पर लेटकर, पढ़ते हुए नाक में आती खुशबू,
और पढ़ते-पढ़ते सो जाना, चश्मा लगाकर ही।
पिताजी किसी समय रात को दोनों टेबल पर रख देते।
कहाँ वो सुख पीडीएफ में, कहाँ वो मजा किन्डल में।

❑❑

पुस्तकालय स्वचालन

—सोनी सिंह
M. Lib (B.E.I.)

पुस्तकालय स्वचालन का तात्पर्य है कि पुस्तकालय की प्रक्रियाओं में कम्प्यूटर का उपयोग करना, अर्थात यंत्रों के माध्यम से पुस्तकालय प्रक्रियाओं को सरलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पूरा कर समय और मानवीय श्रम की बचत करना। स्वचालन शब्द अंग्रेजी भाषा के आटोमेशन (Automation) का हिन्दी रूपान्तरण है, जिसकी उत्पत्ति ग्रीक भाषा के आटोमोस (Automose) से हुई है। जिसका अर्थ है, सहज गति या स्वचालन की क्षमता होना। आटोमेशन शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 1936 ई. में जनरल मोटर कम्पनी USA में कार्यरत श्री डी. एस. हार्डर महोदय ने उत्पादन प्रक्रियाओं के बीच पुर्जों की आटोमेटिक संभाल हेतु किया था।

1956 ई. में गुडमैन ने इस तकनीक को मशीनीकरण द्वारा स्वनियंत्रित और स्वचालित प्रक्रियाओं की तकनीक कहा था। वर्तमान समय में अधिकांश कार्यों को कम्प्यूटर की मदद से किया जाता है। इसलिए कम्प्यूटर को ही स्वचालन का पर्याय माना जाने लगा है। इस प्रकार पुस्तकालय के कार्यों कम्प्यूटरीकरण कर उपयोक्ताओं को प्रभावपूर्ण सेवा प्रदान करना ही पुस्तकालय स्वचालन है। पुस्तकालय स्वचालन द्वारा पुस्तकालय के विभिन्न दैनन्दिन (दैनिक) कार्य और सेवाओं को स्वचालित किया जाता है।

पुस्तकालय स्वचालन की आवश्यकता— जब काम अधिक हो जाता है तो उसे पूरा करने के लिए सहायकों की आवश्यकता पड़ती है। मशीनी उपकरणों के माध्यम से बार-बार दोहराये जाने वाले कामों को शीघ्र और कम समय में पूरा किया जा सकता है। चूँकि पुस्तकालय एक बड़ी संस्था है और यहाँ उपयोक्ताओं की विविध माँगें होती हैं। इसलिए सभी माँगों को पूरा करने के लिए यांत्रिक आवश्यकता को निम्नलिखित बिंदुओं से स्पष्ट किया जा सकता है—

1. सूचना विस्फोट— मनुष्य की बढ़ती हुई जनसंख्या और घटते हुए प्राकृतिक स्त्रोतों के कारण सम्पूर्ण समाज का एकमात्र लक्ष्य अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना हो गया है। विश्व के अनेक भागों में वैज्ञानिक शोध लगातार हो रहे हैं। सूचनाओं का प्रवाह बढ़ रहा है। यह स्थिति सूचना विस्फोट की हो गयी है। पुस्तकालय स्वचालन से असीमित सूचनाओं को व्यवस्थित किया जा सकता है।

2. उपयोक्ताओं में वृद्धि— आज के दौर में उपयोक्ता सूक्ष्म, तथ्यपरक, विश्वसनीय सूचनाओं की माँग कर रहे हैं। उनकी संख्या में वृद्धि के साथ-साथ उनकी माँगों में भी विविधता आ गई है।

3. स्थान की कमी— अत्यधिक मात्रा में साहित्य के प्रकाशन से समस्त प्रकाशित सामग्री का अधिग्रहण और व्यवस्थापन असंभव हो गया है। अत: पुस्तकालय स्वचालन से प्रकाशित सामग्री के बिब्लियोग्राफिक अभिलेखों को कम्प्यूटर पठनीय स्वरूप में रखा जा सकता है।

4. वित्त की समस्या— किसी भी कार्य को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए वित्त एक प्राथमिक आवश्यकता है। पुस्तकालय एक परोपकारी और खर्चीली संस्था है, अत: सीमित वित्त में उत्तम सेवाओं के संचालन के लिए पुस्तकालय स्वचालन की आवश्यकता है।

5. उपयोक्ताओं को वैयक्तिक सेवा— पुस्तकालय को पुस्तक, पाठक और पुस्तकालय कर्मियों का त्रिकोण कहा गया है। पुस्तकालय स्वचालन से पुस्तकालय कर्मी शीघ्रता से पाठकों की सूचना आवश्यकताओं को समझ सकते हैं।

6. त्वरित सूचना सेवा— ज्ञान की निरन्तर वृद्धि, नवीन विषयों के निर्माण, शोध कार्यों में वृद्धि आदि के कारण उपयोक्ताओं की सूचना संतुष्टि असंभव हो गयी है। पुस्तकालय स्वचालन से वांछित सूचना को शीघ्रता से उपलब्ध कराया जा सकता है।

7. स्मार्ट पुस्तकालय सेवाओं हेतु— विशिष्ट, वास्तविक और प्रासंगिक उद्देश्यों को समय-सीमा में पूरा करने का आकलन करना जिसके लिए पुस्तकालय स्वचालन आवश्यक है।

❑

बंधन से उड़ जाना होगा

—साक्षी कुमारी पाल
B.Sc. Ag. V Sem.

बदले बरसों बीत गये
एक से रहते कुछ ऊब गये
स्वाद एक ही मौसम का
चखते-चखते रस सूख गये।
कुछ नया खोज कर जीवन में,
नव अनुभव उकसाना होगा।
बंधन से उड़ जाना होगा।

प्रभु नाम की जग में धूम हुई
लीला कान्हा की खूब हुई
सुनते-पढ़ते सज नट करते
सारी गाथाएँ झूम उठीं।
अब छोड़ कथाएँ कहना कुछ,
जीवन में अपनाना होगा।
बंधन से उड़ जाना होगा।

सजदे, नमाज और होम हुए,
गिरजा गुरुद्वारे रोज किये,
अपने-अपने प्रभु के हेतु,
दंगे और बहसें खूब धर्मों की
सीखों पर उड़ जाना होगा।
बंधन से उड़ जाना होगा।

रोटी, मकान, कपड़े, दुकान
माया के ये झंझट तमाम
चिपके हैं जोंकों से मन पर
जकड़े मति, जीवन, आँख, कान
अपने बटोर कण-कण इनसे
रिश्तों पर बरसाना होगा।
बंधन से उड़ जाना होगा।

रुकते-चलते, कहते-सुनते
जीते आये हँसते-रोते,
सबकी है एक कहानी-सी,
कहते ज्यों-त्यों बस डर भरते।
डग भरने से पहले कुछ रुक
रस्तों को पढ़ जाना होगा।
बंधन से उड़ जाना होगा।

❖❖❖

महिला शिक्षा

महिमा चौधरी

"समाज के विकास में महिला शिक्षा को बढ़ावा देना समाज विकास का मुख्य कदम होना चाहिए।"

यदि महिलाएँ शिक्षित होंगी तो मासिक आय में वृद्धि, गरीबी दर में कमी, लैंगिक असमानता में कमी, औद्योगिक नवाचार में वृद्धि आदि से समाज के विकास में बढ़ावा मिलेगा।

"यह कहना गलत नहीं कि यदि एक महिला शिक्षित होगी तो दो परिवार में शिक्षा का ज्ञान बढ़ेगा।"

❑

❑

जैविक खेती

—प्रज्वल सिंह
B.Sc. Ag. IV Sem.

हम सभी जानते हैं कि भारत एक बहुत विशाल देश है और यहाँ पर लगभग 60 से 70 प्रतिशत जनसंख्या अपनी आजीविका निर्वहन के लिए कृषि कार्यों पर निर्भर है।

हालाँकि आज से कुछ दशक पहले की जाने वाली खेती और वर्तमान में की जाने वाली खेती में काफी अन्तर है। आज से कुछ साल पहले खेती के दौरान किसी भी प्रकार के रासायनिक पदार्थों का प्रयोग नहीं किया जाता था। परन्तु भारत और दुनिया की बढ़ती आबादी और बढ़ रहे अनाज की माँग की वजह से रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करना प्रारम्भ किया जिसके कारण आज हर व्यक्ति किसी-न-किसी प्रकार की बीमारी का शिकार है। 1960 से पूर्व भारत में बस जैविक खेती का ही प्रयोग किया जाता था।

आर्गेनिक खेती फसल उत्पादन की एक प्राचीन पद्धति है। इसमें फसलों के उत्पादन के लिए गोबर की खाद, कम्पोस्ट, जीवाणु खाद, फसलों के अवशेष और प्रकृति में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के खनिज पदार्थों के माध्यम से पौधों को पोषक तत्त्व दिये जाते हैं। इसका न कोई दुष्प्रभाव फसल पर पड़ता है और न ही मनुष्यों पर। साथ ही साथ मृदा के सारे पोषक तत्त्व भी सुरक्षित रहते हैं और उनमें पाये जाने वाले जीवाणु भी आर्गेनिक खेती में किसी भी प्रकार के रासायनिक पदार्थों एवं कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करते हैं। रासायनिक पदार्थों की वजह से फसलों का उत्पादन तो बहुत ही अच्छा होता है परन्तु ये हमारे शरीर पर बहुत ही जानलेवा प्रभाव डालते हैं। बढ़ती हुई तमाम बीमारियों की वजह से लोग जैविक खेती की तरफ बढ़ते जा रहे हैं।

आर्गेनिक फार्मिंग के रकबे के हिसाब से भारत का दुनिया में नौवाँ स्थान है। कोरोना काल से देश और दुनिया में आर्गेनिक उत्पादों की माँग बढ़ रही है।

सिक्किम देश का पहला राज्य है जिसने पूरी तरह आर्गेनिक फार्मिंग को अपनाया है। आर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2015 में दो कार्यक्रम मिशन वैल्यू इन डेवलपमेंट फॉर नार्थ ईस्ट रीजन (MOVCD) और परम्परागत कृषि विकास योजना शुरू की थी।

जैविक खेती के लाभ— भूमि की जल धारण क्षमता बढ़ती है और साथ ही वाष्पीकरण कम होता है जिसमें मिट्टी उपजाऊ होती है।

कचरे के उपयोग की वजह से हमारा वातावरण शुद्ध होता है और तमाम बीमारियाँ भी कम होती हैं। ❑

मजदूरों की व्यथा

—साक्षी कुमारी पाल
B.Sc. Ag. V Sem.

सम्पदा अवसर की जहाँ पर
विपुल भण्डार है
राजनीति के कण्टक में फँसकर
वहाँ आज मजदूर बेहाल है।

जिनके होने से शहर-शहर आबाद है
जिनके भुजबल से विकास का आधार है
जिनके हथेलियों में सृजन का बीज है
जकड़ी हुई पैरों में गरीबी की जंजीर है
हर काल में शोषित ही इनका हाल है
हा हा! वक्त की मार से
आज मजदूर फिर बेहाल है।

दिन रात डटकर जिसने सदा
चुपचाप से मेहनत किया है
देश की उन्नति में क्या
इन्होंने नहीं श्रम किया है?
विदेशों में भेजने को तेरे पास
हवाई जहाज था
क्या किया था हमने जो
हम पर ना तेरा ध्यान था
"आत्मनिर्भरता" के सुनहरे स्वप्न पर
मजदूरों का आज भी वही हाल है
हा हा वक्त की मार से
मजदूर फिर बेहाल है।

❑

भारत की शान किसान

—मुकेश कुशवाहा
B.Sc. Ag. I Sem.

मैं हूँ भारत की शान
मानसून की बाट जोहता किसान
कभी मुआवजे के इन्तजार में गरीब इंसान
तो राजनीति में एक वोट बैंक का नाम
हाँ जी मैं हूँ एक किसान

बताते मुझे मैं हूँ अन्नदाता
पशु, खेत, फसल से मेरा नाता
सारा जहाँ मेरी मेहनत से खाता
क्योंकि मैं हूँ अन्नदाता।
मैं किसान हल जोतना पहचान
किन्तु बना हूँ सत्ता की दुकान
पार्टियाँ चाहें मुझसे अपनी-अपनी मुस्कान
बदनाम कर मुझे कमाना चाहे अपना नाम
मैं हूँ एक आसान शिकार इंसान
क्योंकि मैं हूँ एक किसान।

❑

किसान

—दिव्यांशी गुप्ता
B.Sc. Ag. III Sem.

खुद को आज थोड़ा और
खींचते हैं
इन फसलों को अपने गहरे खून से
सींचते हैं
भर देते हैं तुम्हारा पेट मरने से पहले
अपनी अस्थियों से सारा खेत
बीजते हैं।

गर्मी के मौसम में किसान कठिन परिश्रम करते हैं
चिलचिलाती धूप में नंगे पाँव घर से निकलते हैं।
आस उम्मीद लगाये खेतों में हल जोतते हैं
अबकी फसल जीवन देगा इस उम्मीद में धूप में
भी जलते हैं।

शौक नहीं है इनका चिलचिलाते धूप में
निकलने का
डर है इन्हें फसलों के बर्बाद होने का
क्या होली क्या दशहरा इनका तो बस फसल ही
है जीवन का इक सहारा

कभी बाढ़ आती तो कभी बंजर जमीन
हो जाती है।
किसानों का दर्द भला ये दुनिया कहाँ
समझ पाती है।

❑

कविता

—सिम्पल यादव
B.Sc. Ag. III Sem.

जमीन जल चुकी है आसमान बाकी है,
सूखे कुएँ तुम्हारा इम्तहान बाकी है,
वो जो खेतों की मेढ़ों पर उदास बैठे हैं,

उनकी आँखों में अब तक ईमान बाकी है।

बादलों बरस जाना समय पर इस बार
किसी का मकान गिरवी तो
किसी का लगान बाकी है।

फूल खिला दे शाखों पर, पेड़ों को फल दे
मालिक, धरती जितनी प्यासी है उतना
तो जल दे मालिक,

ना धूप सताए दिन की उसे
ना काली रात डराती है
डटा रहे हर मौसम में,
जब तक ना फसल पक जाती है
ऐसी मेहनत किसी और से नहीं बस
किसानों से हो पाती है।

❑

किसान

—काव्या पटेल
B.Sc. Ag. III Sem.

हल कंधे रख चला किसान

सिर पर पगड़ी कमर में धोती
हल कंधे रख चला किसान।

बैल चल रह आगे-आगे
लगते बिल्कुल सीधे-सादे,
धरती माँ की किस्मत जागे
खेती करने चला किसान॥
हल कंधे रख चला किसान

सरदी, गरमी या बरसात,
चाहे दिन हो या चाहे रात।
लू, आँधी या झंझावात,
मेहनत करना उसका काम॥
हल कंधे रख चला किसान॥

है उसका छोटा-सा घर
मिट्टी का पर लगे सुघर,
राजमहल से भी बढ़कर
पाता उसमें वह विश्राम।
हल कंधे रख चला किसान॥

Be Positive

—Zainab Fatima
B. Sc. IIIrd Sem.

Keep your thoughts positive,
Because your thoughts became your words
keep your words positive,
Because your words became your behaviour
keep your behaviour positive,
Because your behaviour becomes your habit.
keep your habits positive,
Because your habits become your values.
keep your values positive,
Because your values become your DESTINY !

❑

मजबूर किसान

—कार्तिकेय कसौधन
B.Sc. Ag. I Sem.

छत टपकती है उसके कच्चे मकान की,
फिर भी 'बारिश' हो जाये, तमन्ना है किसान की।

हमने भी कितने पेड़ तोड़ दिये,
संसद की कुर्सियों में जोड़ दिये,
कुआँ बुझा दिये नदियाँ सुखा दिये,
विकास की ताकत से कुदरत को झुका दिये।

किसान खुश है, बारिश खूब हुई है अबकी बार,
खेत सींच दी है पर मकान का छत तोड़ दी है।

जमीन जल चुकी है लेकिन आसमान अभी बाकी है,
कुएँ सूख चुके हैं लेकिन उम्मीद अभी बाकी है।

ऐ बारिश इस बार जरूर बरस जाना,
किसी का मकान गिरवी तो किसी का लगान बाकी है।

किसान का बेटा

ना भूखा हूँ ना भूखा, किसी को रहने देता हूँ,
मैं गर्व से कहता हूँ, मैं किसान का बेटा हूँ।

जो किसान अपने बच्चे को, बड़े शहर भेजता है,
वो उनकी खुशियों हेतु, दिल पर पत्थर रखकर भेजता है। ❑

किसान

—दीपांशी वर्मा
B.Sc. Ag. III Sem.

कड़ी धूप हो या हो शीतकाल,
हल चलाकर न होता बेहाल।
रिमझिम करता होगा सवेरा,
इसी आस में न रोकता चाल।
खेती बाड़ी में जुटाता ईमान,
महान पुरुष है, है वो किसान।।
छोटे छोटे से बीज बोता,
वहीं एक बड़ा खेत होता।
जिसकी दरकार होती उसे,
बोकर उसे वह तभी सोता।
खेतों का कण-कण है जिसकी जान,
महान् पुरुष है, है वो किसान।।

❑❑

माँ

—युवराज यादव
B.Sc. Ag. I Sem.

जैसा कि हमें जन्म माँ देती है और हम माँ को भगवान् का दूसरा स्वरूप मानते हैं। उसी तरह हमारी भूख को किसान मिटाते हैं अगर मैं गलत नहीं हूँ तो किसान साक्षात् माँ अन्नपूर्णा का स्वरूप है। धरती पर अगर किसान न होते तो शायद हमारा जीवन भूख के कारण कब धरती से लुप्त हो जाता, लेकिन वहीं हमारे किसान आज भी गरीबी की हालत में अपना जीवन गुजार रहे हैं और उनकी आर्थिक स्थिति आज भी उतनी अच्छी नहीं है जितनी होनी चाहिए।

"उन घरों में जहाँ, मिट्टी के घड़े रहते हैं,
कद में छोटे हों, मगर लोग बड़े रहते हैं।"

"माना किसान गरीब होते हैं पैसे नहीं होते हैं कभी अकेले में बैठकर सोचना! क्या किसान जितना तुम्हारे जीवन में सुकून है?"

❖❖❖

वक्त

—विजय निषाद
B.Sc. Ag. I Sem.

जब कभी गर्दिश में होते हैं सितारे
तब भुनी मछली स्वयं तालाब जाये
वक्त ही हर ख्वाब को पूरा करे भी
वक्त अपनी आँच में सब कुछ जलाए।

वक्त ही सब कुछ सिखाता है,
वक्त ही स्कूल होता है।

यह समय की गति है इसको कौन जाने
हर घड़ी परिवर्तनों की ही कहानी
फर्श पर आते ही रहते कितने राजा
रंक को मिलती ही रहती राजधानी,

आदमी ही भाल का चंदन
आदमी ही धूल होता है।

❖❖❖

मंजिल

—अंशिका पाण्डेय
B.Sc. Ag. I Sem.

"राह में कांटे एक दो नहीं होते हैं
राह कांटों से भरी होती है
मंजिल उस राह के आखिरी छोर पर खड़ी होती है
जहाँ हर कदम पर मिलती एक नई चोटी है
देख उसे जिनके हौसले डगमगाते हैं
वे मंजिल को भूल कांटों में उलझ जाते हैं
जिनकी निगाह मंजिल पर होती है
वे कांटों पर ही चलकर मंजिल को पाते हैं।"

जो व्यक्ति शक्ति न होने पर
मन में हार नहीं मानता उसे
संसार की कोई भी ताकत
परास्त नहीं कर सकती।

❑❑

किसान

—सौरभ वर्मा
B.Sc. Ag. I Sem.

वो किसान जो
अन्नदाता कहलाता है,
फिर क्यों स्वयं ही,
वो भूखों मर जाता है।

सोने सी फसलों के खातिर,
रहता वो वर्षा को आतुर,
राह ताकता अम्बुद की,
मल्हार गीत वो गाता है
वो हरियाले स्वप्न सजाता है।

वो किसान जो
अन्नदाता कहलाता है,
फिर क्यों स्वयं ही
वो भूखों मर जाता है।

है वो स्वप्निल बीजों को बोता,
रहता प्रहरी दिनरात बना,
रत्ती भर को वो न सोता,
देखता जो अपनी लहलहाती फसलें
उसको तो जैसे जीवन मिल जाता है।

वो किसान जो
जो अन्नदाता कहलाता है
फिर क्यों स्वयं ही
वो भूखों मर जाता है।

❑

किसानों का परिश्रम

—प्रत्यूष पाण्डेय
B.Sc. Ag. I Sem.

परिश्रम की मिशाल है,
जिस पर कर्जों के निशान हैं।
घर चलाने में खुद को मिटा दिया,
और कोई नहीं वह किसान है।
बढ़ रही है कीमतें अनाज की,
पर हो न सकी विदा बेटी किसान की।

सरकार और किसान

किसानों की किस्मत में पड़े हैं लाले,
ऊपर से सरकार के खेल बड़े ही निराले
उन्हें कृषि मंत्री बनाया गया है जिनकी
सात पुश्तों ने भी खेत में पैर नहीं डाले।

सरकार ने किया था वादा,
किसानों की आय दूनी हो जायेगी,
क्या पता था मँहगाई इतनी बढ़ेगी,
कि उनकी जेब सूनी हो जायेगी।

किसान का बेटा

खाट पर लेटा हूँ,
किसान का बेटा हूँ,
किस बात की सजा दी है,
इतनी मेहनत के बाद भी
इतनी परेशानी दी है,
माना बुरा हाल है
पर रखता तू ही ख्याल है,
उन घरों में जहाँ मिट्टी के घड़े रहते हैं,
कद में छोटे हों, मगर लोग बड़े रहते हैं।

❖❖❖

धरती का भगवान्

—सत्यम सिंह
B.Sc. Ag. I Sem.

किसान को यदि धरती का भगवान् कहा जाये तो वह अतिश्योक्ति नहीं होगी, क्योंकि किसान ही इस धरती पर ऐसा इंसान है जो धरती से अन्न उपजाता है। भारतीय किसान सबसे ज्यादा मेहनत करते हैं, लेकिन औद्योगिक क्रान्ति के बाद विकास की अन्धी दौड़ में आज का किसान समय के साथ कहीं-न-कहीं पिछड़ गया है और उनकी आर्थिक स्थिति आज भी उतनी अच्छी नहीं है। जितनी होनी चाहिए।

जब कोई किसान या जवान मरता है।
तो समझना पूरा हिन्दुस्तान मरता है॥
देता रहा तुमको अनाज,
चुका कर खून पसीने का ब्याज।
घमण्ड न ही गुरूर है,
अपने किसान होने का॥

❑

लक्ष्य

—आलोक कुमार वर्मा
B.Sc. Ag. I Sem.

अधिकतर आजकल लोगों का हौसला दूसरे के कुछ निकृष्ट शब्दों के बोल देने से उनका हौसला टूट जाता है। किसी की खरी-खोटी सुननी पड़े तो सुन लो, लेकिन अपने सपनों को हमेशा हिमालय की चोटी की तरह रखो। किसी बुरे वाक्य को सुनने से अपनी मंजिल को सागर की गहराई पर मत लाओ और हमेशा अपने मन को शांत रखकर ही आप आंतरिक शक्ति हासिल कर सकते हैं। मन की थकान आपको आराम करने के

लिए कहेगी और पैर की थकान हमेशा आपको विराम करने को कहेगी परन्तु स्वच्छ मन हमेशा आपको मंजिल को प्राप्त करने को कहेगा। जो व्यक्ति शक्ति न होने पर मन से हार नहीं मानता उसे संसार की कोई भी ताकत परास्त नहीं कर सकती।

❑

मुख्य विचार

—यश पाण्डेय
B.Sc. Ag. I Sem.

जिन्दगी ईश्वर का एक अमूल्य तोहफा है। हम सभी को इसकी वैल्यू पता होनी चाहिए। उसके लिए आभारी होना चाहिए जो हमारे पास है। हमें प्रत्येक दिन अपनी जिन्दगी और खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। हमें हर समय सकारात्मक रहना चाहिए। यह हम जिन्दगी पर अनमोल वचन साझा कर रहे हैं जो अपनी जिन्दगी को खुशहाल और पाजिटिव बना देंगे। हमें अपनी जिन्दगी का महत्त्व पता होना चाहिए। कुछ लोग किसी कारणवश अपनी जिन्दगी से बहुत परेशान हो जाते हैं। ऐसे लोगों के लिए इस लेख में हम जिन्दगी पर सुविचार लेकर आये हैं।

- जिन्दगी अपने हिसाब से जीनी चाहिए,
  औरों के कहने पर तो सर्कस में शेर भी नाचते हैं।
- मिली है जिन्दगी तो कोई मकसद भी रखिए,
  सिर्फ साँसें लेकर गँवाना ही जिन्दगी तो नहीं।
- जीवन हमेशा दूसरा मौका देता है,
  जिसे कल कहते हैं।

❖❖❖

कविता

—वीरेन्द्र कुमार वर्मा
B.Sc. Ag. I Sem.

बंजर-सी धरती से सोना
उगाने का माद्दा रखता हूँ,
पर अपने हक की लड़ाई
लड़ने से डरता हूँ।
ये सूखा, ये रेगिस्तान, सूखी
हुई फसल को देखता हूँ,
न दिखता कोई रास्ता तभी
आत्महत्या करता हूँ।

उड़ाते हैं मखौल मेरा ये
सरकारी कामकाज,
बन के रह गया हूँ राजनीति
का मोहरा आज।
क्या मध्य प्रदेश क्या
महाराष्ट्र तमिलनाडु से
लेकर सौराष्ट्र,
मरते हुए अन्नदाता की
कहानी बनता, मैं किसान हूँ।

साल भर करूँ मैं मेहनत,
उगाता हूँ दाना,
ऐसी कमाई क्या जो
बिकता बारह रुपया पर
मिलता चार आना।
न माफ कर सकूँगा,
वो संगठन वो दल,
राजनीति चमकाते बस अपनी,
यहाँ बर्बाद होती फसल।

लहलहाती फसलों वाले
खेत अब सिर्फ सिनेमा में होते हैं,

असलियत तो ये हैं कि हम
खुद ही एक-एक दाने को रोते हैं।

बहुत गीत बने बहुत लेख
छपे कि मैं महान् हूँ,
पर दुर्दशा न देखी मेरी
किसी ने ऐसा मैं किसान हूँ।

❖❖❖

कविता

—शालवी वर्मा
B.Sc. Ag. I Sem.

कई जीत बाकी है कई हार बाकी है,
अभी तो जीवन का सार बाकी है।
यहाँ से चले हैं नई मंजिल के लिए,
यह तो एक पन्ना था अभी तो पूरी किताब बाकी है।
दुनिया का हर शौक पाला नहीं जाता,
कांच के खिलौनों को उछाला नहीं जाता।
मेहनत करने से मुश्किल हो जाती है आसान,
क्योंकि हर काम तकदीर पर टाला नहीं जाता,
सामने हो मंजिल तो रास्ते न मोड़ना,
जो भी हो मन में वह सपने मत तोड़ना
कदम-कदम पर मिलेंगी मुश्किलें आपको,
बस सितारे चुनने के लिए जमीन मत छोड़ना
क्यों भरोसा करता है गैरों पर
जब चलना है तुझे अपने ही पैरों पर
खोकर पाने का मजा ही कुछ और है,
रोकर मुस्कुराने का मजा ही कुछ और है,
हार तो जिन्दगी का हिस्सा है मेरे दोस्त,
हार कर जीत जाने का मजा ही कुछ और है,
क्यों डरें कि जिंदगी में क्या होगा,
हर वक्त क्यों सोचें कि बुरा होगा।
बढ़ते रहे मंजिल की ओर हम,
कुछ न मिला तो क्या तजुर्बा तो नया होगा।

❑

अशिक्षा

—बृजेश कुमार वर्मा
B.Sc. Ag. I Sem.

भारतीय किसान के जीवन स्तर और उनके परिश्रम में बड़ा अंतर होता है। वे जितना मेहनत करते हैं उसका उन्हें सही मूल्य नहीं मिलता है। इनकी समस्या का मुख्य कारण अशिक्षा है। इसके प्रति किसान खुद को और आने वाली पीढ़ियों को शिक्षित करे और कृषि में व्यापारिक सम्भावना की तलाश करे।

कृषि में व्यवसाय की असीम सम्भावना है, लेकिन बहुत से लोग इसे छोटा मानते हैं।

- खाना खाते वक्त ये दुआ जरूर करना दोस्तों
  जिसके खेतों से मेरा खाना आया है
  उसके बच्चे कभी भी भूखे न सोयें।
- किसान के पास पैसे कम हो सकते हैं
  और बहुत सारी समस्याएँ भी हो सकती हैं
  पर वो स्वस्थ होता है और रात में चैन से सोता है।

❖❖❖

Never Give Up

—Jyoti
B. Hsc.IInd Year.

If I made a mistake,
then I would have to retake,
and do it once again,
even feel the pain.

But there also lays a prize,
and that made me realise that,
even if hope for was to fail,
it would be a learning trail.

If I hope for medals and a cup,
I can't just rely an luck,
must do hard work,
to show the world my worth.
That's the essence of never give up.

❑

परिवार का मुखिया

–दुर्गेश तिवारी
B.Sc. Ag. I Sem.

मैं, दफ्तर से लौटा तो ऐसा लगता है कि कोई बुला रहा है।
घर के अन्दर से निकल जैसे- कोई मेरे पास आ रहा है॥
लगता है कि वो डांटेगा और कहेगा कि मास्क नहीं लगाया तूने।
अरे ऐ बाइक और मोबाइल भी आज सेनेटाइज नहीं किया तूने॥
महामारी फैली हुई है और तू बेपरवाह होता जा रहा है।
हेलमेट भी नहीं लगाया कितना लापरवाह होता जा रहा है॥
हर रोज की तरह आज भी तू मुझको बता कर नहीं गया।
तेरी माँ सुबह से परेशान है, कि तू खाना खाकर नहीं गया॥
सोचता हूँ कि ऐ सब घर पर सुनूँगा और सहम जाऊँगा मैं,
मगर ऐ क्या पता कि अब ऐ सिर्फ एक वहम पाऊँगा मैं॥

अब घर लौटते ही दरवाजे पर खड़े पिताजी नहीं मिलते,
मेरा जीवन नौका तारणहार मेरे वो माँझी नहीं मिलते॥
अब क्या गलत है और क्या सही है, ये बताने वाला कोई नहीं,
बार-बार डॉटकर फटकार कर अब समझाने वाला कोई नहीं।
आज सब कुछ पाकर जब अपने पैरों पर खड़ा हो चुका हूँ मैं।
पर मेरे पापा गलती नहीं बताते क्या इतना बड़ा हो चुका हूँ मैं॥
आज सुख-चैन है, खुशियाँ हैं मेरे पास मगर आप नहीं,
ये मकान शरीर खड़ा है मगर इसमें शायद प्राण नहीं।
धैर्य, त्याग, स्नेह, समर्पण, परिश्रम और अनुशासन हैं,
पिताजी परिवार रूपी देश पर एक लोकतांत्रिक शासन हैं॥
वो जो मेरी खुशी के लिए अपनी खुशी भूल जाते हैं,
वो जो मेरी एक हँसी के लिए कुछ भी कर जाते हैं।।
अपने दर्द को मेरे सामने अक्सर छुपाया करते हैं,
जो मुझे चाहिए वो वक्त से पहले ला देते हैं।
इस कदर वो अपना नि:स्वार्थ प्रेम जताया करते हैं
मेरे नाम से जाने सब उन्हें ऐ सपना है उनका,
पूरा करना है ऐ सपना यही है मकसद जिंदगी का,
उसके गुस्से में भी प्यार छुपा होता है।
उसकी डांट में भी दुलार भरा होता है,
और उसी शख्स का नाम पापा होता है।

❖❖❖

खेलों में महिलाओं को सशक्त बनाना : भारत के खेल परिदृश्य पर एक नज़र

—जान्हवी सिंह
बी.पी.ई.एस. द्वितीय वर्ष

हाल के वर्षों में भारत ने खेलों में महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में उल्लेखनीय बदलाव देखा है, जो पारंपरिक मानदंडों से एक महत्त्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। जैसे-जैसे देश लैंगिक समानता के महत्त्व को अपना रहा है, महिलाएँ विभिन्न खेल क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं, रूढ़ियों को चुनौती दे रही हैं और भावी पीढ़ियों को प्रेरित कर रही हैं।

एक समय पुरुष खिलाड़ियों के वर्चस्व वाले क्रिकेट में महिलाओं की भागीदारी और लोकप्रियता में उछाल देखा गया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, प्रमुख टूर्नामेंटों के फाइनल में पहुँची है। मिताली राज और हरमनप्रीत कौर जैसी खिलाड़ी बाधाओं को तोड़ते हुए और युवा लड़कियों को अपने क्रिकेट के सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते हुए घर-घर में मशहूर हो गई हैं।

क्रिकेट से परे, बैडमिंटन, कुश्ती और एथलेटिक्स जैसे खेलों में महिलाओं की भागीदारी और सफलता में उछाल देखा गया है। बैडमिंटन की सनसनी पी. वी. सिंधु ने 2016 में ओलंपिक रजत पदक जीता और इसके बाद 2020 में कांस्य पदक जीता, जो महत्त्वाकांक्षी एथलीटों के लिए एक आइकन बन गई। 2016 के रियो ओलंपिक में पहलवान साक्षी मलिक के ऐतिहासिक कांस्य पदक ने एक महत्त्वपूर्ण मोड़ ला दिया, जिसने सामाजिक मानदंडों को चुनौती दी और खेलों में भारतीय महिलाओं की प्रतिभा को उजागर किया।

सरकारी पहल, जैसे कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने महिला खेलों में भागीदारी को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है। इन पहलों का उद्देश्य प्रवेश की बाधाओं को तोड़ना, लड़कियों को समान अवसर और खेल सुविधाओं तक पहुँच प्रदान करना है। देश भर में युवा महिला एथलीटों की पहचान करने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर के कार्यक्रम और प्रतिभा खोज पहल लागू की गई हैं।

इन सकारात्मक कदमों के बावजूद, चुनौतियाँ बनी हुई हैं। लैंगिक पूर्वाग्रह, बुनियादी ढाँचे की कमी और सामाजिक अपेक्षाएँ अभी भी खेलों में महिलाओं की प्रगति में बाधा डालती हैं। हालाँकि, सफल महिला एथलीटों की बढ़ती दृश्यता और महिलाओं के खेलों के लिए बढ़ता समर्थन एक सांस्कृतिक बदलाव में योगदान दे रहा है।

निष्कर्ष के तौर पर, भारत महिला खेलों के क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी दौर से गुज़र रहा है। एथलीटों द्वारा बाधाओं को तोड़ने और राष्ट्र द्वारा उनकी उपलब्धियों के पीछे एकजुट होने के साथ, भारतीय खेलों में महिलाओं के लिए भविष्य आशाजनक दिख रहा है। जैसे-जैसे देश लैंगिक समानता को अपना रहा है, खेल में महिलाएँ सशक्त रोल मॉडल के रूप में कार्य कर रही हैं, आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित कर रही हैं और भारत के खेल परिदृश्य पर अपनी अमिट छाप छोड़ रही हैं। ❑

कविता

—Manshi Yadav
B.Sc. Home Science
1st Years

नदी–सा चल सरोवर–सा रुक नहीं
अपनी ख्वाहिशों को सीमित कर नहीं
अभी ख्वाहिशों के परिंदों की उड़ान बाकी है
क्या फिक्र तुझे अभी पूरा जहान बाकी है

तेरे सब्र का इम्तहान बहुत से लोग लेंगे
तेरी खामोशियों को तेरी कमजोरी समझेंगे
अभी खामोशियों के पीछे की ज्वाला बाकी है
क्या फिक्र तुझे अभी पूरा जहान बाकी हैं
बिन मेहनत मिली सफलता पीतल है
अंदर से ज्वाला बाहर से शीतल है
अभी सोने को कुन्दन बनना बाकी है
क्या फिक्र तुझे अभी पूरा जहान बाकी है

जो सोच लिया तूने समझो पा लिया
सफलता की ओर कदम तूने बढ़ा लिया
अभी सफलता का शीर्ष झुकना बाकी है
क्या फिक्र तुझे अभी पूरा जहान बाकी है।।

❑

किसानों की पहचान

—अभिषेक कुशवाहा
B.Sc. Ag. I Sem.

छोटे–छोटे हाथों में छाले हो जाते हैं,
किसान के बच्चे इसलिए दिलवाले हो जाते हैं,
यही बार्डर पर सेना में कुर्बान हो जाते हैं,
किसान के बच्चे वक्त से पहले जवान हो जाते हैं।

ईमान का सौदा करता है
जिन्दगी की कीमत क्या जाने?

जो 'फसल' की कीमत दे न सके
वो 'जान' की कीमत क्या जाने?

जिसके नाम में ही सान है
उसके लिए क्या लिखें

कट गये हैं हाथ
जो उगाते हैं देश के लिए अनाज
बढ़ गई जनसंख्या कम हो गये किसान
अब तो चारो ओर दिखते हैं मकान ही मकान
कहाँ से लायें खेत और कहाँ से खलिहान
क्या करेंगे अब मेरे देश के किसान।

❑

Good Students

—Uma
B. Sc.Vth Sem.

"It is difficult for a student to pick a good teacher, but it is more difficult for a teacher to pick a good student".

A good student must have a huge desire and passion to learn and explore new things they have always positive attitude towards life and they always prepare for every task. A good students is truthful, honest and frank they always attend all classes they are very punctual and they do accurate thing at the right time. A good student should be very active and hard working, he know how to develop his/her self-discipline and a good student never disappoints his teacher and obey all the things about his teachers.

Some qualities of a good Student

- A good student always come complete and clean uniform.
- They always respect their teachers.
- They never fight with others.
- They are very punctual.
- They always help other students for study.

- They always take a part in all extra curricular activities.

❑

Strong Woman

—Ritu Singh
B. Sc.Vth Sem.

She sweats beads of sweat,
Never complains, you can bet;
She worries about her children,
Just like a mother hen;
She doesn't show her weakness,
But deep down, we know she's restless;
She learns from her past,
And chooses to keep going forward;
She transforms her pain and suffering,
Into Strength and Wisdom;
She believes God sees her suffering,
The society isn't caring;
She smiles despite her worry,
While tears makes her eyes blurry;
She longs for a union all but stressful,
The one you had think was all blissful;
She is treat in way that is inhuman,
Indeed, she's a STRONG WOMAN !

❑

Faith in Love

—Charul Chauhan
B.Sc.VI Sem.

Talking about trust in love ? Who calls love without trust ? Trust is something that binds relationships so close together like particles of solid that there is no hope of disintegration.

A relationship with any person, be it with parents, siblings, husband and wife or with a friend, that relationship can be beautiful only if there's a loyalty, sincerity, love and perfection in it, be sure.

Just as we have complete trust in God that he will surely reward us for the supplications we ask, if we trust in the love of God, then he will never return us empty handed. He will never break our faith, provided you believe.

For this you need positive thinking and trust.

❑

कोशिश कर

—Palak Yadav
B.Sc. I Sem (ZBC)

कोशिश कर, हल निकलेगा।
आज नहीं तो, कल निकलेगा।
अर्जुन-सा लक्ष्य रख, निशाना लगा।
मरुस्थल से भी फिर, जल निकलेगा।।
मेहनत कर, पौधों को पानी दे।
बंजर में भी, फल निकलेगा।।
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे।
फौलाद का भी, बल निकलेगा।।
सीने में उम्मीदों को जिंदा रख।
कोशिशें जारी रख, कुछ कर गुजरने की।
जो कुछ थमा-थमा है, चल निकलेगा।।
कोशिश कर, हल निकलेगा।
आज नहीं तो, कल निकलेगा।।

❑

खाने और सोने का नाम जीवन नहीं है। जीवन नाम है सदैव आगे बढ़ने की लगन का।

—प्रेमचन्द

नर्सिंग का सफर

—Madhu Gaur
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

भवदीय की रोशनी में उठ खड़ा होकर
अपने सपनों की मंजिल की ओर चलना है,
नर्सिंग की गाथा, परिवार का त्याग
विजय की चिंगारी नई उड़ान भरना है,
नर्सिंग की शिक्षा संघर्षों को पार करना है,
उदास न होकर खुशियों का जंग जीतना है,
खुद के दर्द छुपा के औरों के जख्म भरना है,
अपनी एक पहचान बनाकर सबको दिखाना है,
अपनी एक मुस्कान से लड़ने की आशा भरना है,
जहाँ दुनिया अपनों से लड़ती है,
वहाँ हमें गैरों को भी अपना बनाकर चलना है,
श्रम की महिमा पिता की कहानी,
नर्सिंग का सफर, जीवन की यही कहानी।

❑

Hostel Life

—Shivani
B.Sc. Nursing IInd Sem.

Savitri Bai Phule हॉस्टल की अलग-सी दुनिया है यहाँ,
खुशी हो या गम साथ पूरा है यहाँ,
कभी Artist तो कभी अवारा है यहाँ,
पढ़ते हुए भी मस्ती होती है यहाँ,
कभी लड़ते हैं तो कभी झगड़ते हैं यहाँ
कभी Rude तो कभी Friendly होते हैं,
अलग-अलग City से होकर भी सबसे पास हो जाते हैं
अलग-अलग Religion से होकर भी एक Family बन जाते हैं,
अकेलेपन के आदी भी साथ रहना सीख जाते हैं,
Five Star Hotel में खाने वाले भी Normal खाना सीख जाते हैं,
हर शरीफ कमीना बनता है यहाँ
हाँ मैं बात कर रही हूँ Bhavdiya Campus की।।

❑

प्रेरणा

—Antima Gaud
GNM Ist Year

कई जीत बाकी है कई हार बाकी है,
अभी तो जिन्दगी का सार बाकी है।
यहाँ से चले हैं नई मंजिल के लिए,
यहाँ तो एक पन्ना था अभी तो पूरी किताब बाकी है।

दुनिया का हर शौक पाला नहीं जाता,
कांच के खिलौनों को उछाला नहीं जाता।
मेहनत करने से मुश्किल हो जाती है आसान,
क्योंकि हर काम तकदीर पर टाला नहीं जाता।

सामने हो मंजिल तो रास्ते न मोड़ना,
जो भी हो मन में वह सपने मत तोड़ना।
कदम-कदम पर मिलेंगी मुश्किलें आपको,
बस सितारे चुनने के लिए जमीन मत छोड़ना।

क्यों भरोसा करता गैरों पर,
जब चलना है तुझे अपने ही पैरों पर
खोकर पाने का मजा ही कुछ और है,
रोकर मुस्कुराने का मजा ही कुछ और है।
हार तो जिंदगी का हिस्सा है मेरे दोस्त,
हार कर जीत जाने का मजा ही कुछ और है।

क्यों डरें कि जिंदगी में क्या होगा,
हर वक्त क्यों सोचें कि बुरा होगा।
बढ़ते रहें मंजिल की ओर हम,
कुछ न मिला तो क्या तजुर्बा तो नया होगा।

❑

जिससे कभी मिले न हो

—Pooja Yadav
B.Sc. Nurshing IIIrd Sem.

दिल के किसी कोने में
हम सपनों का घर सजा बैठे
जिससे कभी मिले न हों
उस संग प्रीत लगा बैठे।

हर रिश्तों की अहमियत को समझ लिया
जब घर से बाहर को जाना हुआ उन राहों में
जब खुद को संग अकेला पाया
उन राहों में सबको परख बैठे
जिससे कभी मिले न हों
उस संग प्रीत लगा बैठे।

कंधो पे लिये घर की जिम्मेदारियाँ
लेकर इरादों की बुलन्दियाँ हम सब निकल पड़े
पूरा करने उन ख्वाबों को जिनके
महल हम सपनों में बना बैठे
जिससे कभी मिले न हों
उस संग प्रीत लगा बैठे।

फिर आया तो मोड़ जहाँ न जाने कितने
शहर की गलियों से आकर एक
कॉलेज कैम्पस को अपनी दुनिया बना बैठे।
जाने कितने खट्टे-मीठे रिश्ते हम बना बैठे
जिससे कभी मिले न हों.....।

कुछ दोस्त ऐसे मिले जिनके संग
हम खुशियों की आस लगा बैठे
उनके बिना न हँसना न रोना
कुछ ऐसी Bonding बना बैठे
जिससे कभी.....।
वो ऐसे जो दुख में भी साथ
और खुशियों में पीछे से तंज लगा बैठे।
जिससे.....प्रीत लगा बैठे।

करने चले हँसी ठिठोली सर पे चाहे
कितना भी बोझ पड़ा
फिर याद आयी वो सभ्यता जिसमें
थी हमारे कैम्पस की पराकाष्ठा
भूलकर सारी नादानियाँ
अनुशासन को अपना बैठे
जिससे कभी मिले न हों
उस College कैम्पस संग
हम सबसे प्रीत लगा बैठे।

❑

नर्स का कर्त्तव्य

—Babita Yadav

दिल से दयावान, निश्छल भाव सेवा है, धर्म तुम्हारा,
विनम्र स्वभाव और मानवता, से ही होगा देश का उजियारा।
बिना भेदभाव के मरीजों का ख्याल रखना,
है जन-मानस से लगाव तुम्हारा।।

न रातों को सोना, न अपने दु:खों में रोना,
अपने निजी सुखों को त्यागकर, है देश से लगाव तुम्हारा।
बीमार है, जो किस धर्म का है, न तुमको उससे भेद पड़ी,
सेवा उनकी तुमको करनी है, तहेदिल से आभार तुम्हारा।।

दिल की दुआ मजबूर हुई, तो तुमने दवा से काम लिया,
उस नब्ज को फिर न थमने दिया, जिस नब्ज को तुमने थाम लिया।
है धर्म तुम्हारे कितने अच्छे, अच्छा कितना स्वभाव तुम्हारा,
कितनी सेवा की लोगों की, है जन-मानस से लगाव तुम्हारा।।

❑

मेरे पापा

—Kanchan Verma
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

मीलों दूर पैदल चलकर वो काम पर जाया करते थे,
फिर भी खुलकर मुस्कुराया करते थे।
जो मिला उसे हमारे लिये अपने जेब में रख लेते हैं,
मेरे पापा पानी पी कर ही पेट भर लिया करते हैं।
हम देखते हैं सपने भारी, मुस्कुराकर पूरा करने की
कोशिश करते रहे जारी।।
हमारे पापा एक शर्ट में सालों बिता लेते हैं,
और मेरे लिये कपड़ों का भंडार लगा देते हैं।
बीमार होने पर वह मेडिकल स्टोर से दवाई लेकर खा लेते हैं।
मेरे पापा मेरे भविष्य के लिए पाई-पाई बचाते हैं।
मेरे पापा हमेशा बड़बड़ाते रहते हैं अकेले,
हमें नहीं पता क्या सोचते रहते हैं हमेशा।
खर्च नहीं करते अपने ऊपर एक भी पैसा,
हमारे भविष्य के लिए हमेशा पाई-पाई बचाया करते हैं।
पापा जैसा कौन उदार हृदय वाला होगा।
कौन हमारा उनके जैसा सच्चा शुभचिंतक होगा,
पापा हैं तो सारी खुशियाँ हैं।
पापा ही हमारे लिये सारी दुनिया है।
याद आती है पापा आपकी बहुत,
गिनती रहती हूँ दिन हमेशा
बीत जाते हैं महीने आपको देखे।
रहते थे जो हमेशा आँखों के सामने
रखते हो आप सिर पर हाथ
तो मानो सारी दुनिया की खुशी मिल गई हो।

❑

कलयुग की नारी पीड़ा

—स्वीटी वर्मा
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

तो ऐसा वैसा न समझें, कि यूँ ही बहल जाऊँगी।
मेरी बातों को ध्यान से सुनियेगा मैं किसान
की पुत्री हूँ दो शब्दों में खेल जाऊँगी।।

एक मासूम-सी लड़की हूँ, मगर आँखों में आँसू
और दिल में सवाल लेकर आयी हूँ।
आखिर क्यूँ इतनी गलत होती हैं लड़कियाँ,
मैं बस आज यही जानने आयी हूँ।।
मैं ही वो नादान-सी बच्ची हूँ, जो चिल्ला-चिल्लाकर कहती है
छोड़ दो मुझे मैं उम्र से कच्ची हूँ।।

हाँ हुआ था शोषण मेरा भी, पर मैं खुद को
मौत के घाट नहीं ले जाऊँगी।
मैं कलयुग की बेटी हूँ, लाज बचाने को श्रीराम को नहीं बुलाऊँगी।
धारण कर मैं अस्त्र-शस्त्र को खुद ब्रह्मास्त्र चलाऊँगी।
हनुमान की भक्त हूँ मैं ये कहने से नहीं कतराऊँगी।।
तुम छुओ तो मेरी पूँछ को, मैं खड़े-खड़े तुम्हारी लंका फूँक जाऊँगी।
मैं कलयुग की बेटी हूँ लाज बचाने को श्री राम को नहीं बुलाऊँगी।।

❑

सेना को समर्पित

—श्वेता
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

किसका खून नहीं खौलेगा,
पढ़ सुनकर अखबारों में,
शेरों की गर्दन कटवा दो
कुत्तों के दरबारों में।
पूरी घाटी तो दहल चुकी,
आतंकी अंगारों से,
कश्मीर में आग लगी है,
पाकिस्तानी नारों से।
चाँद सितारे वाले झंडे,
घाटी में लहराते हैं।
और हमारे शीश शर्म से
रोज-रोज झुक जाते हैं।
बहुत हो चुका मोदी जी,
ये मौन आपके खलते हैं
रोज सैनिकों की लाशों से,
जिगर हमारे जलते हैं।

अब घर के गद्दारों को भी,
थोड़ा-सा झटका दो
जो सेना पर पत्थर फेंके,
लाल किले पर लटका दो।

❑

लक्ष्य

—दीप्ती वर्मा
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

हर कदम पर अपनी पहचान करो,
इस कदम को पिछले से खास करो,
न लगे तुम्हें वो पथ सही,
तो दीप्त पथ का निर्माण करो,
मंजिल पर कर अपना फतेह,
जब परचम लहरायेगा,
वो खुशी हमें जब 'रत्न' मिलेगा,
पूरा भवदीय हर्षित हो जायेगा।

❑

बचपन की सुनहरी यादें

—सौम्या वर्मा
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

न ही कोई स्मार्टफोन था और न ही
रिलेशनशिप का कोई फंडा था,
दिन में दोस्तों के साथ स्कूल जाना था,
और शाम को खेल के मैदान का अड्डा था,
पढ़ने का लिखने का और मस्ती करने का
कुछ अलग ही सुकून था,
सच कहूँ तो बचपन की जिन्दगी में
कुछ अलग ही जुनून था
हँसने की खेलने की एक अलग ही
शाम आती थी,
जब भी कभी हमारे होठों पर बचपन वाली
मुस्कान आती थी
जब बचपन था तो कुछ अलग ही जमाना था
खुशियों का कुछ अलग ही ठिकाना था,
दादी माँ की पुरानी कहानियों में
राजा-रानी और परियों का अलग ही फसाना था
आखिर हम सब इतने बड़े क्यों हो गये,
इससे अच्छा तो बचपन का जमाना था
वो बचपन का जमाना था।

❑

अपनी बातें

—ज्योति मौर्या
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

सब बोलते हैं कि लाइफ को इंज्वाय करो। सही बोलते हैं शायद लेकिन इंज्वाय करने के लिए समय भी तो चाहिए जो कहाँ है मेरे पास। आँखों में पापा का सपना परिवार की खुशियाँ लेकर आयी हूँ। गाँव को परिवार को छोड़ के। ये सोचकर शायद कुछ संघर्ष की कहानी हम भी लिखेंगे नहीं तो ये वक्त की पहेलियाँ हमें यहाँ लाकर न खड़ा करतीं। अपनों की खुशियाँ सपनों के लिए अपने सपने छोड़ न देती। हर दिन खुद को कम्पेयर न करती। कभी वक्त के साथ भागते रहना, कभी हालातों के बोझ को गिनते रहना लेकिन सुना है कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है। यहाँ कुछ पाने के चक्कर में सबकुछ खो बैठी फिर भी कहानी को संघर्ष का नाम देंगे हमारी कहानी हम खुद लिखेंगे।।

❑

रोजगार की चाहत

—सोनम विश्वकर्मा
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

खाली कंधों पर थोड़ा-सा भार चाहिए,
बेरोजगार हूँ साहब रोजगार चाहिए।
जेब में पैसे नहीं हैं डिग्री लिये फिरता हूँ
दिनोदिन अपनी नजरों में गिरता हूँ
कामयाबी के घर में खुले किवाड़ चाहिए
बेरोजगार हूँ साहब मुझे रोजगार चाहिए॥

दिन-रात करके मेहनत बहुत करता हूँ
सूखी रोटी खाकर ही चैन से पेट भरता हूँ
भ्रष्टाचार से लोग खूब नौकरी पा रहे हैं
रिश्वत की कमाई खूब मजे से खा रहे हैं
नौकरी पाने के लिए यहाँ जुगाड़ चाहिए
बेरोजगार हूँ साहब मुझे रोजगार चाहिए॥

टैलेंट की कमी नहीं है भारत की सड़कों पर
दुनिया बदल देंगे भरोसा करो इन लड़कों पर
लिखते-लिखते मेरी कलम तक घिस गई
नौकरी कैसे मिले जब नौकरी ही बिक गई
नौकरी की प्रक्रिया में अब सुधार चाहिए
बेरोजगार हूँ साहब मुझे रोजगार चाहिए॥

❑

माँ पर कविता

—रूपम यादव
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

माँ तो आखिर होती है माँ
अपने सपनों को त्यागकर,
रातों को जागकर
हमारी ख्वाहिशें करती है पूरी
उनके बिना जिंदगी अधूरी,
ममता मयी आँचल है जिनकी
जैसे गौरी और जानकी।
खुशियों की तो यह है मोती,
माँ की आँखों में करुणा की ज्योति
रिश्तों को यह संजोए रखती,
सारे दर्द खुद ही सह लेती
अपनों पे जब संकट आता है
मौत से भी लड़ जाती है।
कभी दुर्गा कभी चंडी बन जाती,
जब बात अपने बच्चों पर आती है।
रब की परछाई होती है माँ,
माँ तो आखिर होती है माँ।।

❑

कालेज का वो पहला दिन

—कविता यादव
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

नई सुबह के साथ आयी, कुछ नया करने की बारी,
मन में लिए बुलन्द हौसले और कॉलेज जाने की हुई तैयारी,
नई उम्मीदों का पंख लिये, चले हम अब नर्सिंग की ओर,
लिया सलाह जब लोगों से, तो मिला हमें भवदीय का शोर,
पहुँचे जब भवदीय कॉलेज, तो देखा हमने अजब नजारा,
हरियाली के मैदानों में चमक रहा था भवदीय हमारा,
नये लोग, नया कॉलेज और नये-नये थे टीचर्स,
मन में था बस एक सवाल, पता नहीं कैसे होंगे सीनियर्स,
न कोई थी जानकारी, न किसी से हुई बात हमारी,
ज्योति मैम से हुई मुलाकात, तो उन्होंने बताई बात सारी,
चल दिये अब हम अपनी नयी मंजिल की ओर,
जहाँ भी जाओ, हर तरफ था नर्सिंग का शोर,
नये-नये चेहरे पर मंजिल हमारी एक,
नर्सिंग करना था जरूरी, क्योंकि इसमें स्कोप है अनेक,
मिले हमें वहाँ टीचर कई,
क्लासेज भी नई-नई,
हुई शुरू फिर पहचान हमारी,
बातें हुईं फिर बहुत सारी,
फिर टीचर ने हमें बताया, क्या होता है नर्सिंग,
हम भी कहाँ शांत बैठे, हमने भी शुरू की सर्चिंग,
धीरे-धीरे सब पता चला जब,
मेहनत करने लगे फिर सब,
सीनियर्स से तब बढ़ी पहचान,
देने लगे हम उनको मान-सम्मान,
ऐसे ही मस्ती से दिन बीते हमारे,
लड़ते-झगड़ते और फिर एक हो जाते सारे।

❑

पापा और अधूरी यादें

—नेहा
B.Sc. Nurshing IInd Sem.

पापा आपकी बहुत याद आती है,
सुबह होते ही लौट आती हैं सबकी खुशियाँ,
पर मेरी आपके बिना अधूरी शाम आती है
आज भी याद है वो दिन मुझे, जब आप गोदी में उठाते थे,
नींद आती थी जब कभी मुझे,
आप अपनी बाँहों में सुलाते थे,
लाड़ करते थे सब पर आप बेटा-बेटा बुलाते थे।
कभी डर लगता था आपकी डांट से
आज आपकी खामोशी सताती है
बस आप नहीं आते पापा,
आपकी याद हर रात आती है।
सब हैं पास मेरे बस आप नहीं हैं
दिल दुखता है कितना मेरा,
पापा क्या आपको एहसास नहीं है।
कहते थे जान हूँ आपकी, हर खुशी और शान हूँ आपकी,
आप कहाँ चले गये पापा, आज फिर से कहो न कि मैं
बेटी नहीं अरमान हूँ आपकी।
याद आते ही हरदम सबसे छुप-छुपकर रोती हूँ
आप एक बार छोड़कर क्या गये पापा
मैं आपको हर रात खोती हूँ।
जिन्दगी आपके बिना अब अच्छी नहीं लगती,
आप आते क्यूँ नहीं मेरे बुलाने पर पापा
क्या मैं आपकी छोटी बच्ची नहीं लगती।

❑

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशंस द्वारा संचालित

MBA, BBA, BCA, B.Com, B.ScAG, B.Sc, BPES, MSW, M.Com, BTC, B.Ed,

B.Lib, M.Lib, M.Sc. AG, D.Pharma, B.Pharma, M.Pharma

पाठ्यक्रमों की वार्षिक परीक्षा 2023 व अन्य शैक्षिक क्रिया–कलापों में स्वर्णपदक विजेता–

निम्नलिखित छात्र/छात्राओं को 2023 की वार्षिक परीक्षा में इस संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रथम श्रेणी के साथ सर्वाधिक अंक व प्रस्तुति करने के उपलक्ष्य में, संस्थान द्वारा पुरस्कार स्वरूप स्वर्णपदक, प्रमाण पत्र एवं एक हजार एक सौ रुपये नकद प्रदान किया जाता है–

1. **प्रज्ञा तिवारी को एम.बी.ए. (80.1%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **रमाऊदेवी (माता : मिश्रीलाल वर्मा, मुख्य प्रबन्ध निदेशक)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
2. **मो0 सज्जाद खान को बी.बी.ए. (71.62%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **हेमराज वर्मा (पिता : मिश्रीलाल वर्मा, मुख्य प्रबन्ध निदेशक)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
3. **प्रशांत कुमार श्रीवास्तव को बी.सी.ए. (76.10%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **प्रो. मंशाराम वर्मा (पूर्व महानिदेशक, बी.जी.आई.)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
4. **मनु गुप्ता को बी.कॉम. (62.22%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **गया प्रसाद वर्मा (पिता : इं. पी. एन. वर्मा, चेयरमैन)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
5. **मो0 मुल्तमिश को एम.कॉम. (57.81%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **झिनका देवी (माता : इं. पी. एन. वर्मा, चेयरमैन)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
6. **नीलेश मिश्रा को डी.फार्मा (79.48%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **डॉ0 जगदीशनारायण 'पंकज'(भवदीय प्रकाशन के परम सहयोगी)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
7. **तुषार गुप्ता को बी.फार्मा (87.2%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **राममिलन चौधरी** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
8. **श्रवण कुमार पाण्डेय को बी.एड्. (85.33%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **रामतेज वर्मा (पिता : श्री फूलचन्द्र वर्मा, परिसर प्रभारी)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
9. **कु0 प्रियंका गुप्ता को बी.टी.सी. (92.50%)** की परीक्षा 2023 में भवदीय हेमराज वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **रमाऊदेवी (माता : मिश्रीलाल वर्मा, मुख्य प्रबन्ध निदेशक)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।

10. **कु. आकांक्षा चौधरी को बी.टी.सी. (93.62%)** की परीक्षा 2023 में भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **हेमराज वर्मा (पिता : मिश्रीलाल वर्मा, मुख्य प्रबन्ध निदेशक)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
11. **आशु शर्मा को बी.टी.सी. (94.68%)** की परीक्षा 2023 में श्री साईं राम इन्स्टीट्यूट में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **प्रो. मंशाराम वर्मा (पूर्व महानिदेशक, बी.जी.आई.)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
12. **उपासना को बी.एस–सी. कृषि (80.42%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **गया प्रसाद वर्मा (पिता : इं. पी.एन. वर्मा, चेयरमैन)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
13. **कमलेश कुमारी को बी.एस–सी. गृहविज्ञान (73.66%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **झिनका देवी (माता : इं. पी.एन. वर्मा, चेयरमैन)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
14. **आफरीन बानो को बी.लिब (77.20%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **डॉ0 जगदीशनारायण 'पंकज' (भवदीय प्रकाशन के परम सहयोगी)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
15. **दीक्षा गोस्वामी को बी.एस–सी. बायो ग्रुप (65.44%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **राममिलन चौधरी** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
16. **शनि सिंह को बी.पी.ई.एस. (84.93%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **रामतेज वर्मा (पिता : श्री फूलचन्द्र वर्मा, परिसर प्रभारी)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
17. **पृथ्वीराज को एम.एस.डब्ल्यू. (65.31%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **रमाऊदेवी (माता : मिश्रीलाल वर्मा, मुख्य प्रबन्ध निदेशक)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
18. **पुष्पाराज को एम.लिब. (74.90%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **हेमराज वर्मा (पिता : मिश्रीलाल वर्मा, मुख्य प्रबन्ध निदेशक)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
19. **महीप कुमार को एम.एस.सी. कृषि एग्रोनॉमी (79.59%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **प्रो. मंशाराम वर्मा (पूर्व महानिदेशक, बी.जी.आई.)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
20. **नेहा गोस्वामी एम.एस–सी. कृषि हार्टीकल्चर (73.88%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **गया प्रसाद वर्मा (पिता : इं. पी. एन. वर्मा, चेयरमैन)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।
21. **दीपक कुमार को एम.एस–सी. कृषि स्वायॅल साइंस (75.76%)** की परीक्षा 2023 में संस्थान में प्रथम श्रेणी के साथ प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा **झिनका देवी (माता : इं. पी.एन. वर्मा, चेयरमैन)** स्मृति स्वर्णपदक प्रदान किया जाता है।

This document was created with the Win2PDF “Print to PDF” printer available at

https://www.win2pdf.com

This version of Win2PDF 10 is for evaluation and non-commercial use only.
Visit https://www.win2pdf.com/trial/ for a 30 day trial license.

This page will not be added after purchasing Win2PDF.

https://www.win2pdf.com/purchase/